ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश या धर्म चाहे कोई भी हो, मानवता होता है महत्वपूर्ण: डीके शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 08 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-38

बांग्लादेश में कट्टरपंथी भीड़ का बवाल आवामी लीग वालों के घर पर हमला

आलोचना करने पर अभिनेत्री गिरफ्तार, भारत ने यूनुस सरकार को फटकारा

ढाका/नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत ने ढाका में बांग्लादेश के राष्ट्रपिता बंगबंधु मुजीबुर रहमान का घर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा ढहाए जाने की आलोचना की है। भारत ने इसे बर्बरता का कृत्य बताया है। भारत ने इसको लेकर कड़ा रुख जताया है। वहीं बांग्लादेश की सरकार शेख हसीना के भारत से ऑनलाइन रैली को लेकर खीझ गई है। उसने भारतीय हाई कमिश्नर को तलब किया है। इस बीच बांग्लादेश के कट्टरपंथी देश भर में आवामी लीग के कार्यालय धाने और शेख हसीना से जुड़े लोगों के घरों को तोड़ने में जुटे हैं।

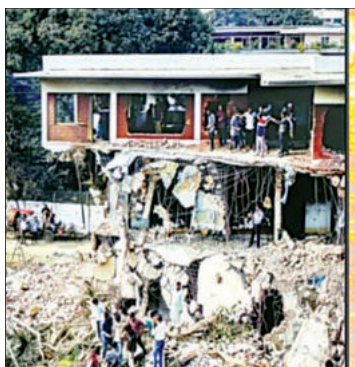

भारत ने ढाका में बंगबंधु मुजीबुर रहमान के घर 'धानमंडी 32' को ढहाए और जलाए जाने के बाद बयान जारी किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, यह काफी दुखद है कि शेख मुजीबुर रहमान का ऐतिहासिक निवास, जो गुलामी और प्रताड़ना की ताकतों के खिलाफ बांग्लादेश के लोगों के प्रतिरोध का प्रतीक है, 5 फरवरी, 2025 को ढहा दिया गया।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, वे सभी लोग जो उस स्वतंत्रता संग्राम को महत्व देते हैं, जिसने बांग्ला पहचान के गौरव को बढ़ाया। वे बांग्लादेश की राष्ट्रीय चेतना के लिए इस घर के महत्व को जानते हैं। बर्बरता के इस कृत्य की कड़ी निंदा होनी चाहिए।

इससे पहले ढाका में भारतीय हाई कमिश्नर को गुरुवार को यूनुस सरकार ने तलब किया। बांग्लादेश ने शेख हसीना की की ऑनलाइन रैली को लेकर निंदा की और भारत से इसको लेकर कड़ा प्रतिरोध जताया। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने यह रैली नई दिल्ली से ऑनलाइन माध्यम से की थी।

बांग्लादेश ने कहा कि शेख हसीना ने नई दिल्ली में बैठ कर भड़काने वाला बयान दिया और झूठे आरोप लगाए। शेख हसीना ने ऑनलाइन रैली में कहा था कि मोहम्मद यूनुस उनकी हत्या करवाना चाहते थे। शेख हसीना ने कहा था कि यूनुस पैसे की ताकत का इस्तेमाल करके और कई लोगों की लाशों पर कदम रखकर सत्ता में आए हैं।

गौरतलब है कि हसीना की इस रैली के बाद इस्लामी कट्टरपंथियों ने शेख हसीना के पैतृक निवास को ढाका के भीतर ढहा दिया था। यह वही घर था जहाँ से शेख हसीना के पिता और बंगबंधु मुजीबुर रहमान ने पकिस्तान के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन चलाया था। शेख हसीना की रैली के जवाब में कट्टरपंथी हथौड़े और बुलडोजर लेकर पहुँचे थे। उन्होंने इस घर को पहले आग लगाई और फिर इसे तोड़ दिया। ▶10 पर

आरबीआई ने पांच साल बाद रेपो दर 0.25 प्रतिशत घटाई

ईएमआई कम होने की उम्मीद, मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

मुंबई, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को सुस्त पड़ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से लगभग पांच साल बाद प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6.25 प्रतिशत कर दिया।

रेपो दर घटने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कमी आने की उम्मीद है।

आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार से शुरू तीन दिन की बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि समिति ने आम सहमति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती का निर्णय किया है।

इसके साथ, एमपीसी में अपने रुख को 'तटस्थ' बनाये रखने पर सहमति बनी है।

रेपो दर वह प्रमुख ब्याज है, जिसपर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इस दर का उपयोग करता है। रेपो दर अधिक होने का मतलब है कि कर्ज की लागत अधिक होगी। यानी ग्राहकों को अधिक ब्याज पर कर्ज मिलेगा। वहीं इसके उलट, रेपो दर कम होने से आवास, कार और व्यक्तिगत ऋण पर ब्याज दर घटने की उम्मीद रहती है। साथ ही रेपो दर बचत और निवेश उत्पादों पर रिटर्न भी तय करती है। उच्च रेपो दर से सावधि जमा और अन्य बचत उत्पादों पर बेहतर रिटर्न मिल सकता है, क्योंकि बैंक जमा को आकर्षित करने के लिए उच्च ब्याज दर की पेशकश करते हैं। दूसरी ओर, कम रेपो दर इन बचत उत्पादों पर अर्जित ब्याज को कम कर सकती हैं। इससे पहले मई, 2020 में कोविड-19 महामारी के समय रेपो दर को 0.40 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत किया गया था। फिर रूस-यूक्रेन युद्ध के जोखिमों से निपटने के लिए आरबीआई ने मई, 2022 में दरों में बढ़ोतरी करनी शुरू की थी और यह सिलसिला फरवरी, 2023 में जाकर रुका था। ▶10 पर

आयुष्मान योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना : नड्डा

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक सवाल की जवाब में लोकसभा में कहा की आयुष्मान योजना दुनिया की स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी योजना है। जो लोग पहले पैसे के अभाव में अस्पताल में इलाज करवाने नहीं जा सकते थे उन्हें अब इस योजना के तहत अस्पतालों में इलाज मिल रहा है।

आयुष्मान भारत के तहत देश की 40% आबादी को कवर किया गया है। यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है और 2018 तक इसमें 35 लाख कार्यकर्ता जुड़े हुए थे। देश में कुल 61 करोड़ से ज्यादा लोगों को आयुष्मान भारत के तहत स्वास्थ्य कर सेवा दी गई है। अब तक अस्पताल 8.6 करोड़ लोगों को इस योजना के तहत लाभ दिया जा चुका है। देश में बड़े स्तर पर लोगों की जीवन को इस योजना के तहत बचाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 30000 अस्पताल के माध्यम से बाईपास सर्जरी जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यदि कोई समस्या इस पर आती है तो राज्य सरकारों के साथ मिलकर इसकी समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत केंद्र सरकार सभी सुविधा दे रही है और समय पर पैसे का भुगतान भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो गरीब अस्पताल जाने से कतराते थे आयुष्मान भारत के तहत उन्हें सारी सुविधाएं अस्पतालों में उपलब्ध कराई जा रही है।

जम्मू-कश्मीर : सीमा पर भारतीय सेना ने मार गिराए 10 पाकिस्तानी घुसपैठिए

जम्मू-कश्मीर, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के कृष्णा घाटी इलाके में नियंत्रण रेखा पर 10 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया है। इनमें अल-बदर के 6 आतंकवादी और पाकिस्तानी सेना के 4 कमांडो शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, यह घुसपैठिए भारतीय चौकी पर हमला करने की कोशिश कर रहे थे। इन पाकिस्तानी घुसपैठियों को 4-5 फरवरी के दौरान मार गिराया गया है। इन घुसपैठियों में अधिकतर का संबंध पाकिस्तान

अल-बदर का कुख्यात आतंकी भी मारा गया

बॉर्डर एक्शन टीम से था।

इस बार सर्दियों में कम बर्फबारी हुई है, जिससे आतंकियों के आने-जाने वाले पहाड़ी रास्ते खुले हुए हैं। इसे देखते हुए सुरक्षा बलों और भारतीय सेना ने एलओसी और जम्मू-कश्मीर के अंदरूनी इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना ने आतंकियों की घुसपैठ रोकने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) के आसपास बारूदी सुरंगें बिछाई हैं। इसके अलावा रात में देखने वाले उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और सैनिकों की सतर्कता जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ रोकने की व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

आमतौर पर एलओसी के नजदीकी क्षेत्र को नो मैन्स लैंड कहा जाता है, जिसका मतलब है कि कोई भी इस जमीन पर नहीं आ सकता।

हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक की थी। उन्होंने सुरक्षा बलों को शून्य घुसपैठ और आतंकियों के प्रति पूर्ण सख्ती बरतने के निर्देश दिए थे।

यह बैठक उस घटना के बाद हुई, जिसमें कुलगाम जिले में आतंकियों ने पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे की हत्या कर दी। इस हमले में उनकी पत्नी और बेटी भी घायल हो गई थीं।

इस हत्या के बाद जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने केंद्र सरकार पर प्रदेश में हालात सामान्य होने के दावे को लेकर सवाल उठाए।

दिल्ली से लेकर नोएडा तक स्कूलों में दहशत

जांच के लिए मौके पर पहुंचा बम निरोधक दस्ता

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली एनसीआर के शैक्षणिक संस्थानों को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकियां मिल रहीं है। आज पूर्वी दिल्ली के एल्कॉन स्कूल और उत्तरी दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज को ई-मेल के जरिए बम धमकी मिली, वहीं नोएडा के शिव नादर स्कूल को भी धमकी भर मेल मिला जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुबह पीसीआर को इन दोनों संस्थानों से धमकी की सूचना मिली। इसके बाद स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और श्वान दल मौके पर पहुंचा और पूरे परिसर की तलाशी शुरू कर दी गई। खबर लिखे जाने तक सुरक्षा बलों द्वारा सघन जांच जारी थी। वहीं दूसरी तरफ नोएडा के एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टर 168 के शिव नादर स्कूल को भी धमकी भरा मेल मिलने की सूचना पर पुलिस टीम, ▶10 पर

पीएम मोदी की दो दिवसीय अमेरिकी यात्रा 12 से

नई दिल्ली-वाशिंगटन रिश्तों को नया आयाम देने का अवसर

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 और 13 फरवरी को अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद पीएम मोदी की यह पहली अमेरिका यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस दौरे को भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के आपसी हितों पर चर्चा के लिए बेहद मूल्यवान होगी। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी उन पहले विश्व नेताओं में शामिल हैं जिन्हें ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका ने आमंत्रित किया है। यह भारत-अमेरिका साझेदारी की मजबूती को दर्शाता है।

File Photo

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ एक द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके अलावा, पीएम मोदी अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, व्यापारिक नेताओं और भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात करेंगे। ▶10 पर

अमेरिका से और निकाले जाएंगे 487 अवैध भारतीय प्रवासी

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को 487 कथित भारतीय नागरिकों के बारे में सूचित किया है जिन्हें निष्कासन आदेश जारी किए गए हैं। मिस्री के अनुसार, इन व्यक्तियों को कथित तौर पर अमेरिका से संभावित निर्वासन का सामना करना पड़ रहा है। विदेश सचिव ने एक प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी और आश्वासन दिया कि भारत सरकार अवैध अप्रवासी पाए गए भारतीयों की सुरक्षित वापसी की सुविधा के लिए ट्रम्प प्रशासन के संपर्क में है। मिस्री ने कहा कि भारत सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है ▶10 पर

दिल्ली चुनाव 2025 परिणामों से पहले मचा घमासान

विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों की जांच करेगी एसीबी

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

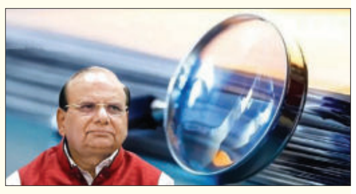

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) अब आम आदमी पार्टी (आपा) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के उस दावे की जांच करेगा, जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर उनके मौजूदा विधायकों को तोड़ने की कोशिश करने और 15 करोड़ रुपये का ऑफर देने का आरोप लगाया था।

अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि बीजेपी उनकी पार्टी के विधायकों को पैसे और पद का लालच देकर पार्टी बदलने के लिए कह रही है। केजरीवाल ने लिखा- कुछ एजेंसियां दिखा रही हैं कि बीजेपी को 55 से ज्यादा सीटें मिल रही हैं। लेकिन, पिछले दो घंटे में हमारे 16 उम्मीदवारों को फोन आ चुके हैं कि 'आपा छोड़कर बीजेपी में आ जाओ, मंत्री बना देंगे और 15-15 करोड़ रुपये भी देंगे।' ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,480/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 97,620/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31⁰

न्यूनतम : 20⁰

हिन्दू घटा तो देश की पहचान के लिए होगा संकट : विहिप

महाकुम्भ नगर, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केंद्रीय प्रन्यासी मंडल बैठक के द्वितीय सत्र में पारित एक प्रस्ताव में कहा गया है कि हिन्दुओं की घटती जनसंख्या दर, हिन्दू परिवारों के विखंडन, लिव इन संबंध, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति चिंतनीय है। इसमें देश की युवा पीढ़ी से कहा गया है कि ये समस्याएं हिन्दू समाज के लिए चुनौती बन गई हैं जिनका जवाब उन्हें देना होगा।

विहिप के संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने शुक्रवार को प्रयागराज में पत्रकार वार्ता में कहा कि देश के सामने आने वाली हर चुनौती का हिन्दू युवा शक्ति ने हमेशा जवाब दिया है। जनसंख्या असंतुलन हिन्दू समाज के अस्तित्व के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। हिन्दुओं की घटती हुई जनसंख्या बहुआयामी प्रभाव निर्माण करती है। हिन्दू इस देश की पहचान है। अगर हिन्दू घटा तो देश की पहचान और अस्तित्व के लिए भी संकट के बादल छा जाएंगे। इस स्थिति को रोकने के लिए हिन्दू युवाओं को आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि देरी से विवाह और उज्वल भविष्य की भ्रामक अवधारणाओं के मकड़ जाल के कारण भी हिन्दू दंपतियों के बच्चे कम हो रहे हैं। विहिप ने आह्वान किया कि 25 वर्ष की उम्र में विवाह करना आज की आवश्यकता है।

डॉ जैन ने बताया कि कई वैज्ञानिक अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि यदि बच्चों का संपूर्ण विकास करना है तो प्रत्येक परिवार में दो या तीन बच्चे आवश्यक होने चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि आज हिन्दू संस्कारों के अभाव में परिवार संस्था पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पश्चिमी भौतिकवाद का बढ़ता प्रभाव, अर्बन नक्सल षड्यंत्र व ग्लोबल कॉरपोरेट समूह मनोरंजन माध्यम व विज्ञापनों के द्वारा युवाओं को भ्रमित व संस्कारविहीन बना रहा है। इसी कारण विवाहेत्तर संबंध और लिव इन संबंध भी बढ़ रहे हैं। विहिप ने युवाओं को अपनी जड़ों की ओर लौटने का आह्वान किया, जिससे सुखी पारिवारिक जीवन सुनिश्चित किया जा सके और बच्चों तथा बुजुर्गों को सामाजिक व भावनात्मक सुरक्षा भी दी जा सके। देश में बढ़ती हुई नशे की प्रवृत्ति पर भी विहिप ने चिंता व्यक्त की। 16 करोड़ से अधिक लोगों का नशे का आदी होना इस समस्या की भीषणता को प्रकट करता है। विहिप ने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्वयं भी नशे की आत्मघाती प्रवृत्ति से दूर रहें तथा अपने शिक्षण संस्थान नगर व ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

केआईओसीएल लिमिटेड की मेंगलूरु स्थित संयंत्र इकाई को मिला उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मेंगलूरु की 75वीं अर्द्धवार्षिक बैठक तथा प्रशस्ति वितरण समारोह का आयोजन बुधवार को यूनियन बैंक, अंचल कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में किया गया। जिसकी अध्यक्षता रेणु के. नायर, अध्यक्ष, नराकास मेंगलूरु व कार्यालय प्रमुख, अंचल कार्यालय मेंगलूरु, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग के उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास मौजूद थे। उन्होंने भारत सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, स्वायत्त निकायों और बैंकों के राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए केआईओसीएल लिमिटेड की मेंगलूरु स्थित संयंत्र इकाई को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार प्रदान किया। बैठक का संचालन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक कृष्णा यादव ने की। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75वीं अर्द्धवार्षिक बैठक में केआईओ-सीएल को प्राप्त उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार पी. पलनी, मुख्य महा प्रबंधक प्रभारी मेंगलूरु द्वारा प्राप्त किया गया। सम्मान समारोह में पुरस्कार विजेता टीम के रूप में केआईओसीएल लिमिटेड से चेतन कुमार शेट्टी, नोडल राजभाषा सह सहायक महा प्रबंधक (मासं एवं प्रशा) एवं रूपेश कुमार, राजभाषा समन्वयक सह सहायक प्रबंधक (मासं.) उपस्थित थे। केआईओसीएल की संयंत्र इकाई के रोहिल कुमार, प्रबंधक (ईवसी), गौर कुमार, सहायक प्रबंधक (यांअ), अंकित कुमार, सहायक प्रबंधक (साप्र) और रूपेश कुमार, सहायक प्रबंधक (मासं) को विभिन्न व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागी के रूप में सम्मानित भी किया गया।

प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के अवसर पर प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र द्वारा गुरुवार को प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन विजयनगर स्थित अर्हम् भवन में मुनि मोहजीत कुमार जी के सान्निध्य में किया गया। मुनि जी द्वारा नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र के सदस्यों द्वारा मंगलाचरण के रूप में आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा रचित गीत का संगान किया गया। तदुपरांत प्रेक्षा प्रशिक्षक साउथ कोआर्डिनेटर एवं विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र की संयोजिका वीणा बैद द्वारा अर्हम् मंत्र पर ध्यान का विशेष प्रयोग कराया गया।

मुनि मोहजीत कुमार जी ने कार्यशाला के विषय आत्म साक्षात्कार का आधार प्रेक्षाध्यान विषय पर फरमाते हुए कहा कि प्रेक्षाध्यान द्वारा आत्मा की साधना करने से पूर्व अपने शरीर की साधना अति आवश्यक है। शरीर की स्थिरता के बिना ध्यान में उतरना संभव नहीं है।

उन्होंने कार्यशाला में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं को प्रेक्षा प्रणेता आचार्य महाप्रज्ञ जी के इस महत्वपूर्ण अवदान को अपने जीवन में उतारकर इसके नियमित अभ्यास की प्रेरणा दी।

कार्यशाला में काफी संख्या में प्रेक्षा प्रशिक्षक व श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रेक्षा प्रशिक्षक छत्र सिंह मालू ने किया।

हाईकोर्ट के फैसले पर सीएम सिद्धरामैया ने जताई खुशी

कानूनी प्रक्रिया का पालन करने की बात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को राहत दी। अदालत ने आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका खारिज कर दी, जिसमें मुडा साइट आवंटन मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की गई थी। इस बात पर सीएम सिद्धरामैया ने खुशी जताई है। साथ ही कानूनी प्रक्रिया पालन करने की बात कही है। कांग्रेस विधायक, वरिष्ठ अधिवक्ता और मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए. एस. पोन्ना ने कहा कि उन्होंने अदालत के फैसले की जानकारी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को दी, जिन्होंने खुशी जताई और कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन जनता के समर्थन और कानून की वजह से ऐसे प्रयास विफल हो रहे हैं।

पोन्ना ने आगे कहा कि वे सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग के खिलाफ हैं, लेकिन अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे, तो पोन्ना ने कहा कि यह पूरी तरह से राजनीतिक मामला है और सरकार को अस्थिर करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन वे असफल हो रहे हैं। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त की जांच पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह फैसला विपक्ष के लिए एक झटका है, जो मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहा था।

कोर्ट द्वारा मुडा घोटाले में सीबीआई जांच खारिज करने के बाद सीएम गुट ने मनाया जश्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीएम सिद्धरामैया हाईकोर्ट के फैसले से राहत महसूस कर रहे हैं और उन्होंने प्री-बजट मीटिंग जारी रखी है। वहीं, सिद्धरामैया के समर्थकों ने नाच-गाकर जश्न मनाया और हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया। हाईकोर्ट का फैसला सिर्फ जांच एजेंसी तय करने तक सीमित है। मामले की सत्यता के बारे में कोई राय प्रकाशित नहीं की गई है। इस प्रकार, जबकि विपक्षी दल यह कहकर पलटवार कर रहे हैं कि सिद्धरामैया पूरी तरह से निर्दोष नहीं हैं, कांग्रेस के भीतर, खासकर सिद्धरामैया गुट के भीतर जश्न का माहौल है। अगर हाईकोर्ट वाकई सीबीआई जांच का आदेश देता है, तो सिद्धरामैया मुश्किल में पड़ सकते हैं। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली की आबकारी नीति की जांच की थी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल, जिन्होंने केन्द्र सरकार की अव-हेलना की थी, जेल में रहते हुए भी मुख्यमंत्री के रूप में शासन करते रहे। जमानत पर रिहा होने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भाजपा की

नैतिकता को चुनौती दी। सिद्धरामैया के समर्थकों को चिंता थी कि यदि मुडा मामले की जांच कर्नाटक में भी सीबीआई द्वारा की गई तो दिल्ली जैसी घटनाएं घट सकती हैं।

यदि सिद्धरामैया सीबीआई के जाल में फंस गए तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से हाथ धोना पड़ेगा। मंत्रिमंडल के कई सदस्य गुप्त रूप से आशा कर रहे थे कि इस संसदीय सत्र के दौरान उन्हें सत्ता मिल जाएगी। लेकिन उच्च न्यायालय के फैसले ने मानो सब कुछ पर पूर्ण विराम लगा दिया है, जिससे विपक्ष चुप हो गया है। शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कहा है कि वह सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। फिर भी, फिलहाल सिद्धरामैया इस झटके से बच निकले हैं। लोकायुक्त पुलिस द्वारा अदालत को सौंपी गई अंतरिम जांच रिपोर्ट लीक हो गई है। सिद्धरामैया ने मुडा मामले में हस्तक्षेप नहीं किया है। कहा गया कि 50:50 अनुपात में भूमि अधिग्रहण करने में कोई गलती नहीं हुई। प्रवर्तन निदेशालय की जांच से सिद्धरामैया को कुछ शर्मिंदगी तो महसूस हुई ही, साथ ही सीबीआई जांच का डर भी अब दूर हो गया है। अगर यह सच है कि लोकायुक्त जांच रिपोर्ट लीक हुई थी और सिद्धरामैया को उसमें क्लीन चिट दी गई थी, तो सिद्धरामैया मुडा कांड से राहत की सांस ले सकते हैं। लगभग 5 दशकों तक विधायक, मंत्री, विपक्षी नेता, उपमुख्यमंत्री और दो बार मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारियां निभा चुके सिद्धरामैया मुडा के आरोपों को लेकर दुविधा में फंस गए थे। भाजपा-जेडीएस पार्टियों ने मुडा मामले को जनांदोलन में बदलने के लिए बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा की। भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने भाजपा के भीतर अलग-अलग आवाजें उठाते हुए कहा था कि जो लोग सिद्धरामैया द्वारा जीती गई चार सीटों के लिए लड़ रहे हैं, वे आत्म-विनाशकारी हैं। हालाँकि, विपक्षी दलों ने बार-बार मुडा मामले को उठाया और कांग्रेस सरकार को कमजोर करने की कोशिश की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से लेकर सभी ने अपनी राय व्यक्त की कि भाजपा-जेडीएस मुडा के बहाने सिद्धरामैया के खिलाफ राजनीतिक साजिश रचकर कांग्रेस की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है, और सभी सिद्धरामैया के समर्थन में खड़े हुए। हालाँकि, राजनीतिक रूप से यह मामला गहन बहस का विषय रहा। यदि सीबीआई जांच करती तो इस बात की संभावना थी कि मामला कुछ और ही हो जाता। यही कारण है कि सिद्धरामैया के प्रशंसक जश्न मना रहे हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। करुनाडु डॉ. राजकुमार अभिमानीगला संघ महालक्ष्मीपुरम द्वारा आयोजित अन्नमा देवी उत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

आऊवा जैन महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आऊवा जैन महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी हिना निलेश कोठारी के निवास स्थान पर आयोजित की गई। अध्यक्ष कांता रायसोनी ने मंडल के सदस्यों का स्वागत किया। साथ ही मंडल की सदस्य उमाबाई रायसोनी, जिनका 5 फरवरी को आकस्मिक निधन हुआ, को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सदस्यों ने कहा वे हमारे मंडल की वडील थी। वे हमेशा हम सभी को धर्म से जुड़ने की प्रेरणा देती थी। वह ऐसी अध्यात्मिक आत्मा थी कि जिनकी उपस्थिति ही हमारे मंडल में एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती थी।

सभी मंडल के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए नवकार मंत्र का जाप किया। मंडल में आने वाले गतिविधियों पर थोड़ी बहुत चर्चा हुई। लीला, हिना कोठारी ने स्वागत किया। कांता रायसोनी ने संचालन एवं आभार व्यक्त किया।

राज्य में युवाओं की अचानक मौतों में वृद्धि पर सीएम ने पैनल का किया गठन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने वरिष्ठ पत्रकार राजाराम तल्लूर के पत्र के बाद राज्य में युवाओं में अचानक होने वाली मौतों की बढ़ती संख्या की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति के गठन का आदेश दिया है। तल्लूर ने दिल के दौरे, कार्डियक अरेस्ट, मस्तिष्क संबंधी समस्याओं और न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के कारण अप्रत्याशित रूप से मरने वाले युवाओं की बढ़ती रिपोर्टों पर चिंता जताई। इन अचानक

मौतों ने कई परिवारों को वित्तीय और सामाजिक संकटों का सामना करना पड़ रहा है। सार्वजनिक चर्चाओं ने इन मौतों और कोविड-19 या इसके टीकों के बाद के प्रभावों के बीच एक संभावित संबंध का सुझाव दिया है। अपने पत्र में, तल्लूर ने अधिकारियों से यह निर्धारित करने के लिए एक व्यापक जांच करने का आग्रह किया कि क्या ये मौतें वायरस या वैक्सीन के दुष्प्रभावों से संबंधित हैं, और निवारक उपायों को लागू करने के लिए। जवाब में, सरकार ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की एक समिति का गठन किया है। पैनल एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा, और इसके निष्कर्षों के आधार पर, बढ़ती चिंता को दूर करने के लिए आवश्यक निवारक उपाय पेश किए जाएंगे।

बीबीएमपी द्वारा किए जा रहे पाइपलाइन के कार्यों का निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने शुक्रवार को एसपी रोड, नगरथपेट और ओटीसी रोड पर बीबीएमपी द्वारा किए जा रहे पाइपलाइन के कार्यों का निरीक्षण किया। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि दक्षिण भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक बाजारों में से एक एस पी रोड के एसोसिएशन के सदस्यों ने बीबीएमपी इंजीनियर्स और ठेकेदार से बातचीत कर एसपी रोड, ओटीसी रोड में ग्राहकों और दुकानदारों के सुगम प्रवेश के लिए रास्ता खोलने के बारे में जानकारी प्राप्त की और जारी कार्यों का निरीक्षण किया। इसके प्रत्युत्तर में उन्होंने शीघ्र ही अंडर ग्राउंड कार्यों को पूरा करके वाईट टॉपिंग का कार्य शुरू करने की बात कही। एसोसिएशन के महामंत्री अरुण लुणावत ने बताया

कि ट्रैफिक पुलिस, बीबीएमपी, एफकेसीसीआई आदि को पत्र लिखकर भी कार्यों की धीमी गति के बारे में चिंता जताई गई है। इंजीनियर्स की तरफ से पाइपलाइन का संपूर्ण कार्य फरवरी माह के अंत तक पूरा करने का आश्वासन मिला है।

एटीएम मशीन कैशियर ने की चोरी, 6 गिरफ्तार

51 लाख रुपये नकद जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महालक्ष्मी लेआउट पुलिस ने एक एजेंसी के छह कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है जो एटीएम से पैसे चुराने के लिए पासवर्ड का इस्तेमाल कर रहे थे और उन पर एटीएम मशीनों में पैसे भरते समय भी पैसा चुराने का आरोप है। उन्होंने 51.76 लाख रुपये नकद सहित 90 लाख रुपये की तीन कारें भी जब्त की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में कैश ऑफिस का समीर (26), मनोहर (29), गिरीश (26), जग्गेश (28), माल वाहन चालक शिवू (27) और लग्गेरा का जशवंत (27) शामिल हैं। ये सभी नंदिनी लेआउट के रहने वाले हैं। इन आरोपियों ने गबन के पैसे से तीन कारें खरीदीं, जिन्हें भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

पुलिस पूछताछ में पता चला कि ये आरोपी पिछले दो सालों से एटीएम से पैसे चुरा रहे हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि केम्पेगौड़ा लेआउट, सर्विस रोड पर एक चाय की दुकान के पास छह लोग इकट्ठा हुए थे और वित्तीय मामलों को लेकर एक-दूसरे से बहस कर रहे थे। पुलिस

ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर इन छह लोगों को हिरासत में लिया और जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि उन्होंने एटीएम से पैसे चुराए थे और चुराए गए पैसे को बांटने को लेकर आपस में झगड़ रहे थे। इन छह लोगों को पुलिस थाने ले जाया गया और एक कार तथा 43,76,000 रुपये जब्त कर लिये गये।

लंबी पूछताछ में पुलिस को पता चला कि आरोपी एटीएम में पैसे भरने और एटीएम की मरम्मत का काम करते थे। पूछताछ में पता चला कि वे न केवल एटीएम में कम पैसे भरकर बचे हुए पैसे गबन कर रहे थे, बल्कि एटीएम मशीनों की मरम्मत करते समय पासवर्ड प्राप्त करके एटीएम से पैसे भी चुरा रहे थे। इस मामले में शामिल आरोपियों में से पुलिस ने चौडेश्वरी नगर, लग्गेरे स्थित आर-ोपी के घर से 8 लाख रुपए नकद और एक कार जब्त की है, जो उसकी पत्नी को दी गई थी, जिसे एक अन्य आरोपी ने नंदिनी लेआउट के सिद्धेश्वर लेआउट स्थित उसके घर से चुराया था। एक अन्य आरोपी की कार, जो चोरी के पैसों से खरीदी गई थी, लक्ष्मीदेवी नगर के नंदिनी लेआउट स्थित उसके घर से जब्त कर ली गई। उप पुलिस आयुक्त सैदुलु अदावत के मार्गदर्शन और सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में इंस्पेक्टर मंजू और स्टाफ की टीम ने मामले को सुलझाने में सफलता हासिल की।

नेत्र जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो द्वारा गुरुवार को शांतिनगर स्थित संध्या किरण आश्रम में करीब 60 लोगों की आंखों की जांच करवाई गई।

जेसीआई का इस कार्यकाल का यह प्रथम प्रोग्राम दिव्य दृष्टि प्रोजेक्ट था। आंखों की जांच में दिव्य दृष्टि आई हॉस्पिटल से डॉक्टर प्रकाश जैन की टीम द्वारा निशुल्क आई चेक अप किया गया। साथ ही निशुल्क दवाई व चश्मे भी वितरित किए गए। शिविर का विधिवत प्रारंभ मंगलाचरण से हुआ। अध्यक्ष सुनील मेहर ने सभी का स्वागत किया।

मंत्री दीपिका जैन ने रिपोर्ट दी। मोनिका कुमट ने पूरे शिविर को व्यवस्थित रूप से सम्पन्न करवाया। उपाध्यक्ष गौतम बोथरा, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, ललिता बोथरा, श्वेता राकेचा, रूपचंद कुमट, श्रीजल कुमट व समकित कुमट भी उपस्थित रहे।

जंजीरों में बांधकर भेजने की अमेरिका की क्रूरता पर नाराजगी जताई

देश या धर्म चाहे कोई भी हो, मानवता होता है महत्वपूर्णः डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा कि देश या धर्म चाहे कोई भी हो, मानवता महत्वपूर्ण है। लोगों को जंजीरों में बांधकर रखना उचित नहीं है, यह निंदनीय है। कनकपुरा में पत्रकारों से बात करते हुए जब उनसे अमेरिकी सरकार द्वारा कुछ भारतीयों को अवैध रूप से वहां रहने के कारण उनके हाथ-पैरों में लोहे की जंजीरें बांधकर भारत वापस भेजने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा हमने देखा है कि अतीत में मजदूरों को जंजीरों में बांधकर रखा जाता था। इससे बचने के लिए सरकार ने कानून बनाये हैं और दंड का प्रावधान किया है। लेकिन यह निंदनीय है कि उन्नत एवं जागरूक देशों में ऐसा हुआ है। यदि वे अपने देश में अवैध रूप से रह रहे हैं तो उन्हें तदनुसार दंडित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, कोई भी यह स्वीकार नहीं कर सकता कि कैदियों को इस तरह जंजीरों में बांधा जाए। यह मानवता के प्रति अनादर है। गारंटी बोझ के बीच बजट पेश करने की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा किसने कहा कि गारंटी योजनाएं वित्तीय बोझ हैं? यह वो ताकत है जो सरकार ने लोगों के जीवन को दी है। हमने लोगों पर वित्तीय बोझ न पड़े, इसके लिए ये योजनाएं लागू की हैं। समाज के सभी वर्गों को आर्थिक सशक्तीकरण प्रदान करने के लिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को 250 करोड़ रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं के लिए 56 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह परियोजना लोगों के लिए बनाई गई है। अगर जीवन है तो जीवन है। हमारी सरकार ने इस कार्यक्रम को भूखे और गरीबों को ध्यान में रखकर तैयार किया है। मार्च के पहले सप्ताह में बजट पेश करने की तैयारियां की जा रही हैं और तारीख की घोषणा 2-3 दिन में कर दी जाएगी। केंद्र सरकार का बजट राज्य के लिए खाली टोकरी है। देवेगौड़ा, कुमारस्वामी, प्रहलाद जोशी, शोभा करंदलाजे सहित केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों ने राज्य के साथ हुए अन्याय पर कोई आपत्ति नहीं जताई। हमारी परियोजना को मंजूरी नहीं मिली। फिर भी वे केवल बड़ी-बड़ी बातें ही करते हैं। अगर हमारी आलोचना की जाती है तो वे खुश होते हैं।

उन्होंने कहा कि भले ही वे हमारी आलोचना करते हों, लेकिन वे खुश होते हैं, जिससे हमें संतुष्टि मिलती है। जब उनसे देवेगौड़ा के इस बयान के बारे में पूछा गया कि उनकी अंतिम इच्छा बेंगलूरु को पानी उपलब्ध कराना है, तो उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के बाद मैंने बेंगलूरु को अतिरिक्त 6 टीएमसी पानी आवंटित किया है। शिवकुमार ने एक नया अध्याय लिखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और दलीय सरकार ने यह निर्णय नहीं लिया है। परियोजना के रुके हुए 5वें चरण को पुनः शुरू कर दिया गया है और थोरेकदनहल्ली से पानी लाया गया है। कावेरी का पानी 110 गांवों को दिया जा रहा है। मैं बैल नदी से पानी लाया हूँ। इस वर्ष के अंत तक येत्तिनाहोले का पानी तुमकुरु तक पम्प कर दिया जाएगा। यह कांग्रेस पार्टी का संकल्प है। जब मैं मेकेदातु में पदयात्रा पर गया था, तो उन्होंने एक आलोचनात्मक टिप्पणी की थी। देवेगौड़ा ने कहा था कि वह मोदी का हाथ थामकर इस परियोजना पर हस्ताक्षर करेंगे, लेकिन उन्होंने अभी तक इस पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए? इसमें सिर्फ प्रचार नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। हम उनके अनुभव और वरिष्ठता का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह सम्मान बनाए रखना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या डी.के. सुरेश चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा यह सब खबर है। बहुत समय पहले मेरे पास एक गाय थी और मेरी माँ उसका दूध निकालती थी। क्या दूध पीते ही चुनाव लड़ना चाहिए? इसके अलावा, हम दसियों एकड़ में चावल और सैकड़ों एकड़ में कपास की खेती कर रहे हैं।

कौन जानता है किसके माथे पर क्या लिखा है?

कनकपुरा के रेशम उत्पादकों की सुविधा के लिए, हमने अपने चाचा के घर पर एक रीलिंग फैक्ट्री स्थापित करने का निर्णय लिया है, ताकि रेशम का उपयोग यहीं किया जा सके। कौन जानता है किसके माथे पर क्या लिखा है? दूसरे हवाई अड्डे के स्थान पर चर्चा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के निर्माण के लिए स्थान निर्धारित करना हमारे हाथ में नहीं है। हम सलाह दे सकते हैं, लेकिन अंततः निर्णय विमानन प्राधिकरण ही लेगा। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के समय किए गए समझौते के अनुसार, हम 2034 तक किसी अन्य हवाई अड्डे का संचालन शुरू नहीं कर सकते। लेकिन हम तैयारी कर सकते हैं। हमने इस तैयारी के लिए 3-4 स्थान प्रस्तावित किए हैं। हमने दक्षिण और उत्तर-पूर्व में सलाह दी है। उन्होंने कहा कि हवाईअड्डा एक तकनीकी मुद्दा है और सर्वेक्षण के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा।

मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया को राहत

कोर्ट ने सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को बड़ी राहत देते हुए न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग वाली याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने 27 जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पहले आरोपी के तौर पर नामित किया गया था, जबकि उनकी पत्नी बी.एम. पार्वती को दूसरे आरोपी के तौर पर सूचीबद्ध किया गया था। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने इसे एक अस्थायी झटका बताया और कहा कि आदेश पत्र उपलब्ध होने के बाद अपील दायर की जाएगी। यह मामला उन आरोपों के ईर्द-गिर्द घूमता है, जिनमें आरोप लगाया गया है कि सिद्धरामैया ने मुडा द्वारा अधिग्रहित 3 एकड़ और 16 गुंटा भूमि के बदले में अपनी पत्नी के नाम पर 14 साइटों के लिए मुआवजा हासिल करने के लिए अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल किया। याचिकाकर्ता ने कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा चल रही जांच पर आपत्ति जताई थी और इसके बजाय सीबीआई जांच की मांग की थी। अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए, अदालत ने लोकायुक्त को अपनी जांच जारी रखने और आगे की रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। छह प्रमुख वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए मामले पर बहस की। याचिकाकर्ता के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने एक स्वतंत्र सीबीआई जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि जब उच्च पदस्थ सरकारी हस्तियों पर आरोप लगे तो निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने कहा पूरी कैबिनेट ने इस मामले में सीएम सिद्धरामैया को बचाने का फैसला किया है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जवाब दिया कि याचिकाकर्ता ने शुरू में लोकायुक्त जांच की मांग की थी, लेकिन बाद में लोकायुक्त द्वारा अपनी जांच पूरी करने से पहले सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने तर्क दिया सीबीआई भी सरकार के नियंत्रण में है। हालांकि, लोकायुक्त पुलिस लोकायुक्त संस्था के तहत स्वतंत्र रूप से काम करती है। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह सीबीआई जांच की मांग करने वाला दुर्लभतम मामला नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी याचिकाओं को अनुमति देने से एक खतरनाक मिसाल कायम होगी। चौथे आरोपी, भूमि मालिक जे. देवराजू का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल पर कोई आपराधिक आरोप नहीं है और याचिका का उद्देश्य केवल मुख्यमंत्री को शर्मिंदा करना था। उन्होंने याचिकाकर्ता पर भूमि पर देवराजू के स्वामित्व को साबित करने वाले राजस्व विभाग के रिकॉर्ड सहित महत्वपूर्ण दस्तावेजों को रोकने का भी आरोप लगाया। इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुडा मामले के संबंध में बी.एम. पार्वती और कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री बिरथी सुरेश को नोटिस जारी किया है। ईडी ने पार्वती को 28 जनवरी को अधिकारियों के समक्ष पेश होने के लिए बुलाया था और मंत्री सुरेश को भी एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया था। पार्वती और सुरेश दोनों ने समन को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया। अदालत ने मामले में ईडी की तत्परता पर सवाल उठाते हुए उन्हें राहत दी।

कर्नाटक पुलिस ने माइक्रोफाइनेंस संस्थानों को दिया समर्थनः आर.अशोक

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने गुरुवार शाम को आरोप लगाया कि कर्नाटक पुलिस राज्य में लोगों को परेशान करने के लिए माइक्रोफाइनेंस संस्थानों का समर्थन कर रही है। उन्होंने दावा किया माइक्रोफाइनेंस संस्थानों द्वारा उत्पीड़न के कारण गरीब लोगों की मौत के बावजूद, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस मुद्दे पर आंखें मूंद ली हैं। अशोक ने आगे आरोप लगाया कि पुलिस भी माइक्रोफाइनेंस संस्थानों का समर्थन कर रही है। उन्होंने दावा किया जब ये कंपनियां घरों पर कब्जा करती हैं, तो पुलिस परिवार के सदस्यों को सुरक्षा देने के बजाय उन्हें जबरन बेदखल कर देती है। यह अस्वीकार्य है। उन्होंने इन संस्थानों द्वारा डाले गए दबाव के कारण अपनी जान गंवाने वालों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए न्यायिक जांच की भी मांग की। अशोक ने मांड्या के कोन्ना-पुरा गांव में एक मां और बेटे के परिवार से मुलाकात की, जिन्होंने माइक्रोफाइनेंस ऋण उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली थी, और शोक संतप्त रिश्तेदारों को सांत्वना दी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा सिद्धरामैया ने माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को रोकने के लिए अध्यादेश लाने का वादा किया था, जिसे एक महीना हो गया है। अकेले मांड्या जिले में, छह दलित परिवारों को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है। राज्य भर में लाखों लोग इसी तरह के मुद्दों के कारण अपने गाँव छोड़ चुके होंगे। सरकार अध्यादेश को लागू करने में विफल रही है, और परिणामस्वरूप, आत्महत्याएँ नहीं रुकी हैं। उन्होंने कहा कि कोन्ना-पुरा में, एक माँ प्रेमा और उसके बेटे रंजीत ने एक झील में कूदकर अपनी जान दे दी क्योंकि वे अपना माइक्रोफाइनेंस ऋण चुकाने में असमर्थ थे। उन्होंने कहा गरीबों के हितैषी होने का दावा करने वाले मुख्यमंत्री ऐसी त्रासदियों पर चुप हैं। कोन्नापुरा में चामुंडेश्वरी, नवचेतना, सूर्योदय, यूनिटी और प्रगति समेत 24 माइक्रोफाइनेंस संस्थान 12 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर पर पैसा उधार दे रहे हैं। प्रत्येक उधारकर्ता के पास नौ गारंटर हैं और यदि कोई व्यक्ति ऋण चुकाने में विफल रहता है, तो अन्य उत्तरदायी हो जाते हैं। दबाव को सहन करने में असमर्थ, लोग आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मांड्या में 60 माइक्रोफाइनेंस संस्थान संचालित हैं, लेकिन उनमें से केवल 18 ही कानूनी रूप से पंजीकृत हैं। उन्होंने कहा बाकी आपराधिक तत्वों द्वारा नियंत्रित हैं। तहसीलदार और पुलिस को हर गांव में कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए न्यायाधीश के नेतृत्व में न्यायिक जांच की जानी चाहिए। अनधिकृत माइक्रोफाइनेंस संस्थानों की पहचान की जानी चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

कोर्ट ने पॉक्सो मामला रद्द करने की येदियुरप्पा की याचिका पर विचार करने से किया इनकार

दी अस्थायी राहत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा केंद्रीय संसदीय समिति के सदस्य बी.एस. येदियुरप्पा को झटका देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत उनके खिलाफ आरोपों को खारिज करने से इनकार कर दिया। हालांकि, पीठ ने येदियुरप्पा को अदालत में अग्रिम जमानत दे दी, जिससे उन्हें गिरफ्तारी से छूट मिल गई। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसला सुनाया और मामले को पॉक्सो अदालत में वापस भेज दिया।

हालांकि, अदालत ने येदियुरप्पा के खिलाफ अदालत में पेश किए गए आरोपपत्र को भी खारिज करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता येदियुरप्पा द्वारा प्रस्तुत मामले की पात्रता पर भी कोई टिप्पणी नहीं की। अदालत ने 17 जनवरी को मामले में दलीलें और प्रतिवाद समाप्त करने के बाद मामले को निर्णय के लिए सुरक्षित रख लिया था। अब फैसला उनके खिलाफ आने के बाद येदियुरप्पा को मामले में कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि मामले को रद्द करने के लिए येदियुरप्पा की याचिका सोची-समझी थी, क्योंकि यह पीड़िता की मां की मौत के बाद दायर की गई थी, जो शिकायतकर्ता थीं। येदियुरप्पा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील सी.वी. नागेश ने कहा कि उनके मुवक्किल को शिकायतकर्ता की मौत के बारे में पता नहीं हो सकता था, और वह कोई जादूगर नहीं थे।

उन्होंने अदालत से कथित घटना और एफआईआर दर्ज होने के बीच 45 दिनों के अंतराल पर विचार करने का आग्रह किया। वकील ने शिकायतकर्ता की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया। वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज करने के उनके कथित इतिहास की ओर इशारा किया। यह मामला बेंगलूरु के सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में एक नाबालिग लड़की की मां द्वारा येदियुरप्पा पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराई गई एफआईआर से उपजा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि आरोप राजनीति से प्रेरित थे और वह कानूनी कार्यवाही का सामना करने के लिए तैयार हैं। मामले की जांच कर रहे आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने 27 जून, 2024 को एक विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। आरोप पत्र के अनुसार, येदियुरप्पा पर तीन अन्य आरोपियों के साथ पॉक्सो अधिनियम और आईपीसी की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे, जिसमें 354 (ए) (यौन उत्पीड़न), 204 (दस्तावेजों या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को नष्ट करना) और 214 (अपराध को छिपाने के लिए रिश्वत की पेशकश करना) शामिल हैं। आरोप पत्र में आरोप लगाया गया है कि 2 फरवरी, 2024 को शिकायतकर्ता अपनी 17 वर्षीय बेटी पर यौन उत्पीड़न के संबंध में मदद मांगने के लिए येदियुरप्पा के आवास पर गई थी। इसमें दावा किया गया है कि येदियुरप्पा लड़की को एक कमरे में ले गए, उसे बंद कर दिया और उसका यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने विरोध किया और कमरे से बाहर चली गई। इसके बाद, येदियुरप्पा ने कथित तौर पर उनकी मदद करने से इनकार कर दिया। चार्जशीट में आगे कहा गया है कि जब पीड़िता ने घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए, तो येदियुरप्पा ने बिचौलियों के जरिए उन्हें अपने घर बुलाया और उन्हें 2 लाख रुपये नकद दिए। आरोप है कि इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया और फोन गैलरी से मीडिया फाइलों को डिलीट करवा दिया। पीड़िता की माँ का 26 मई, 2024 को स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण बेंगलूरु में निधन हो गया। येदियुरप्पा ने आरोपों का पुरजोर खंडन करते हुए कहा, मेरे घर के पास एक माँ और बेटी परेशान दिख रही थीं। दया के कारण, मैंने उनकी स्थिति के बारे में पूछताछ करने के लिए उन्हें बुलाया। मैंने उनकी मदद के लिए बेंगलूरु पुलिस कमिश्नर को भी फोन किया। हालाँकि, उन्होंने मेरे खिलाफ आरोप लगाना शुरू कर दिया। इसके बावजूद, मैंने उन्हें आर्थिक मदद दी। मैं इन आरोपों का अदालत में सामना करूँगा।

बीबीएमपी क्षेत्राधिकार के अंतर्गत खाली पड़े भूखंडों के पंजीकरण की

अवधि को पूर्व आदेश के अनुसार 6 महीने के लिए बढ़ाने का अनुरोध

बेंगलूरु /शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु बिल्डर्स एवं डेवलपर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा को एक निवेदन प्रस्तुत कर बीबीएमपी क्षेत्राधिकार के अंतर्गत खाली पड़े भूखंडों, प्लाटों, बहुमंजिला इमारतों और विला के पंजीकरण की अवधि को पूर्व आदेश के अनुसार 6 महीने के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया है। सरकारी आदेश के अनुसार, लेआउट और बहुमंजिला इमारतों के निर्माण के लिए ई-खाते अनिवार्य कर दिए गए हैं और तदनुसार, सरकार ने ई-खातों के बिना संपत्तियों के लिए 31 अक्टूबर 2024 की समय सीमा दी है।

उन्होंने मंत्री के ध्यान में लाया कि उद्यमियों और अन्य लोगों सहित कई लोग बीबीएमपी क्षेत्र में रियल एस्टेट से आजीविका कमा रहे हैं और इससे करों और राजस्व के रूप में सरकार के खजाने में करोड़ों रुपये का राजस्व भी आ रहा है। बेंगलूरु बिल्डर्स एंड डेवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कन्नड़ मित्र वेंकटप्पा ने कहा कि पंजीकरण के लिए बहुत कम समय उपलब्ध होने के कारण, लेआउट में प्लॉट और अपार्टमेंट समय सीमा के भीतर अपंजीकृत रह गए। अब जब बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका के अधिकार क्षेत्र के भीतर सभी रजिस्ट्रार कार्यालयों में पंजीकरण के लिए ई-खाते अनिवार्य कर दिए गए हैं, तो पंजीकरण रोक दिया गया है। इससे छोटे बिल्डरों और डेवलपर्स, आम जनता और मालिकों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने बड़ी मात्रा में व्यक्तिगत ऋण और बैंक ऋण ले रखा है और वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनके कारण आत्महत्या की संभावनाएं बढ़ गई हैं और निवेशकों के अन्य राज्यों में जाकर निवेश करने की संभावना बढ़ गई है। इस अवसर पर एसोसिएशन के महासचिव प्रसाद, उपाध्यक्ष रवींद्र, कोषाध्यक्ष ए. अशोक, तिरुमाला नायडू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

यह अफवाह है कि मैं बागियों के लिए एक बैठक आयोजित कर रहाः वी. सोमन्ना

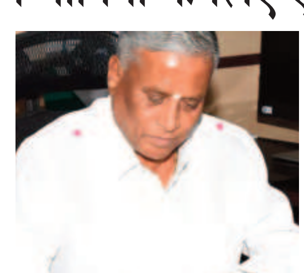

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के नेतृत्व को चुनौती देने के प्रयास में पार्टी के भीतर विद्रोही गुट आक्रामक तरीके से समर्थन जुटा रहा है। विद्रोही गुट से जुड़े नेता केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना को अपने पक्ष में करने के लिए लगातार नई दिल्ली का चक्कर लगा रहे हैं। विद्रोही नेता अब केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना से समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं, जिसके लिए 10 फरवरी को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक की योजना बनाई गई है। रिपोर्टों के अनुसार, सोमन्ना के गृह प्रवेश समारोह के साथ ही विधायकों और सांसदों सहित वीरशैव-लिंगायत समुदाय के नेताओं की एक सभा की योजना है। वरिष्ठ नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के नेतृत्व में विद्रोही कथित तौर पर सोमन्ना के सामुदायिक प्रभाव और धार्मिक गणित से समर्थन का लाभ उठाकर विजयेंद्र के नेतृत्व को चुनौती देने का लक्ष्य बना रहे हैं। सोमन्ना ने इन अटकलों से खुद को दूर करते हुए कहा है कि वह पार्टी आलाकमान के निर्देशों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा यह अफवाह है कि मैं बागियों के लिए एक बैठक आयोजित कर रहा हूं। बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, रमेश जारकीहोली, जीएम सिद्धेश्वर, कुमार बंगारप्पा, अरविंद लिंबावली, अन्ना साहेब जोले, श्रीमंत पाटिल और बीपी हरीश सहित कई भाजपा विधायकों और पूर्व मंत्रियों ने सार्वजनिक रूप से विजयेंद्र के नेतृत्व का विरोध किया है। इस बीच, विजयेंद्र ने आगामी चुनावों के बाद अपने नेतृत्व के लिए चुनौतियों का समाधान करने की कसम खाई है, जो 20 फरवरी तक समाप्त होने वाले हैं। सत्ता संघर्ष के बीच तटस्थता बनाए रखने वालों सहित पार्टी के भीतर विरोधियों की आलोचना करते हुए, विजयेंद्र ने अपने पिता, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर हमलों के बारे में उनकी चुप्पी पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा मैं कोई भी अपमान सहने के लिए तैयार हूं। लेकिन मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता जब वे मेरे पिता का अपमान करते हैं, जिन्होंने राज्य में पार्टी के विकास के लिए काम किया। क्या पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं को इन सभी मुद्दों को ठीक करने के लिए आना चाहिए? क्या वे (तटस्थ नेता) जिम्मेदार नहीं हैं?

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्र को सर्वोपरि रखने का किया आह्वान

कर्नाटक वैभव बौद्धिक महोत्सव का किया उद्घाटन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऐसे समय में जब न्यायपालिका तक पहुंच को निहित स्वार्थों और राष्ट्र विरोधी ताकतों द्वारा हथियार बनाया जा रहा है, राष्ट्र सर्वोपरि है और राष्ट्र के हित को सर्वोपरि रखने का संदेश कर्नाटक से जाना चाहिए। वे शुक्रवार को रानीबेन्नूर में केएलई सोसायटी के राजराजेश्वरी कॉलेज में परिवर्तन द्वारा विभिन्न संगठनों के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय कर्नाटक वैभव बौद्धिक महोत्सव का उद्घाटन कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने आश्चर्य जताया कि 5,000 साल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत वाले देश में राष्ट्रवाद बनाम क्षेत्रवाद पर बहस कैसे संभव है। उन्होंने कहा भारतीयता हमारी पहचान है, देशभक्ति हमारा प्यार है और राष्ट्र के हित से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्रवाद गंगा की तरह है जिसमें सब कुछ समाहित है। हमारी सदियों पुरानी संस्कृति हमें एक ही संदेश देती है कि इसमें सब कुछ शामिल है। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना हमारा प्रमुख कर्तव्य है। उपराष्ट्रपति ने राज्य गान की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की और कर्नाटक की महानता के बारे में विस्तार से बताया। कर्नाटक सभ्यता का उद्गम स्थल है। यह आध्यात्मिकता का केंद्र है। यह कला, साहित्य और दर्शन का एक समृद्ध केंद्र है। यह भारत की सांस्कृतिक, बौद्धिक ताने-बाने का प्रमाण है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि कदंब, चालुक्य और विजयनगर राजाओं द्वारा शासित इस क्षेत्र का दौरा करने से ही किसी को बौद्धिक प्रतिभा की याद आ जाएगी। बसवन्ना के योगदान को याद करते हुए, धनखड़ ने कहा, यह वह भूमि है जहाँ बसवन्ना ने वचन आंदोलन की शुरुआत की थी। अक्कमहादेवी, अल्लामप्रभु ने सामाजिक सुधार, समानता, भक्ति की भावना को प्रज्वलित किया और दुनिया को एक आदर्श दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने विकास में बहुत प्रगति की है और अगले कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। 140 करोड़ की विशाल आबादी वाले देश के विकास से पूरी दुनिया चकित है। उन्होंने कहा विभिन्न क्षेत्रों में बहुत विकास हुआ है और कश्मीर में बहुत बड़ा बदलाव देखा जा रहा है, जहां 2024 में 2 करोड़ लोग आएंगे। पिछले 10 वर्षों में बहुत सारे बदलाव हुए हैं और अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही व्यवस्था का हिस्सा बन गई है। देश में उम्मीद और संभावना का माहौल है। सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण, भारत को निवेश और अवसरों के लिए वैश्विक गंतव्य के रूप में जाना जाता है। हालांकि, भारत और विदेश में कुछ लोग विकास को पचा नहीं पा रहे हैं और वे चुनौतियां पेश कर रहे हैं। वे हमारी संस्थाओं को ध्वस्त करना चाहते हैं, जमीनी हकीकत को ध्यान में रखते हुए विकास को नजरअंदाज करना चाहते हैं। ऐसे लोग भी हैं जो बिना रिकॉर्ड के देश में रहते हैं। ऐसे लोग आपकी संस्कृति को चुनौती देते हैं, वे आपके अधिकारों को कम करते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र की चुनाव प्रक्रिया में ऐसे लोग हैं जिनकी कोई भूमिका नहीं है, लेकिन वे मतदाताओं को प्रभावित करते हैं। देश के लोगों को सोचना और संकल्प लेना होगा कि वे निहित स्वार्थों को जाति या क्षेत्र के आधार पर विभाजित नहीं होने देंगे। प्राचीन भारत में शिक्षा के महान संस्थानों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 1,200 साल पहले, आक्रमणकारियों ने देश में आकर धार्मिक संस्थानों पर चतुराई से हमला किया और संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास किया। हालांकि, लोगों ने कानूनी रास्ते से राम लला की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष किया। राष्ट्र निर्माण में सभी के योगदान की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'विकसित भारत' केवल एक सपना नहीं है, बल्कि एक मंजिल है। उन्होंने कहा, विकसित भारत एक मैराथन है। युवाओं को आगे आकर भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। सभी को त्याग करना होगा और राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए प्रतिबद्धता के साथ काम करना होगा। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे अपने आसपास उपलब्ध नए अवसरों की तलाश करें और अपना दृष्टिकोण केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित न रखें।

कर्नाटक अतीत और भविष्य के बीच एक सेतु की तरह

इससे पहले राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि कर्नाटक अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और तकनीकी उन्नति के कारण देश में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा कर्नाटक अतीत और भविष्य के बीच एक सेतु की तरह खड़ा है। हम यहां परंपरा और आधुनिकता का संगम देख सकते हैं। कन्नड़, सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है, जिसने बसवन्ना, कुमारव्यास, पंपा, रन्ना और राष्ट्रकवि कुवेम्पु के योगदान के माध्यम से राष्ट्र के साहित्य और संस्कृति को समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की अर्थव्यवस्था बहुआयामी है, जिसमें कृषि और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में कर्नाटक के गौरव को प्रदर्शित करने के साथ-साथ विभिन्न मुद्दों पर रचनात्मक चर्चा की सुविधा भी मिलेगी। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष, केएसओयू के कुलपति प्रो. एस.वी. हालसे, वीरशैव लिंगायत पंचमसाली पीठ हरिहर के श्री वचनानंद स्वामी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हाईकोर्ट ने मुडा मामले में सिद्धरामैया को क्लीन चिट नहीं दी: बीवाई विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने शुक्रवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को क्लीन चिट नहीं दी है। यहां मीडिया से बात करते हुए विजयेंद्र ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अस्वीकृति का मतलब यह नहीं है कि सीएम सिद्धरामैया को निर्दोष घोषित कर दिया गया है। विजयेंद्र ने कहा हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को आरोपों से मुक्त नहीं किया है। उसने केवल यह कहा है कि मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नहीं सौंपा जाएगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि यह निर्णय मैसूरु मुडा मामले में सीएम के परिवार की संलिप्तता के संबंध में भाजपा की लड़ाई और विरोध, जिसमें पदयात्रा भी शामिल है, को कमजोर नहीं करता है। विजयेंद्र ने कहा कि लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच अभी भी जारी है और इसका नतीजा आना बाकी है। उन्होंने कहा हम हजारों करोड़ रुपये के मुडा घोटाले में सीएम के परिवार की संलिप्तता को उजागर करने के लिए लड़ रहे हैं। हम आज भी अपने आरोपों पर अड़े हुए हैं। विजयेंद्र ने कहा कि लोकायुक्त जांच रिपोर्ट जारी होने के बाद भाजपा आगे जवाब देगी। उन्होंने दोहराया कि उच्च न्यायालय का फैसला मुख्यमंत्री या उनके परिवार को निर्दोष नहीं ठहराता है और लोकायुक्त के निष्कर्षों का इंतजार करने की जरूरत पर जोर दिया। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मुडा घोटाले की सीबीआई जांच की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को आरोपी नंबर एक बताया गया है। एक सवाल का जवाब देते हुए विजयेंद्र ने यह भी उल्लेख किया कि पूर्व सीएम बी.एस. येदियुरप्पा (उनके पिता) के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) मामले में, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने निचली अदालत द्वारा जारी समन को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह मामला लंबे समय से हाई कोर्ट में बहस के दायरे में था और उन दलीलों के आधार पर कोर्ट ने अब निचली अदालत के समन की समीक्षा करने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने बी.एस. येदियुरप्पा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ पॉक्सो मामले को रद्द करने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी है।

बैंक धोखाधड़ी मामला

पूर्व मंत्री कृष्णैया शेट्टी को 3 साल की जेल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत ने बैंक धोखाधड़ी मामले में पूर्व मंत्री कृष्णैया शेट्टी को तीन साल की सजा सुनाई है। अदालत ने शेट्टी के साथ तीन अन्य लोगों एमटीवी रेड्डी, मुनिराजू और श्रीनिवास को भी मामले में दोषी पाया। इससे पहले दिन में अदालत ने चारों आरोपियों को दोषी करार दिया था। शाम को सजा की घोषणा की गई। शेट्टी को तीन साल की सजा सुनाते हुए अदालत ने उन्हें जमानत भी दे दी। शेट्टी के वकीलों ने संकेत दिया है कि वे फैसले के खिलाफ अपील दायर करेंगे। अदालत ने अपील प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए उन्हें 30 दिन की जमानत दी है। मामला 2012 का है जब बालाजी कृपा एंटरप्राइजेज के मालिक कृष्णैया शेट्टी पर बैंक से धोखाधड़ी कर 7.17 करोड़ रुपये का लोन लेने का आरोप लगा था। शेट्टी ने कथित तौर पर 1993 में सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को आवास लोन का वादा करके लालच दिया था। लोन हासिल करने के लिए उसने कई कर्मचारियों के नाम पर फर्जी खाते बनाए थे। यह भी आरोप लगाया गया कि ऋण राशि का 3.53 करोड़ रुपये आज तक चुकाया नहीं गया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले की जांच की और आरोपपत्र दाखिल किया। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। अदालत के इस फैसले ने लंबे समय से लंबित मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम लाया है, जिसमें वित्तीय धोखाधड़ी के कानूनी परिणामों पर प्रकाश डाला गया है।

माइक्रोफाइनेंस विनियमन

राज्यपाल ने सिद्धरामैया सरकार के अध्यादेश को किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शुक्रवार को उस अध्यादेश को खारिज कर दिया जिसे सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार माइक्रोफाइनेंस को विनियमित करने के लिए लागू करना चाहती थी। राज्यपाल ने अस्वीकृति के लिए कई कारण बताए, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि 10 साल की सजा और 5 लाख रुपये का जुर्माना अत्यधिक है। उन्होंने कहा कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा मौजूदा कानूनों का इस्तेमाल किया जा सकता था और इस अध्यादेश का माइक्रोफाइनेंस पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है और इसका असर गरीबों पर पड़ेगा। इससे पहले गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा था कि राज्यपाल द्वारा माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न को विनियमित करने के लिए अध्यादेश पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहले ही विधेयक राज्यपाल के पास भेज चुकी है। कानूनी विशेषज्ञों ने भी इस मामले पर राज्यपाल से चर्चा की है। हमने सोचा था कि इस पर आज ही हस्ताक्षर हो जायेंगे। यह ज्ञात नहीं है कि मंजूरी मिलने के बाद अध्यादेश कब लागू होगा। यदि राज्यपाल अध्यादेश में संशोधन का सुझाव देते हैं तो हम ऐसा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि वे इस पर सहमत भी हो जाएं तो भी विधेयक लागू किया जाएगा। माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) द्वारा उधारकर्ताओं को उत्पीड़न से बचाने के उद्देश्य से, कर्नाटक सरकार ने एक अध्यादेश का मसौदा तैयार किया है, जिसमें उल्लंघन के लिए दस साल तक की जेल की सजा और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने सहित दंडात्मक प्रावधान हैं। इसकी पुष्टि करते हुए, राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा था कर्नाटक माइक्रो फाइनेंस (जबरदस्ती कार्रवाई की रोकथाम) अध्यादेश 2025 को राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पास उनकी मंजूरी के लिए भेजा गया है। परमेश्वर ने कहा यह तीन साल (शुरुआती मसौदे में) था, अब हमने इसे बढ़ा दिया है। जुर्माना भी बढ़ाकर पांच लाख कर दिया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कानून की मार (उल्लंघन करने वालों को) महसूस हो। अगर कानून को ऐसे ही लापरवाही से बनाया जाता है, तो ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगी। इसलिए, जुर्माना (राशि) और कारावास (अवधि) बढ़ा दिया गया है, ताकि यह एक तरह से निवारक बन जाए। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा राज्यपाल शहर से बाहर थे, और वापस आने के बाद वे इसे देखने के बाद अपनी सहमति दे सकते हैं। सूचनाओं की बढ़ती संख्या और राज्य के विभिन्न हिस्सों से माइक्रोफाइनेंस फर्मों द्वारा ऋण वसूली के तरीकों के खिलाफ कई शिकायतों के जवाब में सरकार ने अध्यादेश लागू करने का फैसला किया।

कुमारस्वामी को अपने निजी हितों के अलावा राज्य में कोई दिलचस्पी नहीं: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पलटवार करते हुए कहा है कि अगर कुमारस्वामी राज्य के विकास में रुचि रखते हैं, तो उन्हें केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए काम करना चाहिए। कनकपुरा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आलोचना की कि वह कुमारस्वामी से मिलने वाले वित्त मंत्री नहीं हैं। जब उनसे कुमारस्वामी के इस बयान के बारे में पूछा गया कि राज्य के मंत्री केंद्र से धन प्राप्त करने के लिए हमसे चर्चा नहीं करते, तो उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी, क्या आपकी कोई जिम्मेदारी नहीं है? क्या मंत्री आपसे चर्चा करें?

क्या आपकी जिम्मेदारी नहीं है कि आप इस राज्य को पैसा दिलाएं। हम प्रधानमंत्री से मिले हैं, वित्त मंत्री से मिले हैं, संबंधित विभाग के केंद्रीय मंत्री से मिले हैं। वह कुमारस्वामी से मिलने वाले वित्त मंत्री नहीं हैं। यदि वे राज्य में रुचि रखते हैं तो उन्हें केंद्र सरकार पर दबाव डालना चाहिए। उन्हें अपने निजी हितों के अलावा राज्य में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें राज्य और देश के विकास में कोई दिलचस्पी नहीं दिखती। जब उनसे कुमारस्वामी के इस बयान के बारे में पूछा गया कि अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री मुझसे मिलते हैं, लेकिन कर्नाटक राज्य के मुख्यमंत्री मुझसे नहीं मिलते, तो उन्होंने कहा इस मामले पर मुख्यमंत्री से पूछिए। जब अशोक के इस बयान के बारे में पूछा गया कि नवंबर में सीएम बदलना तय है, तो उन्होंने कहा कि मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि अशोक ज्योतिष का अध्ययन कर रहे हैं। मुझे ज्योतिष सुनने का भी शौक है। उन्होंने कहा कि जब भी मुझे खाली समय मिलेगा, मैं जाकर धर्मग्रंथ सुनूंगा। मुडा मामले को सीबीआई जांच को सौंपने के हाईकोर्ट के फैसले के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसे सीबीआई जांच को क्यों सौंपा जाना चाहिए? लोकायुक्त जांच तो चल ही रही है, साथ ही ईडी भी जांच कर रही है। इस स्थिति में वे किसी तीसरे पक्ष को जांच क्यों करने देंगे? इस तरह देने की अनुमति नहीं है। इस पर कई अदालती फैसले हैं। मैं अपने खिलाफ इसी तरह का मामला दर्ज किये जाने का विरोध कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है।

रहस्यमयी घटनाओं ने परिवार को घर छोड़ने पर किया मजबूर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ के मदनथ्यार के पास कुलपेदाईबेल में एक परिवार ने कई अजीबोगरीब घटनाओं के कारण अपना घर खाली कर दिया। घर के मालिक उमेश शेट्टी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से रात होने के बाद असामान्य घटनाएं हो रही हैं। घर के अंदर कपड़ों में रहस्यमय तरीके से आग लग गई है, बर्तन अपने आप गिर गए हैं, घर का सामान बिना किसी बाहरी बल के हिल रहा है और यहां तक कि चंदन का लेप और प्रसाद जैसे पवित्र प्रसाद भी गायब हो गए हैं। इन घटनाओं से परेशान होकर परिवार गुरुवार को अपना घर छोड़कर अपने एक रिश्तेदार के घर चला गया। कई स्थानीय लोगों ने इस घटना के बारे में सुनकर उत्सुकता से घर का दौरा किया। दिलचस्प बात यह है कि जब लोग घर के बाहर इकट्ठा हुए तो ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई। उमेश शेट्टी अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ घर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि उन सभी ने अजीबोगरीब घटनाओं का अनुभव किया है, जिसमें घर के अंदर किसी के घूमने की अनुभूति भी शामिल है। इसके अलावा, घर में रखे सोने के आभूषण भी हाल ही में गायब हो गए। सेंटरिंग कंस्ट्रक्शन का काम करने वाले उमेश का मानना है कि ये घटनाएं अलौकिक या दैवीय शक्तियों से जुड़ी हो सकती हैं। सबसे चौंकाने वाली घटना तब हुई जब उमेश की बेटी रक्षिता ने एक भूतिया आकृति की तस्वीर खींची। रक्षिता ने बताया मैं पढ़ रही थी, तभी मुझे एक अजीब सी आवाज सुनाई दी। जब मैंने इधर-उधर देखा, तो मुझे लंबे बालों वाली एक सफेद चेहरे वाली आकृति दिखाई दी। मैंने तुरंत अपने मोबाइल फोन से तस्वीर खींच ली। तस्वीर में एक धुंधला भूतिया चेहरा दिखाई दे रहा है, जिससे परिवार और स्थानीय लोग सदमे में हैं। खास बात यह है कि आस-पास के अन्य घरों में ऐसी कोई समस्या नहीं देखी गई है। रहस्य को और बढ़ाते हुए, उमेश ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से घर लौटने पर उनके स्कूटर के अंदर प्रसादम दिखाई दे रहा है। इस बारे में जानने के लिए उत्सुक होकर, उन्होंने एक बार पूरे दिन स्कूटर पर नजर रखी, लेकिन कुछ भी असामान्य नहीं हुआ। जब उन्होंने ज्योतिषियों से सलाह ली, तो उन्होंने सुझाव दिया कि घर अलौकिक शक्तियों से प्रभावित हो सकता है। उमेश ने अपनी लाचारी जाहिर करते हुए कहा कि उनके पास इस स्थिति से निपटने के लिए वित्तीय साधन नहीं हैं। बताया गया है कि जाने-माने आध्यात्मिक साधक हुलिकल नटराज रविवार को मामले की जांच करने के लिए घर आएंगे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना की तैयारी पूरी

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनावों के बाद मतगणना का काम शनिवार सुबह आठ से शुरू हो जायेगा। राष्ट्रीय राजधानी के 11 जिलों के 19 मतगणना केन्द्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं। चुनाव प्रशासन की ओर से मतगणना के लिए पूरी तैयारियां कर ली गयी हैं।

मतगणना कल सुबह आठ बजे शुरू होगी और पहले डाक मतपत्रों की गिनती करायी जायेगी। मतगणना के प्रारंभिक रुझान नौ के बाद आने शुरू हो जायेंगे। नयी विधानसभा में दलीय स्थिति दोपहर तक स्पष्ट होने लगेगी। आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के मुख्यालयों पर मतगणना के नतीजों के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की गयी हैं, जहां पार्टियों के वरिष्ठ नेता, मीडियाकर्मियों और कार्यकर्ताओं से संवाद करने को उपस्थित रहने वाले हैं।

निर्वाचन आयोग की ओर से मतों की गणना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। दिल्ली मुख्य चुनाव अधिकारी आर. एलिस वाज के अनुसार दिल्ली विधानसभा की सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों के फॉर्म 17सी सहित चुनाव दस्तावेजों की जांच पूरी कर ली गयी है। जांच के दौरान चुनाव आयोग के केंद्रीय प्रेषक उम्मीदवार और उनके एजेंट तथा चुनाव अधिकारी मौजूद रहे और किसी भी उम्मीदवार ने कोई शिकायत दर्ज नहीं की है।

राजधानी के 11 जिलों में मतगणना के लिए 19 केन्द्र बनाये गये हैं। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को आयोग और पुलिस अधिकारियों की कड़ी निगरानी में स्ट्रांग रूम में रखा गया है। केन्द्र को त्रिस्तरीय सुरक्षा के घेरे में लिया गया है। मतगणना के लिए पर्यवेक्षकों, मतगणना सहायकों, माइक्रो प्रषकों, डाटा अधिकारिंयों को काम पर लगाया गया है।

चुनाव आयोग के अनुसार नई दिल्ली और उत्तर-पश्चिम जिलों में तीन-तीन स्थलों पर मतों की गिनती होगी, जबकि चार जिलों में दो-दो और पांच जिलों में एक-एक मतगणना स्थल पर गिनती होगी। कल सुबह सबसे पहले पोस्टल बैलेट के वोट गिने जाएंगे। इसके बाद ईवीएम के वोटों की गिनती होगी। अपराह्न तक चुनाव परिणाम की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

दिल्ली में पांच फरवरी को हुए मतदान के अनुसार राजधानी के 11 जिलों में 60.42 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। जिलावार मतदान प्रतिशत में उत्तर-पूर्वी दिल्ली सबसे आगे रही और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मतदान सबसे कम रहा। सेंट्रल दिल्ली में 59.09 प्रतिशत, पूर्वी दिल्ली में 62.37, नयी दिल्ली में 57.13, उत्तरी दिल्ली में 59.55, उत्तर-पूर्व दिल्ली में 66.25, उत्तर-पश्चिम दिल्ली में 60.7, शाहदरा में 63.94, दक्षिणी दिल्ली में 58.16, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में 56.16, दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में 61.07 और पश्चिमी दिल्ली में 60.76 प्रतिशत मतदान हुआ था।

दिल्ली में सत्तारूढ आम आदमी पार्टी (आप) जहां चौथी बार सत्ता हासिल करने में जुटी हुई है वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 25 वर्ष के बाद इस बार हर हाल में सत्ता वापसी के प्रयास पर जुटी हुई है। इससे पहले वर्ष 2020 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कुल 70 सीट में से आम आदमी पार्टी के खाते में 62 सीटें आयी थी और भारतीय जनता पार्टी को केवल आठ सीट से संतुष्ट होना पड़ा था तथा कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पायी थी। आम आदमी पार्टी का वोट शेयर 53.57 प्रतिशत और भाजपा का 38.51 तथा कांग्रेस का 4.26 प्रतिशत रहा था।

गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा के चुनाव के लिए मतदान पांच फरवरी को हुआ था। विधानसभा चुनाव में कुल 699 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमाने के लिए उतरे थे।

दिल्ली के साथ-साथ पांच फरवरी को दो राज्यों तमिलनाडु (ईरोड-पूर्व) और उत्तर प्रदेश (मिल्कीपुर) की एक-एक सीट पर उपचुनाव इसी दिन मतदान कराये गये थे।

एयरो इंडिया में धूम मचाएगा रूसी सुखोई-57 जेट

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एयर फोर्स स्टेशन येलहंका में एशिया की सबसे बड़ी हथियारों की प्रदर्शनी 'एयरो इंडिया' में इस बार रूसी सुखोई-57 जेट धूम मचाएगा। यूक्रेन के साथ युद्ध में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किये गए एकमात्र पांचवीं पीढ़ी के दो स्टील्थ रूसी लड़ाकू विमान कर्नाटक की धरती पर उतर चुके हैं और 10 फरवरी को उद्घाटन के बाद बेंगलुरु के आसमान की शोभा बढ़ाएंगे। रूस ने आधिकारिक तौर पर भारत को अपने पांचवीं पीढ़ी के सुखोई-57 लड़ाकू विमानों की पेशकश की है, जिसमें भारत में प्लांट लगाकर संयुक्त उत्पादन करके स्वदेशी संस्करण विकसित करने का भी प्रस्ताव है।

भारत में रूसी दूतावास ने सुखोई-57 जेट के बेंगलुरु में आने और एयरो इंडिया में उड़ान भरकर एयर शो में शामिल होने के लिए पुष्टि की है। यह फाइटर जेट अपनी लुभावनी एयरोबेटिक्स के लिए जाना जाता है, जिसने जनवरी, 2010 में पहली उड़ान भरी थी। सुखोई-57 जेट अब अपनी उड़ान के 15 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। इस बीच विमान में जरूरत के लिहाज से कई तरह के सुधार किये गए हैं और यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान के दौरान लड़ाकू विमानों ने हवाई और जमीनी लक्ष्यों को भेदने में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, जिसमें लंबी दूरी से सटीक हमले भी शामिल हैं। इनका इस्तेमाल चौबीस घंटे किसी भी मौसम की स्थिति में और जटिल वातावरण में किया जाता है।

रूसी कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के मुताबिक स्टेल्थ क्षमताओं वाला यह विमान उन्नत एईएसए राडार प्रणाली से लैस है और इसमें क्रूज मिसाइलों को लॉन्च करने की क्षमता है।

सुखोई-57 को एक नया एएल-51एफ1 इंजन मिलने की उम्मीद है, जिसे आफ्टरबर्नर के बिना निरंतर सुपरसोनिक उड़ान के लिए डिजाइन किया गया है, इससे इसकी लड़ाकू क्षमता और बढ़ जाएगी। इस बीच अमेरिकी वायु सेना ने एयरो इंडिया-2025 में एफ-35 और अपग्रेड किए गए एफ-16 की प्रदर्शन उड़ानें रद्द कर दी हैं। 2023 के एयरो इंडिया में पहली बार पेश किए गए एफ-35 के इस साल प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद थी, लेकिन इसकी अनुपस्थिति सुखोई-57 की ओर ध्यान आकर्षित कर सकती है।

रूसी कंपनी एकमात्र 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की तकनीक भारत को हस्तांतरित करने के लिए तैयार है। रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के सीईओ अलेक्जेंडर मिखेव ने कहा कि हम भारत को सिर्फ़ सुखोई-57ई की डिलीवरी ही नहीं, बल्कि संयुक्त उत्पादन और भारतीय 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के विकास में मदद भी दे रहे हैं। रूस के सुखोई-57 ने यूक्रेन में आधुनिक पश्चिमी वायु रक्षा प्रणालियों के खिलाफ अपनी लड़ाकू प्रभावशीलता साबित की है। यह लंबी दूरी सहित सभी दूरी पर खतरों से निपट सकता है, जो एफ-35 विमान में क्षमता नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत-रूस सहयोग न केवल घरेलू उपयोग के लिए लड़ाकू विमान के उत्पादन का मार्ग प्रशस्त करेगा, बल्कि इसके निर्यात का भी रास्ता खुलेगा।

बैंक यूनियनों ने किया दो दिन की हड़ताल का ऐलान

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। बैंक यूनियनों ने पांच दिन के कार्य सप्ताह और सभी संवर्गों में पर्याप्त भर्ती समेत विभिन्न मांगों को लेकर 24 मार्च से दो दिन की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है।

नौ बैंक कर्मचारी संघों के संयुक्त संगठन यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) द्वारा आहूत हड़ताल का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में कर्मचारी/अधिकारी निदेशकों के पदों को भरना भी है।

यूएफबीयू ने शुक्रवार को बयान में कहा कि उचित चर्चा और विचार-विमर्श के बाद 24 और 25 मार्च, 2025 को लगातार दो दिन की हड़ताल के साथ एक आंदोलन कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, यूएफबीयू ने प्रदर्शन समीक्षा और प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहनों पर वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के हालिया निर्देशों को तत्काल वापस लेने की मांग की है, जो नौकरी की सुरक्षा को खतरा पहुंचाते हैं और कर्मचारियों के बीच विभाजन पैदा करते हैं।

यूएफबीयू ने आरोप लगाया कि डीएफएस द्वारा नीतिगत मामलों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के सूक्ष्म प्रबंधन से संबंधित बोर्ड की स्वायत्तता कमजोर हुई है। इसमें भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के साथ लंबित शेष मुद्दों के समाधान की भी मांग की गई तथा सरकारी कर्मचारियों की योजना की तर्ज पर ग्रैच्युटी अधिनियम में संशोधन कर इसकी सीमा बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने तथा आयकर से छूट देने की भी मांग की गई।

यूएफबीयू के सदस्यों में अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए), अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी), राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी परिसंघ (एनसीबीई), अखिल भारतीय बैंक अधिकारी संघ (एआईबीओए) और भारतीय बैंक कर्मचारी परिसंघ (बीईएफआई) शामिल हैं।

संसद की कार्यवाही 120 दिन चलाने की मांग वाला निजी विधेयक पेश

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। संसद की कार्यवाही एक साल में 120 दिन करने की मांग वाला निजी विधेयक आज राज्यसभा में पेश किया गया।

गैर सरकारी सदस्यों के विधान कार्य के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मनोज झा और तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्राईन ने इसको लेकर अलग अलग निजी विधेयक पेश किये। श्री झा ने जहां संसद की कार्यवाही एक वर्ष में 120 दिन चलाने की मांग वाला विधेयक पेश किया वहीं श्री ओब्राईन ने 100 दिन किये जाने की मांग वाला विधेयक सदन में रखा। श्री झा ने संसद (उत्पादकता वृद्धि) विधेयक 2024 पेश करते हुये कहा कि संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 120 चलायी जानी चाहिए। उन्होंने कार्यवाही के दौरान होने वाले व्यावधानों के कारण कार्यवाही पूरी नहीं चलने का हवाला देते हुये कहा कि कार्यवाही का समय भी बढ़ाया जाना चाहिए।

श्री ओब्राईन ने इसके लिए संविधान (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया जिसके माध्यम से अनुच्छेद 85 जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है। कुल मिलाकर आज सदन में 77 निजी विधेयक पेश किये गये।

महाराष्ट्र मतदाता सूची पर विपक्षी आरोप

तथ्यों के साथ लिखित में देंगे जवाब : चुनाव आयोग

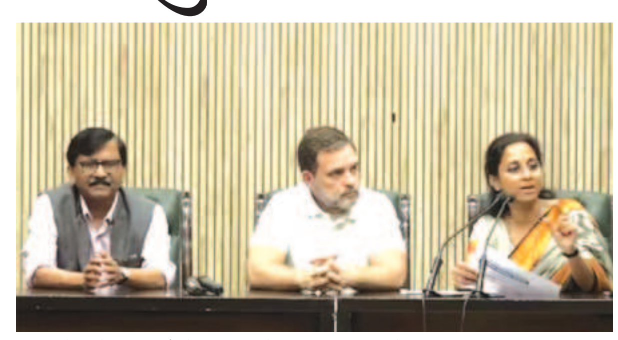

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में चुनावी अनियमितताओं के विपक्षी दलों के आरोप पर चुनाव आयोग ने शुक्रवार को कहा कि पूरे तथ्यों के साथ लिखित जवाब दिया जाएगा।

आयोग की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में महाराष्ट्र में फर्जी मतदाता जोड़ने के आरोप के तुरंत बाद आई है।

राहुल गांधी का जिक्र किए बिना भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ईसीआई राजनीतिक दलों को प्राथमिकता वाले हितधारक मानता है, बेशक, मतदाता सबसे प्रमुख हैं और राजनीतिक दलों से आने वाले विचारों, सुझावों, सवालों को गहराई से महत्व देता है। आयोग पूरे देश में समान रूप से अपनाए गए पूर्ण तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक मैट्रिक्स के साथ लिखित में जवाब देगा।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले के साथ संयुक्त रूप से शुक्रवार को विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर फर्जी मतदाता जोड़े जाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र की वयस्क आबादी 9.54 करोड़ है, जबकि राज्य में 9.7 करोड़ मतदाता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में राज्य की कुल आबादी से ज़्यादा मतदाता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के बाद पांच महीनों में महाराष्ट्र में 39 लाख मतदाता जुड़े, जबकि पिछले पाँच साल में 32 लाख मतदाता जुड़े थे।

राज्यसभा में आय असमानता पर चिंता जतायी गई

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा ने राज्यसभा में शुक्रवार को देश में बढ़ती आय असमानता पर चिंता व्यक्त की और इस पर सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की। श्री झा ने सदन में शून्यकाल के दौरान सभापति की अनुमति से उठाए गए मामले के अंतर्गत कहा कि मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग की आय में लगातार गिरावट हो रही है।

कोरोना काल के बाद इसमें तेजी आई है। उन्होंने कहा कि आय असमानता से सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर रहा है। देश में स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा सेवाएं और अन्य बुनियादी सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पूंजी का केंद्रीकरण राजनीति को भी प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार को संविधान के प्रावधानों के अनुरूप आय का समान वितरण करने की दिशा में काम करना चाहिए।

आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा ने देश में साइकिल विनिर्माताओं की कर समस्याओं का मामला उठाया और कहा कि साइकिल और उसके उपकरणों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है जबकि इलेक्ट्रिक साइकिल पर पांच प्रतिशत का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि साइकिल दिव्यांग भी इस्तेमाल करते हैं और आम आदमियों के आवागमन का साधन है। सरकार को साइकिल उसके उपकरणों को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र) की डा. फौजिया खान ने महाराष्ट्र में जन स्वास्थ्य के बिगड़ती स्थिति का मामला उठाया और केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की मांग की।

जनता दल यूनाइटेड के संजय कुमार झा ने दरभंगा हवाई अड्डे का नाम कवि कोकिल विद्यापति हवाई अड्डा रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने दरभंगा हवाई अड्डे के विस्तार की भी मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली दरभंगा सेक्टर के बीच यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

भारतीय जनता पार्टी की डा मेधा विश्राम कुलकर्णी ने मुंबई-पुणे राजमार्ग पर बढ़ती दुर्घटनाओं का मामला उठाया और उचित यातायात व्यवस्था की मांग की।

कांग्रेस के सैयद नासीर हुसैन ने कर्नाटक में मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत करने और नए मानसिक स्वास्थ्य संस्थान खोलने की मांग की। उन्होंने कहा कि बेल्लारी में भी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान खोला जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के दोरजी शेरिंग लेपचा ने नाथुला दर्रे तक रेल सेवाएं बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूती मिलेगी। आवश्यकता पड़ने पर सेना को साजों सामान भी पहुंचा जा सकेगा। नाथुला दर्रे तक रेल सेवाएं पहुंचाने से इस क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेगी और लोगों के जीवन में समृद्धि आएगी।

भारतीय जनता पार्टी के सुजीत कुमार ने देश में डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ की बढ़ती खपत पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे बच्चों और युवाओं का स्वास्थ्य संकट में आ गया है। इससे युवाओं में मोटापा, कैंसर , उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियां बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस संबंध में दिशा निर्देश जारी करते हुए डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों पर नियंत्रण पाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डिब्बा बंद खाद्य पदार्थ पर चेतावनी मोटे अक्षरों में लिखी जानी चाहिए।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संदोष कुमार पी ने प्रवासी भारतीय समुदाय के लिए एक निश्चित नीति बनाने की मांग की। केरल कांग्रेस एम के जोस के मणि ने केरल के तट के आसपास हिंद महासागर और अरब सागर में खनिज पदार्थों के सर्वेक्षण की मांग की।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदीप कुमार वर्मा ने झारखंड में कुरमाली, कोरठा, मुंडारी और नागपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं का झारखंड की संस्कृति और इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है। इन भाषाओं के विकास और संरक्षण के लिए विशेष अनुदान दिए जाने चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के दर्शना सिंह ने आई-डीपफेक तकनीक के संबंध में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस तकनीक का इस्तेमाल धोखाधड़ी के लिये कर रहे हैं। इसका उपयोग एक गंभीर समस्या हो गई है। इससे निजता खतरे में पड़ रही है।

समाजवादी पार्टी के रामजीलाल सुमन ने कहा कि देश में आलू किसानों की हालत बहुत खराब है। आलू को बागवानी की फसल माना जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को आलू का गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध कराने के लिए आलू बोर्ड की स्थापना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में 35 प्रतिशत आलू खराब हो जाता है इसलिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में आलू के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। कांग्रेस के अनिल कुमार यादव मंदादी ने मुचकुंडा नदी-मूसी नदी के संरक्षण की मांग की। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का पूरा कूड़ा-कचरा इस नदी में डाला जा रहा है जिससे यह एक नाले में बदल गई है। इस संबंध में राज्य सरकार कई बार केंद्र सरकार को ज्ञापन भेज चुकी है लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के गोविंद भाई लालजी भाई ढोलकिया ने हीरा कारोबार में समस्याओं को उठाया। उन्होंने कहा कि हीरा उद्योग प्रत्यक्ष रूप से 10 लाख और अप्रत्यक्ष रूप से 50 लाख लोगों को आजीविका का प्रदान करता है।

फिलहाल यह लोग बेरोजगारी, छंटनी और वेतन कटौती जैसी समस्याओं को झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रत्न कल्याण कलाकार बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए जिससे इस उद्योग से जुड़े लोगों को मदद दी जा सके।

कांग्रेस की जेबी माथेर हाशेम ने केरल में युवाओं के मादक पदार्थों के प्रयोग का मामला उठाया और इसकी रोकथाम की मांग भी की। उन्होंने कहा कि राज्य में युवा और किशोर नशे में फंसते जा रहे हैं।

कांग्रेस की रजनी पाटिल ने कहा कि महाराष्ट्र में किसानों की हालत बहुत खराब है और सरकार को उनकी मदद करनी चाहिए।

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है जिससे वह कर्ज के जाल में फंस जा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के धनंजय भीमराव महादिक ने सहकारी संस्थाओं में जमाकर्ताओं के हित सुरक्षित करने की मांग की।

महाकुंभ में उमड़ा आस्था का महासागर, संख्या 40 करोड़ के पार

महाकुंभ नगर, 07 फरवरी (एजेंसियां)। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच गया है। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह तक महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या ने 40 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। इसके साथ ही महाकुंभ में स्नानार्थियों की कुल संख्या 40 करोड़ पार हो गई। अभी महाकुंभ को 19 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ के पार जा सकती है।

प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान को पहुंच रहे हैं। शुक्रवार, 7 फरवरी को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख लोगों ने त्रिवेणी में स्नान किया। इसके बाद कुल स्नानार्थियों की संख्या 40 करोड़ के ऊपर पहुंच गई है। स्नानार्थियों में 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे।

यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी।

गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने भी लगाई पावन डुबकी

महाकुंभ नगर, 07 फरवरी। प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ रहे आस्था के जनसमुद्र के बीच शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी श्रद्धा की डुबकी लगाने पहुंचे। संगम त्रिवेणी में स्नान करने के बाद उन्होंने योगी सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में सुंदर व्यवस्था की गई है और कहीं भी किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि त्रिवेणी संगम में स्नान मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री ने संगम स्नान से पूर्व बड़े हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की और फिर सेक्टर 7 स्थित गुजरात पवेलियन का भी अवलोकन किया।

त्रिवेणी संगम में स्नान के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने योगी सरकार द्वारा किए गए प्रबंधों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कुंभ क्षेत्र में सुंदर व्यवस्था की गई है और कहीं भी किसी को कोई समस्या नहीं हो रही है। भूपेंद्र पटेल ने कहा, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाएं अद्भुत हैं। स्वच्छता से लेकर हर सुविधा तक, सब कुछ बहुत ही अच्छा है। गुजरात सीएम ने कहा, हमें पवित्र स्नान करने का अवसर मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। त्रिवेणी संगम, जो भारत की आस्था का केंद्र है, वहां स्नान करने के बाद हर व्यक्ति स्वयं को भाग्यशाली मानता है। मोटरबोट से पूरी सुरक्षा के बीच मुख्यमंत्री त्रिवेणी संगम पहुंचे और यहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण और श्लोकों के बीच आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान उन्होंने भगवान सूर्य को अर्घ्य भी दिया। उनके साथ औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी पावन डुबकी लगाई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने गंगा पूजन और गंगा आरती भी की।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार सुबह 9 बजे स्टेट एयरक्राफ्ट से प्रयागराज पहुंचे। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने उनका स्वागत किया। यहां से वह सीधे बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजन अर्चन किया और आरती उतारी। मंदिर के महंत और बाघंबरी गद्दी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरि जी महाराज की ओर से मुख्यमंत्री को लेटे हनुमान मंदिर की प्रतिकृति भेंट की गई। बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजन के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सेक्टर 7 स्थित गुजरात पवेलियन पहुंचे। यहां उन्होंने पवेलियन का अवलोकन किया। गुजरात पवेलियन में उन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, साबरमती आश्रम और सूर्य मंदिर की प्रतिकृतियों का निरीक्षण किया, जबकि मेडिकल कैंप, लिटरेचर स्टॉल और अन्य गैलरी का भी मुआयना किया। यहां वो गुजरात के उत्पादों की प्रदर्शनी में भी गए और सभी व्यवस्थाओं को सराहा। गुजरात से भारी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उन्होंने यहां 400 बेड की एक डॉरमेट्री का भी शुभारंभ किया।

महाकुंभ से अभिभूत बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा

महाकुंभ में दिख रही सनातन संस्कृति की एकता

महाकुंभ नगर, 07 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ पहुंचे बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शुक्रवार को संगम भ्रमण के दौरान भारत की सनातन संस्कृति को महान बताया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में सनातन संस्कृति की एकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

अपने प्रयागराज दौरे के दूसरे दिन आरिफ मो. खान ने कहा, भारत की सनातन संस्कृति का मूल आदर्श एकात्मता है, जहां सभी भेद समाप्त हो जाते हैं। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि यदि हम किसी भी मानव को उनके दिव्य रूप में देखें, तो हमें यह अहसास होगा कि मानव ही माधव का स्वरूप है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि महाकुंभ में आकर यह स्पष्ट होता है कि भारत की संस्कृति और परंपरा मानवता को जोड़ने का कार्य करती है। यहां मौजूद लोग एक-दूसरे को भले ही न जानते हों, लेकिन फिर भी सब एकजुट होकर इस आयोजन में भाग ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की विरासत, आदर्श और मूल्यों को जीवंत रखना आवश्यक है। यही वे मूल्य हैं, जो हमारे समाज को एकसूत्र में बांधते हैं और समरसता की भावना को मजबूत करते हैं

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में 749 सरकारी सम्पत्ति पर वक्फ बोर्ड का कब्जा

लखनऊ, 07 फरवरी (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर संसद में मचे घमासान के बीच उत्तर प्रदेश में लगातार वक्फ बोर्ड के कब्जे का खुलासा हो रहा है। इसी क्रम में पता चला है कि उत्तर प्रदेश में वक्फ बोर्ड ने सबसे अधिक शाहजहांपुर में 2589 सम्पत्तियों पर कब्जा है। इसमें से 749 सम्पत्तियां राजस्व विभाग की हैं, जिन्हें मनमाने तरीके से वक्फ बोर्ड ने अपने में शामिल कर लिया था।पता चला है कि शाहजहांपुर में 2589 सुन्नी वक्फ बोर्ड के अंतर्गत आने वाली सम्पत्तियां हैं, जबकि 4 शिया सम्पत्ति अलग हैं। इसमें से जो 749 सम्पत्तियां हैं जो कि कभी सरकारी थीं, जिन्हें वक्फ बोर्ड अपना बताता है। ये सम्पत्तियां कुल 166 हेक्टेयर जमीन है। इस मामले तहसीलवार सर्वे के बाद इसकी रिपोर्ट तैयार करके सरकार को भेज दी गई है। इन सम्पत्तियों को 1989 के दौरान वक्फ बोर्ड के अंदर शामिल किया गया था।

इसी प्रकार प्रदेश सरकार के सर्वे में ये सामने आया है कि वाराणसी में 1637 सम्पत्तियां वक्फ बोर्ड ने अपने नाम पर रजिस्टर कर रखी है। इसमें से 406 सम्पत्तियां ऐसी हैं, जो कि सरकार की सम्पत्तियां हैं और इस पर मनमाने तरीके से वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर रखा है। इन्हीं सरकारी सम्पत्तियों में से नदेसर की जामा मस्जिद भी है। इसी क्रम में कानपुर जिला प्रशासन ने सरकार को भेजी गई अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि जिले में 1650 वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियां है, जिनमें से 550 सम्पत्तियां ऐसी हैं, जो कि सरकारी जमीन हैं, लेकिन वक्फ बोर्ड उन पर अपना दावा करता है।

कानपुर देहात में बनेगा एलपीजी डिस्पैच टर्मिनल और बॉटलिंग प्लांट

कानपुर, 07 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में प्रदेश सरकार की मजबूत अर्थव्यवस्था को लेकर किए जा रहे प्रयासों के तहत यूपीसीडा के सहयोग से कानपुर देहात के अकबरपुर तहसील स्थित रसूलपुर लोदीपुर, सुल्तानपुर गांव में 500 करोड़ की लागत से बीपीसीएल 180 टीएमटीईए क्षमता का एलपीजी बॉटलिंग प्लांट और प्रदेश का सबसे बड़ा बल्कि डिस्पैच टर्मिनल स्थापित करेगा।

यह जानकारी यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए कुल 65 एकड़ जमीन का आवंटन पत्र भी गुरुवार को जारी कर दिया गया है।

बताया कि यहां पर बनने वाले बल्क डिस्पैच टर्मिनल से पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश में एलपीजी की आपूर्ति की जाएगी।

इसके अलावा, लखनऊ, झांसी, सलेमपुर, बरेली, और गोरखपुर जैसे प्रमुख शहरों को आसानी से गैस भेजी जा सकेगी।

इसके स्थापित होने से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिलेगा। बीपीसीएल का यह प्रोजेक्ट कानपुर, कानपुर देहात और आसपास के क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रोजेक्ट से यूपी के विभिन्न हिस्सों में कुकिंग गैस की आपूर्ति को और सुगम बनाया जाएगा।

यह संयंत्र कांडला, गोरखपुर, कांडला टैंक वेगन और उड़ान रेक पाइपलाइन से कच्चे माल की आपूर्ति करेगा।

यहां पर व्यावसायिक और घरेलू प्रयोग में आने वाले सिलेंडर पैक किए जाएंगे।

बीपीसीएल के इस एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की कुल क्षमता के हिसाब से यह इस क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी एलपीजी आपूर्ति की इकाई होगी। मयूर माहेश्वरी ने कहा, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के माध्यम से प्रदेश के जनपदों में लगातार भूमि बैंक तैयार कर निवेश कराया जा रहा है।

इसी कड़ी में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड की ओर से एक बड़ा प्लांट कानपुर देहात में स्थापित किया जाएगा। इस इकाई के संचालन से न केवल ईस्ट यूपी और सेंट्रल यूपी में एलपीजी की आपूर्ति में सुधार होगा, बल्कि कानपुर देहात में रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा।

लखनऊ के रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी

तीन रेलवे स्टेशनों पर बढ़ेंगे 18 ट्रेनों के ठहराव

लखनऊ, 07 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ शहर के बाहर के हिस्सों से ट्रेन से सफर करने वाले मुसाफिरों के लिए खुशखबरी है। उतरेटिया, आलमनगर व मल्हौर स्टेशन पर जल्द ही 18 ट्रेनों को रोकने की योजना बनाई जा रही है। राजधानी के तीन स्टेशनों पर 18 ट्रेनों के ठहराव बढ़ाने की तैयारी है। मार्च के पहले हफ्ते में स्टॉपेज के प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लग सकती है। खास बात यह है कि उतरेटिया, आलमनगर व मल्हौर स्टेशन पर ट्रेनों के स्टॉपेज बढ़ने से 24 हजार से ज्यादा यात्रियों को राहत होगी। उन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए चारबाग व लखनऊ जंक्शन जाने के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी।

उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन की ओर से चारबाग, लखनऊ जंक्शन पर यात्रियों एवं ट्रेनों का लोड कम करने के उद्देश्य से ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत मुख्य स्टेशनों से इतर अन्य छोटे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन स्कीम में विकसित किया जा रहा है। स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। ट्रेनों के स्टॉपेज बढ़ाने के लिए दैनिक यात्री एसोसिएशन की ओर से लंबे समय से मांग की जा रही थी, जिसके दृष्टिगत प्रस्ताव तैयार किया गया है। चारबाग व जंक्शन पर सवा लाख से अधिक यात्री प्रतिदिन आते-जाते हैं। यहां से 180 से ज्यादा ट्रेनों का आना-जाना है। ऐसे में भयंकर ट्रैफिक हो जाता है। बड़े स्टेशनों पर दबाव कम करने के लिए रेलवे प्रशासन छोटे स्टेशनों को विकसित कर वहां ट्रेनों के स्टॉपेज बढ़ाने जा रहा है।

उत्तर रेलवे के तीन रेलवे स्टेशनों उतरेटिया, मल्हौर व आलमनगर पर ट्रेनों के स्टॉपेज बढ़ाए जाएंगे। कुल 18 ट्रेनों के स्टॉपेज यहां दिए जाने हैं। इससे 24 हजार से ज्यादा यात्रियों को राहत मिलेगी। मार्च में स्टॉपेज पर मुहर लगने की उम्मीद अफसर जता रहे हैं। वृंदावन, पीजीआई, आलमबाग, ट्रांसपोर्ट नगर, गोमती नगर विस्तार में रहने वाली बड़ी जनसंख्या को ट्रेनों के लिए चारबाग व जंक्शन का रुख नहीं करना होगा। अनुमान के अनुसार पांच लाख से अधिक आबादी को इससे फायदा होगा।

चारबाग और लखनऊ जंक्शन पर ट्रेनों और यात्रियों का लोड कम करने के लिए 29 नॉन प्रीमियम ट्रेनों को बाईपास पर शिफ्ट किया जाएगा। इससे ये ट्रेनें उतरेटिया से ट्रांसपोर्ट नगर के बीच बने बाईपास के रास्ते आगे रवाना हो जाएंगी। ट्रेनों को चारबाग लाने के लिए दिलकुशा केबिन से गुजारना होता है। दिलकुशा आउटर पर ट्रेनों का ट्रैफिक बढ़ जाता है, जिससे ट्रेनों को पीक ऑवर्स में घंटों खड़ा करना पड़ता है। जिन रूटों की ट्रेनों को ठहराव मिलेगा उनमें उतरेटिया, आलमनगर और मल्हौर स्टेशन शामिल हैं। खासतौर पर दिल्ली, बिहार, हावड़ा, वाराणसी, प्रयागराज, मुंबई, झांसी, चंडीगढ़, जम्मू तवी, देहरादून आदि रूटों पर जाने वाले यात्रियों के लिए ट्रेनों की सुविधा हो जाएगी। रेलवे बोर्ड के एक अफसर ने बताया कि स्टॉपेज के लिए टाइम टेबल आदि पर मंथन हो रहा है। रेलवे प्रशासन की ओर से इन स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव बढ़ाने के साथ-साथ यात्री सुविधाओं में भी वृद्धि की जाएगी। मसलन, ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), वाटर वेंडिंग मशीनें, लिफ्ट, एस्केलेटर, बैठने व पेयजल के बेहतर व्यवस्थाएं भी की जाएंगी।

कर्मचारियों के लिए सम्पत्ति का विवरण देने की तारीख बढ़ी

लखनऊ, 07 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को 31 जनवरी तक अपनी चल और अचल सम्पत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर देना था। अब उसकी तारीख बढ़ा दी गई है। प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने राज्य कर्मचारियों को सम्पत्ति का विवरण देने की समयावधि बढ़ा दी है। अब 15 फरवरी तक सम्पत्ति का ब्यौरा दिया जा सकेगा। इसके बाद भी विवरण न देने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव ने बृहस्पतिवार को निर्देश जारी करते हुए कहा कि 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर सम्पत्ति का विवरण देने के निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन इस तारीख तक 831844 अधिकारियों और कर्मचारियों में से 593873 ने ही सम्पत्ति का विवरण दिया। इसलिए अब इसे 15 फरवरी तक बढ़ा दिया गया है। समूह क और ख के अधिकारियों के लिए मानव संपदा पोर्टल पर सालाना आनलाइन गोपनीय प्रविष्टियां दाखिल करने की समयावधि को बढ़ाकर 28 फरवरी कर दिया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि साफ निर्देशों के बाद भी कई विभागों के अधिकारियों की गोपनीय प्रविष्टियां अपलोड नहीं की गई हैं।

संपादकीय

दिल्ली चुनावों की संभावनाएं

दिल्ली ने मतदान कर दिया। अब 8 फरवरी को जनादेश घोषित किया जाएगा कि दिल्ली किस पार्टी के पक्ष में है। बुधवार, 5 फरवरी की देर रात तक 60.4 फीसदी मतदान दर्ज किया गया, यह चुनाव आयोग का अधिकृत आंकड़ा है। कुल करीब 1.56 करोड़ मतदाताओं में से 65 लाख से अधिक मतदाताओं ने मतदान ही नहीं किया। दिल्ली जैसे राजधानी महानगर में यह उदासीनता महत्वपूर्ण है। दिल्ली का समूचा विचार और राजनीतिक सोच स्पष्ट नहीं हो पाती। जनादेश भी अधूरा ही रहेगा। दिल्ली सबसे शिक्षित और जागरूक महानगर है। उसके बावजूद चुनाव-प्रक्रिया के प्रति यह उदासीनता भी निराश करती है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण और बुनियादी नागरिक अधिकार मताधिकार ही है, जिसके जरिए नागरिक अपने जन-प्रतिनिधि और अपनी सरकार चुनते हैं। हालांकि इस बार का मतदान लोकसभा चुनाव से बेहतर रहा, लेकिन 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों से पिछड़ा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की सीट नई दिल्ली पर 54.7 फीसदी ही मतदान हुआ। हालांकि इस सीट पर करीब 88 फीसदी हिंदू मतदाता हैं, लेकिन 'आप' और भाजपा के समर्थक हिंदू मतदाता घरों से कम निकले। मुख्यमंत्री आतिशी की सीट कालकाजी भी हिंदू-बहुल है, लेकिन सिर्फ 52 फीसदी ही मतदान किया गया, लेकिन इन सीटों के उलट मुस्लिम-बहुल मुस्तफाबाद, सीलमपुर, शाहीन बाग सरीखी सीटों पर बंपर मतदान किया गया, लेकिन वह भी 70 फीसदी से कम रहा। जहां 2020 में सांप्रदायिक दंगे हुए थे, वहां मुसलमानों ने सबसे ज्यादा मतदान किया। हालांकि दिल्ली एक अद्र्धराज्य है, संघशासित क्षेत्र भी है, लेकिन 'मिनी इंडिया' भी है, क्योंकि देश भर से लोग यहां पढने, काम करने और एक बेहतर भविष्य के लिए आते हैं। दिल्ली के जनादेश की प्रतिध्वनि देश भर में गूंज सकती है। राजधानी शहर में बीते 12 साल से 'आप' की सत्ता है, उससे पहले 15 साल कांग्रेस ने शासन किया, लिहाजा भाजपा 27 साल से 'वनवास' झेल रही है। इस बार 'आप' और भाजपा की राजनीति दांव पर है। मतदान के बाद 10 एग्जिट पोल के अनुमान सामने आए हैं, जिनमें से 8 भाजपा और सिर्फ 2 'आप' की सत्ता के पक्ष में हैं। एग्जिट पोल एक वैज्ञानिक, प्रयोगिक सर्वेक्षण-पद्धति है, लेकिन बीते एक अंतराल से भारत में सभी पोल गलत रहे हैं। हाल ही में हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड राज्यों के विधानसभा चुनावों के अनुमान भी गलत साबित हुए हैं। लोकसभा चुनाव के अनुमान भी धराशायी हो गए, लिहाजा कहा नहीं जा सकता कि जनादेश 'आप' या भाजपा के पक्ष में रहेगा। लेकिन जो भी जनादेश मिलेगा, वह ऐतिहासिक ही होगा। केजरीवाल और 'आप' का राजनीतिक उदय भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन से हुआ था, लेकिन आज उन्हीं के चेहरों पर खरोंचे हैं। पार्टी के शीर्ष नेता-केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह-जेल जा चुके हैं और फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, लेकिन अदालत में उनका अपराध अभी साबित होना है। जनता कुछ संदेह कर रही है और कुछ सवाल भी हैं, शायद इसीलिए केजरीवाल, आतिशी, सिसोदिया की सीटें फंसी हुई हैं। वे चुनाव हार भी सकते हैं। दिल्ली का प्रदूषण, गंदा पानी, प्रदूषित हवा, टूटी-फूटी सडक़ें, शराब घोटाला, प्रदूषित यमुना आदि चुनावी मुद्दे बनते चले गए, जिनका नुकसान 'आप' को होता लगता है। यदि केजरीवाल और 'आप' चुनाव हार जाते हैं, तो पार्टी में बिखराव हो सकता है, क्योंकि 'आप' काडर आधारित पार्टी नहीं है। यदि केजरीवाल चुनाव जीत जाते हैं, तो उनका राजनीतिक ब्रांड मजबूत होगा।

> दिल्ली सबसे शिक्षित और जागरूक महानगर है। उसके बावजूद चुनाव-प्रक्रिया के प्रति यह उदासीनता भी निराश करती है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण और बुनियादी नागरिक अधिकार मताधिकार ही है, जिसके जरिए नागरिक अपने जन-प्रतिनिधि और अपनी सरकार चुनते हैं। हालांकि इस बार का मतदान लोकसभा चुनाव से बेहतर रहा, लेकिन 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों से पिछड़ा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की सीट नई दिल्ली पर 54.7 फीसदी ही मतदान हुआ। हालांकि इस सीट पर करीब 88 फीसदी हिंदू मतदाता हैं, लेकिन 'आप' और भाजपा के समर्थक हिंदू मतदाता घरों से कम निकले। मुख्यमंत्री आतिशी की सीट कालकाजी भी हिंदू-बहुल है, लेकिन सिर्फ 52 फीसदी ही मतदान किया गया, लेकिन इन सीटों के उलट मुस्लिम-बहुल मुस्तफाबाद, सीलमपुर, शाहीन बाग सरीखी सीटों पर बंपर मतदान किया गया, लेकिन वह भी 70 फीसदी से कम रहा। जहां 2020 में सांप्रदायिक दंगे हुए थे, वहां मुसलमानों ने सबसे ज्यादा मतदान किया।

पाकिस्तान से निकलने के लिए टीटीपी यानी तहरीके तालिबान पाकिस्तान का गठन किया हुआ है

पाकिस्तान के अस्तित्व का प्रश्न

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> सरकार का कहना है कि पाकिस्तान के लोगों को कश्मीर के साथ एकजुटता का प्रदर्शन करना है जो शहबाज शरीफ के अनुसार पाकिस्तान में शामिल होने के लिए तड़प रहे हैं, लेकिन भारत सरकार उन्हें जबरदस्ती भारत में रखे हुए है। जब पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान के लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रही थी कि कश्मीरी पाकिस्तान में मिलने के लिए छटपटा रहे हैं, उन्हीं दिनों पाकिस्तान में रहने वाले बलोच और पश्तून पाकिस्तान से अलग होने की कोशिश में मशगूल थे।

तीन-चार दिन पहले पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक छुट्टी की थी। सरकार का कहना है कि पाकिस्तान के लोगों को कश्मीर के साथ एकजुटता का प्रदर्शन करना है जो शहबाज शरीफ के अनुसार पाकिस्तान में शामिल होने के लिए तड़प रहे हैं, लेकिन भारत सरकार उन्हें जबरदस्ती भारत में रखे हुए है। जब पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान के लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रही थी कि कश्मीरी पाकिस्तान में मिलने के लिए छटपटा रहे हैं, उन्हीं दिनों पाकिस्तान में रहने वाले बलोच और पश्तून पाकिस्तान से अलग होने की कोशिश में मशगूल थे। बलोचिस्तान के लोगों ने इस काम के लिए बीएलए यानी बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी बना रखी है। इसी प्रकार पश्तूनों ने पाकिस्तान से निकलने के लिए टीटीपी यानी तहरीके तालिबान पाकिस्तान का गठन किया हुआ है। ये दोनों संगठन अपने स्वभाव और प्रकृति के अनुरूप ही अपना मुकाम हासिल करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करते हैं। बलोचों को यह अंदेशा हो गया है कि पाकिस्तान सरकार बलोचिस्तान को परोक्ष रूप से चीन के हवाले करने जा रही है। दरअसल इस्लामाबाद ने बलूचिस्तान में गवादर बंदरगाह एक प्रकार से चीन के हवाले की हुई है। इसलिए उस इलाके में बलोच कम और चीनी ज्यादा दिखाई देने लगे हैं। ये चीनी सैनिक और चीनी इंजीनियर इत्यादि बलोचों से तिरस्कार से बात करते हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी समय-स्थान देखकर पाकिस्तानी सेना पर हमला करती रहती है। लेकिन जिन दिनों पाकिस्तान कश्मीरियों को पाकिस्तान में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा था, उन्हीं दिनों बलोच नौजवान कलात में घात लगा कर पाकिस्तानी सेना के लोगों का इंतजार कर रहे थे। घात लगा कर किए इस हमले में पाक सेना के 18 सैनिक तो मौके पर ही मारे गए, यह सूचना है। बहुत से सैनिक घायल भी हुए। इसके दूसरे दिन ही पश्तूनों के सूबे खैबर पख्तूनखवा में बलूचिस्तान के चार सरकारी कर्मचारियों की डेरा ईसमाईल खान में हत्या कर दी गई। यह माना जा रहा है कि यह

टीटीपी का कारनामा है। पश्तून और बलोचों का गुस्सा पंजाबियों के खिलाफ है। पाकिस्तान में बलोच, सिंधी और पश्तून यह मान कर चलते हैं कि पाकिस्तान का अर्थ असल मायने में पंजाबी जाटों, राजपूतों और सैयदों का देश है। इनके देश में बाकी बिरादरियां मसलन सिंधी, बलोच और पश्तून दोयम दर्जे के नागरिक ही हैं। सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनखवा के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग पंजाब के लोग करते हैं और बाकी बिरादरियों का पंजाबियों द्वारा शोषण किया जाता है। सिंधियों का 'जिए सिंध' अहिंसक है, लेकिन बलोचों और पश्तूनों का आंदोलन उनकी परंपरा के अनुसार 'बंदूक का आंदोलन' है। पहले पहल बीएलए और टीटीपी अलग-अलग आंदोलन चलाते थे। पाकिस्तान सरकार को शक है कि पिछले कुछ समय से ये दोनों आपसी तालमेल बढ़ा रहे हैं और आपसी सहयोग से ही निशाना चुनते हैं और उसे अंजाम देते हैं। पाकिस्तान की चिंता का एक दूसरा कारण भी है। खैबर पख्तूनखवा (केपी) के पश्तून लड़ाकों को अफगानिस्तान में तीन साल पहले बनी पश्तूनों की सरकार भी मदद कर रही है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक करके काबुल को डराने और धमकाने की कोशिश की। लेकिन लम्बे अरसे तक रूस और अमेरिका की फौजों से लड़ते लड़ते पश्तून इस स्ट्राइक से और भी उग्र हो गए और उन्होंने पाकिस्तान के भीतर घुस कर पाक सरकार को चुनौती दी। अकेले बलोचिस्तान में ही पिछले एक महीने में बलोच नौजवानों ने 24 बार अलग अलग स्थानों पर पाकिस्तानी सेना की टुकडियों पर हमले किए जिनमें ग्यारह पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। जहां तक हथियारों का प्रश्न है, कहा जाता है कि काबुल छोड़ते समय अमेरिकी सेना हथियारों के जो जखीरे छोड़ गई थी, उसका कुछ हिस्सा टीटीपी के हाथ भी लग गया है। अब प्रश्न उठता है कि जिस पाकिस्तान में पंजाबी जाटों, सैयदों को छोड़ कर शेष बचे सिंधी, बलोच और पश्तून भी रहना नहीं चाहते, वहां भला कश्मीरी क्या करने जाएगा? इतना ही नहीं, वहां से निकलने के लिए बलोच और पश्तून तो बंदूक लेकर पाकिस्तानी सेना से लगातार लड़ रहे हैं। वहां कश्मीरी की क्या हैसियत होगी? लेकिन पाकिस्तान की सरकार, जिसको बलोच और पश्तून आम तौर पर पाकिस्तान की सरकार नहीं कहते बल्कि पंजाबियों और सैयदों की सरकार ही कहते हैं, कश्मीरियों को पाकिस्तान में आने के लिए निमंत्रण दे रही है। अब इसकी चर्चा कश्मीर के उस हिस्से में भी होने लगी है, जो 1947 से ही पाकिस्तान के कब्जे में बना हुआ है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण गिलगित और बलतीस्तान ही हैं। बलतीस्तान का एक हिस्सा कारगिल को 1947 में ही भारतीय सेना ने छुड़ा लिया था, लेकिन उसका शेष विशाल हिस्सा पाकिस्तान सरकार के कब्जे में ही रहा। पाकिस्तानी सेना ने 1999 में कारगिल पर एक बार फिर कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। गिलगित में से चीन सरकार सडक़ बना रही है, इसलिए वहां चीनी सैनिकों एवं अन्य चीनी कर्मियों का जमावड़ा बना रहता है। गिलगित के दरद और बलतीस्तान के बलती पाकिस्तान सरकार द्वारा किए जा रहे सौतेले व्यवहार से त्रस्त होकर पिछले कुछ वर्षों से संगठित होने लगे हैं, ऐसी सूचना है। वे भी पाकिस्तान सरकार के खिलाफ किसी न किसी रूप में लामबंद होने लगे हैं। पाकिस्तान सरकार इन इलाकों की किसी न किसी तरह पहचान समाप्त करने की कोशिश में लगी रहती है। उसने हजारा और चित्राल को तो केपी में ही मिला दिया है।

दृष्टि कोण

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वजीफा तो दो

सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं दे सकती हैं? हिमाचल प्रदेश के कुछ एथलीट हैं जो 2026 की एशियाई खेलों में देश के लिए खेल कर पदक दे सकते हैं। उनमें सावन और दिनेश सेना व सीमा भी राष्ट्रीय कैंप में रह कर राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सीमा ने इस खत्म हुए प्रतियोगिता कलैंडर में एशियाई क्रास कंट्री का व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भारत की झोली में डाला है। दूसरी तरफ कुछ उभरते हुए जूनियर एथलीट हैं जो विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले सत्र गोहाटी में आयोजित खेलो इंडिया अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स में राजकीय महाविद्यालय मंडी की धाविका कुसुम ठाकुर ने सौ मीटर की फर्राटा दौड़ में रजत व दो सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीत कर हिमाचल का नाम रोशन किया है। हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय की धाविका प्रिय ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की चार गुणा चार सौ मीटर दौड़ में भी लड़कियों ने कांस्य पदक जीता है। इस वर्ष पंजाब विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हमीरपुर की मनीषा ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ को 53.1 सैकंड में दौड़ कर स्वर्ण पदक जीता है, मगर अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में वह फाइनल तक ही पहुंच पाई है। इस सत्र में भी धर्मशाला कालेज की स्मृति जमवाल ने तेज गति की दौड़ों में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को पदक जीते हैं। इन सब उभरती धाविकाओं को नौकरी व वजीफे की सख्त जरूरत है। तेज गति की दौड़ों में हिमाचल के खिलाडियों का प्रदर्शन पहले कमजोर ही रहा है। यह अलग बात है कि पुष्पा ठाकुर ने जरूर इस मिथक को तोडक़र भविष्य के एथलीटों को राह दिखाई है। इसके बाद फिर हमीरपुर कालेज की प्रोमिला व ज्योति ने अंतर विश्वविद्यालय स्तर पर पदक जीते हैं। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम, एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड, इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एक मात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत नहीं पाया है। भविष्य में उभरते हुए कुसुम, प्रिया, स्मृति व मनीषा आदि तेज गति के एथलीट हैं। लंबी दूरी की दौड़ों में सीमा व सावन आज राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इन सब एथलीटों को, जो हिमाचल से पलायन कर गए हैं और जो हिमाचल में रह कर ट्रेनिंग कर रहे हैं, हिमाचल सरकार सम्मानजनक नौकरी दे तथा इन सभी एथलीटों को 2026 खेलों तक वजीफा भी दे। इस स्तर पर अपना अभ्यास जारी रखने के लिए महीने में पचास हजार रुपए चाहिए होते हैं। जो नौकरी में हैं वो तो बहुत कठिनाई से अपने वेतन से कुछ न कुछ जुगाड़ कर लेते हैं, मगर जो विद्यार्थी व बेरोजगार हैं, वे कैसे अपना अभ्यास जारी रखें, यह हिमाचल सरकार को सोचना होगा। क्या प्रदेश सरकार कुछ उपकार इन प्रतिभाशाली एथलीटों पर करेगी ताकि वे फ्री माईंड होकर अपना प्रशिक्षण जारी रख सकें। खिलाड़ी बनाए नहीं जाते हैं, वे जन्म से ही अलग होते हैं। लाखों बच्चों में कोई एक प्रतिभाशाली एथलीट मिलता है।

कुछ अलग

कथा हमारे समाजवाद की

पिछले दिनों जंगल की एक सुनसान पगडंडी से गुजर रहा था। यकायक किसी के कराहने की आवाज सुनाई दी। चौंक कर इधर उधर देखा, परंतु कोई दिखाई नहीं दिया। फिर जिस ओर से आवाज आ रही थी, उस दिशा में चला तो आवाज एक गहरे अंधे कुएं में से आ रही थी। मैंने कुएं में झांका तो न पानी था न कुछ दिखाई देता था। गहरा और अंधेरा छाया हुआ था। मैंने कहा.. 'कौन है?' वह जोर से कराहने लगा, मैंने फिर पूछा-'क्या हुआ है तुम्हें?' अबकी बार वह बोला-'मुझे बाहर निकाल दो इस अंधे कुएं से। तुम्हारा एहसास जीवन भर नहीं भूलूंगा। वे लोग मुझे यहां डाल गए हैं।' 'कौन लोग?' 'वे चार लोग थे। धोती-कुर्ता और टोपी लगाए थे। मुझे पता नहीं वे थे तो कौन, पर लोग उन्हें नेताजी कहा करते थे। सरकारी कागजों में उल्लेख होने लगा और अब मेरी महत्ता की मांग हुई थी तो वे लोग मुझे यहां डाल गए। बीस वर्षों से मैं यहां भूखा-प्यासा पड़ा बिलख रहा हूं।' वह बोला। 'लेकिन तुम हो कौन?' मैंने पूछा। 'मैं समाजवाद हूं।' उसने उत्तर दिया। 'समाजवाद, तुम यहां पड़े हो। लोग तुम्हें ढूंढ-ढूंढ कर थक गए हैं। अभी-अभी सरकार ने फिर तुम्हारा नारा दिया है कि वह देश में समाजवाद लाकर रहेगी। परंतु तुम तो यहां पड़े सड़ रहे हो।' 'मैं फिर कहता हूं भले आदमी। तुम मुझे बाहर निकालो, वरना सरकार तो जनता को पहले की तरह बेवकूफ बनाती रहेगी। केवल मेरी बातें की जाती रहेंगी। मेरी स्थापना के लिए कुछ नहीं किया जाएगा। चुनाव जीतने के तथा मन जीतने के स्टंट भर हैं ये बातें। तुम्हें पता है गरीबी हटाओ के नारे का क्या हश्र हुआ? वह नारा सरकारी कागजों के आंकड़ों में तथा नेताओं के भाषण में अवश्य रह गया है। परंतु वास्तविकता यह है कि वह भी पास ही के एक दूसरे कुएं में पड़ा दम तोड़ रहा है। यदि तुम मुझे निकाल सको तो मैं सरकार की कलई जनता के सामने खोल कर उसको नंगा कर सकता हूं।' वह गिड़गिड़ाया। मैं अचकचा गया और बोला-'ऐसी स्थिति में मैं तुम्हें कैसे निकाल सकता हूं। जब सरकार के लोग ही तुम्हें इस कुएं में डाल गए हैं तो मैं तुम्हें निकाल कर राजद्रोह व देशद्रोह का आरोप अपने माथे क्यों कर लूं?' 'मैं सच कहता हूं, तुम्हारा नाम कदापि नहीं लूंगा। भाई मेरे, अब ज्यादा दिन इस कुएं में जिंदा नहीं रह सकूंगा। जनहित के लिए तुम्हें कोई तो एक नेक कार्य करना ही चाहिए।' 'वे लोग नेकी कर कुएं में डाल गए हैं। मैं तुम्हें निकाल कर जेल की हवा खाऊं, तब मेरा क्या होगा? तुम तो स्वतंत्र हुए और मैं जाऊं जेल में।' मैंने कहा। 'तुम समझते क्यों नहीं भारत के भोले नागरिक। जहां मेरा राज है, पता है लोगों ने वहां किस तरह बलिदान दिए हैं। हजारों लोग सामंती और तानाशाही शक्तियों के हाथों कलम हुए हैं। तुम्हें फकत मेरे निकालने पर एतराज है?' समाजवाद ने मुझे समझाया। मैंने कहा-'लेकिन मुझे लाभ क्या होगा?' 'लाभ तो तुम्हें ही होगा। मुझे कुछ नहीं मिलेगा, सिवाय मान-सम्मान के। मैं केवल अस्तित्व को बचाए रखने के लिए बाहर आना चाहता हूं।' 'अस्तित्व तो तुम्हारा है। सरकार ने अभी तुम्हें स्वीकार किया है और देश के हाईकमान आजकल तुम्हारा जिक्र फिर आम सभाओं में करने लगे हैं।' 'जब तुम वास्तविकता से परिचित हो तो तुम्हें मुझे बाहर निकाल कर जनता के लिए सेवा करनी चाहिए।' वह बोला।

देश दुनिया से

प्लास्टिक के खतरों से निपटने का कारगर विकल्प

चावल दुनियाभर में सबसे अधिक उगाया और खाया जाने वाला अनाज है। इसके प्रसंस्करण के दौरान बड़ी मात्रा में कृषि अवशेष, जैसे धान की भूसी और पराली, निकलते हैं। आमतौर पर इनका कोई विशेष उपयोग नहीं होता और कई बार किसान इन्हें जलाने के लिए मजबूर हो जाते हैं, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। दिसम्बर-जनवरी के महीनों में दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। वैज्ञानिकों ने इस कृषि कचरे का उपयोग बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक बनाने में करना सीख लिया है, जिससे न केवल कृषि कचरे का पुनर्चक्रण होता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि इससे किसानों की आय भी बढ़ सकती है और उद्योगों के लिए एक नया लाभकारी अवसर उत्पन्न हो सकता है। पारंपरिक प्लास्टिक कचरे की समस्या यह है कि यह पर्यावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता और धीरे-धीरे छोटे कणों में टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है। यही माइक्रोप्लास्टिक हमारे पानी, भोजन और यहां तक कि हवा में भी मिल चुके हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। शोध बताते हैं कि हर साल लाखों टन प्लास्टिक महासागरों में पहुंच जाता है, जिससे समुद्री जीव-जंतुओं को भारी नुकसान होता है। इसके अलावा, प्लास्टिक बनाने की प्रक्रिया में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो जाती है। पारंपरिक प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग भी पूरी तरह से प्रभावी नहीं है, क्योंकि अधिकांश प्लास्टिक या तो लैंडफिल में चला जाता है या जलाए जाने पर हानिकारक गैसें उत्पन्न करता है। बायोप्लास्टिक प्राकृतिक रूप से विघटित हो सकते हैं और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। इन्हें जैविक स्रोतों से बनाया जाता है, जैसे मक्का, गन्ना और अब चावल। चावल से बने बायोप्लास्टिक में मुख्य रूप से स्टार्च और सेल्यूलोज का इस्तेमाल होता है। चावल के स्टार्च को कुछ प्राकृतिक पदार्थों, जैसे ग्लिसरॉल, के साथ मिलाकर एक लचीला और टिकाऊ प्लास्टिक तैयार किया जाता है। इसके अलावा, चावल की भूसी से सेल्यूलोज निकाला जाता है, जिसे आगे की प्रक्रिया में तैयार करके मजबूत बायोप्लास्टिक बनाया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने चावल के अवशेषों से पॉलीहाइड्रॉक्सीएल्केनोएट्स (पीएचए) नामक एक जैविक पॉलिमर बनाने की तकनीक विकसित की है, जो पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल है। यह पारंपरिक प्लास्टिक की तरह मजबूत होता है लेकिन कुछ महीनों में ही प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाता है। चावल-आधारित बायोप्लास्टिक का उपयोग कई उद्योगों में किया जा सकता है, जिससे यह पारंपरिक प्लास्टिक का व्यावहारिक विकल्प बन सकता है। खाद्य पैकेजिंग में, बायोप्लास्टिक से बने कंटेनर और रैपिंग मैटेरियल खाद्य उत्पादों की ताजगी बनाए रखते हैं और प्लास्टिक कचरे को कम करते हैं। कृषि क्षेत्र में, बायोडिग्रेडेबल मल्चिंग फिल्म मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवार नियंत्रण में सहायक होती है। चिकित्सा उपकरणों में, सर्जिकल सुई, खुद से पिघलने वाले टांके और दवा वितरण प्रणालियों में इसका उपयोग बढ़ रहा है। उपभोक्ता उत्पादों में, बायोडिग्रेडेबल कटलरी, डिस्पोजेबल कप और खिलौनों के निर्माण में भी बायोप्लास्टिक का उपयोग बढ़ रहा है। इसी तरह, टेक्सटाइल और फैशन उद्योग में, बायोपॉलिमर से बने जैविक कपड़े पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। थ्रीडी प्रिंटिंग में, बायोप्लास्टिक एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में एक टिकाऊ विकल्प बन रहा है। हालांकि, चावल-आधारित बायोप्लास्टिक के कई फायदे हैं, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर अपनाने में कुछ बाधाएं भी हैं। फिलहाल इसकी उत्पादन लागत पारंपरिक प्लास्टिक की तुलना में महंगी है। कुछ बायोप्लास्टिक पारंपरिक प्लास्टिक की तरह मजबूत नहीं होते। इन्हें पूरी तरह विघटित होने के लिए सही परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। यदि बायोप्लास्टिक उत्पादन के लिए खाद्यान्न आधारित कच्चे माल का उपयोग बढ़ता है, तो इससे खाद्य सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है। इसके बावजूद, बायोप्लास्टिक की प्रगति में अपार संभावनाएं हैं, जिसके चलते इसका वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है। यूरोपीय देशों ने इस तकनीक को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत में भी सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे बायोप्लास्टिक के लिए एक बड़ा अवसर पैदा हो सकता है। अगर चावल-आधारित बायोप्लास्टिक के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए और अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाए, तो यह प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने का एक महत्वपूर्ण समाधान बन सकता है। यदि, चावल-आधारित बायोप्लास्टिक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाता है, तो यह पारंपरिक प्लास्टिक का एक बेहतर विकल्प बन सकता है। यदि इस तकनीक को प्रोत्साहित किया जाए और इसके विकास में निवेश बढ़ाया जाए, तो निश्चित ही यह हरित और स्वच्छ भविष्य के हमारे सपने को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

आप का नजरिया

जबरन वापसी

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतः प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था।

फिलीपींस में निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों की मौत

मनीला, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

फिलीपींस के मागुइंदानाओ डेल सुर प्रांत में गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा हुआ। अम्पाटुआन के मालातिमोन इलाके में एक छोटा प्राइवेट विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी चार लोगों की जान चली गई। इस घटना की पुष्टि लोकल पुलिस और फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने की है।

स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे, बीच किंग एयर 300 मॉडल का यह विमान उड़ान के दौरान एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान की टक्कर उड़ान के दौरान एक काराबाओ (जल भैंस) से हो गई, जिसके बाद वह संतुलन खो बैठा और क्रैश हो गया। हादसे में विमान पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विमान की टक्कर काराबाओ से कैसे हुई। अधिकारी तकनीकी खराबी, पायलट की संभावित गलती और अन्य कारकों की जांच कर रहे हैं।

मगुइंडानाओ डेल सुर के सुरक्षा अधिकारी अमीर जेहाद टिम अंबोलोड्टो ने कहा है कि मलबे से चार लोगों के शव बरामद किए गए। सभी विदेशी नागरिक लग रहे थे। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि विमान दुर्घटना के परिणामस्वरूप जमीन पर एक भैंस भी मर गई।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान के गिरते ही उसमें आग लग गई थी, जिससे उसमें सवार किसी भी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका।

अधिकारियों ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद दुर्घटना के कारणों पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी।

इस घटना ने देश की विमान सुरक्षा प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, और इससे बचने के लिए नए सुरक्षा उपायों पर विचार किया जा रहा है। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता कनिष्क गंगोपाध्याय ने बताया कि दक्षिणी प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त होने वाले विमान का अनुबंध अमेरिकी सेना ने किया था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड विमान दुर्घटना पर बाद में एक बयान जारी करेगा।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के दो सामरिक ठिकानों पर हमला किया

बेरूत। इजराइल की वायुसेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के दो सामरिक ठिकानों पर हमलाकर नष्ट कर दिया। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के एक्स हैंडल पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, हिजबुल्लाह के लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करने पर यह हमला किया गया। इजराइल किसी भी कीमत पर हिजबुल्लाह के लड़ाकों को दोबारा सिर उठाने का मौका नहीं देगा। इजराइल के लड़ाकू विमानों ने गुरुवार शाम लेबनान और सीरिया को अलग करने वाली पूर्वी पर्वत श्रृंखला को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। यह हमले दक्षिणी लेबनान में इकलीम अल-तुफा क्षेत्र की ऊंचाइयों पर किए गए। इससे पहले दिन में इजराइली बलों ने दक्षिणी लेबनान के मरजायौन जिले में काफर किला और मेस अल-हबल शहरों में घरों और इमारतों पर बमबारी की।

पश्चिमी सीरिया के लताकिया में गश्ती दल पर सशस्त्र हमला, दो घायल

दमिश्क। पश्चिमी सीरिया के लताकिया शहर में एक सुरक्षा गश्ती दल पर सशस्त्र हमले में दो लोग घायल हो गए। गुरुवार को हुए इस हमले में घायल लोगों में सार्वजनिक सुरक्षा विभाग का एक सदस्य भी है। सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद शासन के कुछ वफादार घात लगाकर हमले कर रहे हैं। लताकिया गवर्नरेट में सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के निदेशक मुस्तफा कनीफाती ने इसकी पुष्टि की। निदेशक मुस्तफा कनीफाती ने कहा कि हमलावरों की तलाश की जा रही है। इस महीने की शुरुआत में लताकिया ग्रामीण इलाके में हुए हमले में आंतरिक मंत्रालय के सामान्य सुरक्षा विभाग के तीन सदस्य मारे गए। पिछले शुक्रवार को सार्वजनिक सुरक्षा विभाग को दारा में राजनीतिक सुरक्षा शाखा के पूर्व प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अतेफ नजीब को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। नजीब सीरिया में विद्रोह के दौरान सामूहिक हत्या के आरोप का दोषी है। अतेफ जबलेह शहर में छुपा हुआ था।

ढाका में अनियंत्रित भीड़ ने शेख हसीना की पार्टी के नेता के घर में लगाई आग

ढाका। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के परिवार और उनके सहयोगियों के खिलाफ भड़के शोले अंतरिम सरकार की चेतावनी के बावजूद ठंडे पड़ते नहीं दिख रहे। हसीना के पिता बंगबंधु और पति के आवास पर बुलडोजर चलाने के बाद अब उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं के घरों पर आग लगाई जा रही है। अनियंत्रित भीड़ ने रात डेढ़ बजे राजधानी ढाका के बनानी में अवामी लीग सभापति मंडल के सदस्य शेख सेलिम के घर में आग लगा दी। पुलिस सुरक्षा की कमी के कारण दमकल विभाग के कर्मचारी रात 2:45 बजे तक मौके पर नहीं पहुंचे। इस दौरान घर आग की लपटों से घिरा रहा। इससे पहले बुधवार रात हजारों छात्रों और प्रदर्शनकारियों ने धानमंडी-32 स्थित बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के आवास में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। हमलावरों ने इमारत पर बुलडोजर चला दिया। देशभर में अवामी लीग के अन्य नेताओं के घरों और कार्यालयों को निशाना बनाया गया है। इस बीच गुरुवार आधी रात एक बयान में अंतरिम सरकार ने चेतावनी दी कि बर्बरता और आगजनी के माध्यम से देश को अस्थिर करने के किसी भी प्रयास को सहन नहीं किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने आश्वासन दिया कि वह अपने नागरिकों के जीवन और संपत्ति की हर हाल में रक्षा करेगी।

पाक में सियासी हलचल, जेयूआईएफ नेता फजलुर रहमान के तेवर देख प्रधानमंत्री शहबाज पहुंचे मिलने

इस्लामाबाद, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

नेशनल असेंबली में कुछ वक्त पहले संघीय सरकार को संकट से उबारने वाले जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फजल (जेयूआईएफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के बदले तेवर से सियासी हलचल तेज हो गई है। हुकूमत को लगता है कि मौलाना अगर रूठ गए तो मुसीबत बढ़ जाएगी। इस तल्खी को दूर करने के लिए कल प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने मौलाना फजलुर रहमान से उनके आवास पर मुलाकात की।

प्रधानमंत्री के मीडिया कार्यालय और जेयूआईएफ प्रवक्ता ने बैठक का विस्तृत विवरण जारी नहीं किया। हालांकि, दोनों पक्षों ने संक्षिप्त बयान में कहा कि बैठक के दौरान राष्ट्रीय और राजनीतिक मामलों पर चर्चा हुई। शहबाज ने फजलुर रहमान से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की। मौलाना ने इसके लिए धन्यवाद दिया और शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर योजनामंत्री अहसान इकबाल और सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार के अलावा मौलाना अब्दुल गफूर हैदरी, सीनेटर मौलाना अताउर रहमान, मौलाना असद महमूद और पार्टी प्रवक्ता असलम गौरी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले संसद भवन में मीडिया से बातचीत में फजलुर रहमान ने संघीय सरकार पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि अगर सत्ता प्रतिष्ठान के मंच से मनमाने फैसले लिए जाएंगे तो देश में समस्याएं बढ़ जाएंगी। सरकार को इस हद तक नहीं जाना चाहिए कि राजनेताओं के लिए कोई रास्ता न बचे। उन्होंने नए सिरे से आम चुनाव कराने की भी मांग की थी। शहबाज शरीफ ने उन्हें बैठक में बताया कि सरकारी उद्यमों के निजीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाने का आदेश दिया गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान अर्थव्यवस्था में सुधार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए हम सबको सामूहिक रूप से काम करना होगा। इसके अलावा, शहबाज शरीफ ने बैठक में आगा खान चतुर्थ के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में शनिवार को एक दिन का राष्ट्रीय शोक रहेगा।

हमास के कब्जे से नेपाली युवक की रिहाई के लिए ईरान से मांगी मदद

काठमांडू। नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा ने हमास के कब्जे से नेपाली युवक विपीन जोशी की रिहाई के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने ईरान से मदद मांगी है। बंधकों को छोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू होने के 15 दिन बाद भी नेपाली युवक की रिहाई नहीं हो पाई है। विदेशमंत्री राणा ने सुबह ईरान के विदेशमंत्री सैयद अब्बास आरागची से टेलीफोन पर बातचीत की। राणा ने बताया कि उन्होंने ईरान के विदेशमंत्री से नेपाली युवक विपीन जोशी की रिहाई को लेकर आग्रह किया है। ईरान के विदेशमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगली बार जब भी हमास के नेताओं से उनकी बातचीत होगी वो इस मुद्दे को प्राथमिकता से उठाएंगे। विदेशमंत्री राणा ने पिछले साल नवंबर और दिसंबर में इस संबंध में इजराइल, मिस्र और कतर के विदेशमंत्रियों के साथ टेलीफोन पर बातचीत कर विपिन जोशी की रिहाई कराने का आग्रह किया था। हमास ने इजराइल पर हमला करने के दिन ही करीब 12 नेपाली नागरिकों की हत्या किए जाने के साथ ही कई नेपाली नागरिकों का अपहरण कर लिया गया था। मारे गए नेपाली नागरिकों अधिकतम छात्र थे। अब तक सैकड़ों नेपाली नागरिकों को सुरक्षित नेपाल लाया जा चुका है।

इजराइली पीएम नेतन्याहू ने ट्रंप से मुलाकात के बाद दिया गोल्डन पेजर गिफ्ट

येरूशलम, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

इजराइली पीएम ने अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के बाद नेतन्याहू ने ट्रंप को गोल्डन पेजर गिफ्ट किया है। नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से इस बात की पुष्टि की गई है कि गोल्डन पेजर तोहफे के तौर पर ट्रंप को भेंट किया। यह गिफ्ट लेबनान में हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजराइल के ऑपरेशन का प्रतीक है, जिसमें पेजर ब्लास्ट से हिज्बुल्लाह के कई आतंकियों को मार गिराया था।

लेबनान और सीरिया के सीमावर्ती इलाकों में पिछले साल सितंबर में पेजर्स में धमाके हुए थे। यह इलाके हिजबुल्लाह का गढ़ माना जाता है। इसके बाद लेबनान में वॉकी-टॉकी के अलावा सोलर पैनल और हैंड हेल्ड रेडियो में भी ब्लास्ट हुए थे। लेबनान के बेरूत समेत कई शहरों में घरों के सोलर सिस्टम में भी धमाके हुए थे। हिज्बुल्लाह द्वारा कम्युनिकेशन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पेजर्स में हुए धमाकों में 3000 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे और करीब 40 की मौत हो गई थी। घायलों में हिज्बुल्लाह के लड़ाके और स्वास्थ्यकर्मी भी थे। इस हमले में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी घायल हुए थे।

नेतन्याहू ने इसकी पुष्टि की थी कि उन्होंने ही सितंबर में लेबनान स्थित आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर पेजर हमले को मंजूरी दी थी, जिसमें करीब 40 लोग मारे गए और 3,000 से ज्यादा घायल हो गए थे।

इजराइल पर हमास के हमले के बाद से ही हिजबुल्लाह के शीर्ष नेतृत्व ने अपने लड़ाकों को कम्युनिकेशन के लिए मोबाइल या इंटरनेट के बजाए पेजर के इस्तेमाल करने का आदेश दिया था। इसके पीछे वजह थी कि इजराइली सेना और मोसाद लगातार हिजबुल्लाह के लड़ाकों की लोकेशन ट्रैक कर रहे थे। पेजर की खासियत यही है कि इसके इस्तेमाल से लोकेशन ट्रैक नहीं की जा सकती।

ब्रिटेन के राजकुमार ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नेपाल में ब्रिटिश गोरखा सिपाहियों को दिलाई शपथ

नेपाल के निजी भ्रमण पर आये ब्रिटेन के शाही राजकुमार ने पोखरा में ब्रिटिश गोरखा आर्मी के सिपाहियों को सनातन वैदिक परंपरा और मंत्रोच्चार के साथ शुक्रवार को शपथ ग्रहण दिलाई। इस वर्ष नेपाल के 274 गोरखा सैनिकों ने ब्रिटिश आर्मी में भर्ती प्रक्रिया पूरी की है। काठमांडू स्थित ब्रिटेन के दूतावास के मुताबिक नेपाल के एक सप्ताह दौरे पर ब्रिटेन के राजपरिवार के राजकुमार एडवर्ड पोखरा पहुंचे हैं। उन्होंने ब्रिटिश सेना में भर्ती के लिए चयनित हुए गोरखा बटालियन के सिपाहियों को आर्मी भर्ती कैंप पहुंचकर शपथ दिलाई। स्वस्ति वाचन के साथ शुरू हुए समारोह का समापन वैदिक मंत्रोच्चार और ध्वनि के साथ हुआ। यह पहली बार है जब ब्रिटेन के राजकुमार ने नेपाल में आकर ब्रिटिश गोरखा आर्मी में भर्ती हुए लोगों को शपथ दिलवाई। इस दौरान राजकुमारी डचेज सोफी भी मौजूद थीं।

बिलावल भुट्टो ने ट्रंप के कार्यक्रम में कहा- धर्म तोड़ता नहीं, जोड़ता है

वाशिंगटन, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में आयोजित नेशनल प्रेयर ब्रेकफास्ट कार्यक्रम में हिस्सा लेने पर गदगद हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कार्यक्रम में बिलावल ने भी विचार रखे। बिलावल ने इस कार्यक्रम को अंतरधार्मिक सद्भाव के लिए उत्कृष्ट अवसर बताया। उन्होंने कहा कि धर्म कभी तोड़ता नहीं। वह तो सिर्फ जोड़ता है।

बिलावल भुट्टो ने अपने एक्स हैंडल पर कार्यक्रम के कई फोटो साझा किए हैं। एक फोटो में ट्रंप कार्यक्रम को संबोधित करते दिख रहे हैं और नीचे बिलावल बैठे हैं। इस कार्यक्रम में बिलावल सहित दुनिया की प्रमुख हस्तियों ने हिस्सा लिया।

यह कार्यक्रम अमेरिकी समयानुसार सुबह सात बजे शुरू हुआ। बिलावल ने दोपहर लगभग 2 बजे सबसे आखिर में अपने विचार रखे। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल ने पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच सार्वजनिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि धर्म विभाजनकारी ताकत के बजाय एकजुट करने वाली ताकत है। उन्होंने इस अवसर पर अपने परिवार के बलिदान का भी जिक्र किया। अपनी मां पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या को याद करते वह भावुक हो गए।

बिलावल ने विभाजन के बजाय एकता को बढ़ावा देने में धर्म की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। वह हमें एकजुट करता है। उन्होंने कहा कि यीशु का सार्वभौमिक संदेश ईसाई धर्म और इस्लाम दोनों के लिए अभिन्न अंग है। बिलावल इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सोमवार को अमेरिका पहुंचे।

पनामा के राष्ट्रपति ने अमेरिकी दावे को किया खारिज, कहा- नहर पर युद्धपोतों के गुजरने पर कोई समझौता नहीं

मनीला, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी युद्धपोतों को पनामा नहर से बिना शुल्क गुजरने की अनुमति मिल गई है।

राष्ट्रपति मुलिनो ने स्पष्ट किया कि नहर से गुजरने की शर्तें पनामा सरकार और संबंधित प्राधिकरणों द्वारा तय की जाती हैं, और इस संबंध में कोई विशेष छूट या नया समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से इस विषय पर चर्चा की थी और स्पष्ट रूप से बताया था कि शुल्क में किसी तरह की छूट देना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में मुलिनो ने कहा, मैं अमेरिकी विदेश मंत्रालय के इस बयान की कड़ी निंदा करता हूं। यह दावा न केवल भ्रामक है, बल्कि पनामा की संप्रभुता पर भी प्रश्न उठाता है। उन्होंने वॉशिंगटन स्थित पनामा के राजदूत को निर्देश दिया है कि वे इस दावे का आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज कराएं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था कि सरकारी जहाज अब पनामा नहर से बिना किसी शुल्क के गुजर सकते हैं, जिससे अमेरिका को सालाना लाखों डॉलर की बचत होगी।

हालांकि, मुलिनो ने इस बयान पर आश्चर्य जताते हुए इसे बेबुनियाद और अस्वीकार्य करार दिया। उन्होंने कहा कि पनामा नहर का संचालन अंतरराष्ट्रीय संधियों और देश के कानूनों के तहत किया जाता है, और किसी भी बदलाव पर केवल पनामा सरकार का अधिकार है।

फिलहाल, अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से राष्ट्रपति मुलिनो के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वो एक अभिनेत्री है, पर यूनुस सरकार उससे कांप रही है, यही वजह है कि उसे कैद कर लिया

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम यूनुस सरकार इस वक्त काफी डरी हुई है। एक सामान्य सी लड़की से वो इतनी दहशत में आ गई कि उसे कैद करवा लिया। बांग्लादेश पुलिस ने अंतरिम सरकार की आलोचना करने के बाद अभिनेत्री मेहर अफ़रोज़ शॉन को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। उनके परिवार का घर जमालपुर में कुछ घंटे पहले ही जला दिया गया था। शॉन और उनके परिवार के संबंध अवामी लीग से हैं। डिटेक्टिव ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रेज़ाउल करीम मलिक ने ढाका ट्रिब्यून को बताया कि उन्हें गुरुवार रात धानमंडी में हिरासत में लिया गया। पुलिस का कहना है कि शाओन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की आलोचना की थी। उनकी गिरफ्तारी उनके परिवार के घर पर हमले और आगजनी के कुछ घंटे बाद हुई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जमालपुर सदर उपजिला के नोरुंडी रेलवे स्टेशन के पास छात्रों और स्थानीय निवासियों ने शाम 6 बजे के आसपास घर में आग लगा दी। यह घर उनके पिता, इंजीनियर मोहम्मद अली का था। मेहर अफरोज के पिता ने पिछले राष्ट्रीय चुनाव के लिए अवामी लीग का नामांकन मांगा था।

मैथियस बो ने किया विश्व पैडल लीग का दौरा भारत में इस खेल के विकास पर की चर्चा

मुंबई, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

मुंबई के नेस्को सेंटर में विश्व पैडल लीग के भारत में पदार्पण के साथ ही खेल प्रेमियों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। इस प्रतिष्ठित खेल बन गया। खुद एक नियमित पैडल खिलाड़ी, बो ने कहा, मैं भले ही शीर्ष पैडल खिलाड़ियों में शामिल नहीं हूं।

लेकिन मैंने रैकेट के साथ जन्म लिया है। यह खेल शुरुआती लोगों के लिए अपेक्षाकृत आसान है और यही कारण है कि यह इतनी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा, यह खेल विभिन्न खेलों का बेहतरीन संयोजन है। इसमें स्क्वैश की तरह ग्लास वॉल्स हैं, टेनिस के ग्राउंड स्ट्रोक्स हैं और बैडमिंटन की तरह ओवरहेड शॉट्स भी शामिल हैं। बैडमिंटन खिलाड़ियों को उनके स्मैशिंग और फुटवर्क कौशल से फायदा होता है, जबकि युगल मुकाबलों में टीमवर्क और संचार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

सात्विक-चिराग की सफलता में कोचिंग का योगदान - बो की कोचिंग में भारत की शीर्ष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने विश्व स्तर पर कई यादगार जीत दर्ज कीं। इनमें 2022 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक, 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, 2023 एशियाई खेलों में स्वर्ण और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

अपने कोचिंग अनुभव को साझा करते हुए बो ने कहा, एक खिलाड़ी के रूप में मेरी रणनीति मजबूत थी, इसलिए मैंने सात्विक और चिराग की गेम प्लानिंग को बेहतर बनाने में योगदान दिया। जब आप अपना पूरा जीवन किसी खेल को समर्पित कर देते हैं, तो कमजोरियों को पहचानना आसान हो जाता है। साथ ही, अलग-अलग व्यक्तित्व के खिलाड़ियों से संवाद स्थापित करना भी अहम होता है। चिराग मुंबई से है और सात्विक आंध्र प्रदेश से, जिससे उनकी सोच और व्यक्तित्व अलग-अलग हैं।

लीग चरण का समापन , फाइनल 8 फरवरी को - विश्व पैडल लीग के लीग चरण का समापन होगा। पहले मुकाबले में गेम चेंजर्स लायंस का सामना सोहेल खान एंटरटेनमेंट पैंथर्स से होगा, जबकि दूसरे मुकाबले में एसजी पाइपर्स चीता और वर्नोस्ट जगुआर आमने-सामने होंगे। ओवरऑल पॉइंट टेबल में शीर्ष दो टीमें 8 फरवरी को फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। विश्व पैडल लीग के इस रोमांचक आगाज ने भारत में इस खेल के उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं को और मजबूत कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए बीसीसीआई ने 1 मार्च को बुलाई विशेष आम बैठक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नए संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) बुलाई है। एसजीएम एक मार्च को मुंबई में होगी। पिछले महीने जय शाह की जगह देवजीत सैकिया के बीसीसीआई सचिव चुने जाने के बाद से संयुक्त सचिव का पद खाली है। बीसीसीआई संविधान के अनुसार, पद को 45 दिनों के भीतर भरना होगा। सचिव सैकिया की ओर से, बीसीसीआई स्टाफ सदस्य ने गुरुवार (6 फरवरी) शाम को एकल-आइटम एजेंडे के साथ राज्य संघों को एसजीएम नोटिस भेजा। नोटिस में कहा गया है कि चुनाव दोपहर 12 बजे मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होगा। आम तौर पर एसजीएम बुलाने के लिए 21 दिन के नोटिस की आवश्यकता होती है और बीसीसीआई ने वैधानिक आवश्यकता का पालन किया है। दो महीने से भी कम समय में यह दूसरी एसजीएम है। पिछला चुनाव 12 जनवरी को हुआ था जब आम सभा ने नए सचिव (सैकिया) और नए कोषाध्यक्ष (प्रभातेज सिंह भाटिया) को चुना था। दोनों को निर्विरोध चुना गया।

उत्तराखंड ने 38वें राष्ट्रीय खेल के पहले दिन ताइक्वांडो में जीते पांच पदक

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के ताइक्वांडो मुकाबलों का आगाज मिलम हॉल, मानसखंड खेल परिसर, हल्द्वानी में हुआ, जहां देशभर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। पहले दिन के रोमांचक क्योर्गी मुकाबलों में एथलीटों ने अपनी फुर्ती, ताकत और तकनीक का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदकों के लिए कड़ा संघर्ष किया। महिला क्योर्गी स्पर्धाओं में गुजरात की तविशा ककड़िया ने अंडर-46 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तराखंड की विशाखा साह ने रजत पदक हासिल किया। अंडर-57 किग्रा वर्ग में उत्तराखंड की पूजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, वहीं महाराष्ट्र की शिवानी लाला भिलारे ने रजत पदक जीता। अंडर-73 किग्रा वर्ग में चंडीगढ़ की इतिशा दास ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि तेलंगाना की पयम हर्षप्रधा ने रजत पदक प्राप्त किया। पुरुष क्योर्गी स्पर्धाओं में भी जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। अंडर-54 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के अंकित मेर ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंडर-68 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के ही नवीन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। अंडर-87 किग्रा वर्ग का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सर्विसेज के शशांक सिंह पटेल ने स्वर्ण पदक जीता। उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने कई श्रेणियों में प्रभावी प्रदर्शन कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राज्य के खिलाड़ियों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया और यह साबित किया कि उत्तराखंड में ताइक्वांडो खेल तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय खेल कर्नाटक की बादशाहत बरकरार, 56 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक की बादशाहत कायम है। राज्य ने कई स्पर्धाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 30 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 56 पदक हासिल किए हैं और पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इसके बाद सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड 28 स्वर्ण, 12 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 52 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। विभिन्न खेल श्रेणियों में उनके प्रभुत्व ने उन्हें शीर्ष स्थान के लिए करीबी मुकाबले में बनाए रखा है। महाराष्ट्र वर्तमान में 19 स्वर्ण, 36 रजत और 33 कांस्य सहित 88 पदकों की प्रभावशाली कुल संख्या के साथ तीसरे स्थान पर है, जो उन्हें अपने लगातार प्रदर्शन से एक मजबूत दावेदार बनाता है। मध्य प्रदेश ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 18 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य के साथ कुल 36 पदक हासिल किए हैं। इस बीच, हरियाणा ने 13 स्वर्ण, 20 रजत और 22 कांस्य सहित 55 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर रहते हुए एक मजबूत चुनौती पेश की है, जिससे कई खेल विषयों में एक पावरहाउस के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले अन्य राज्यों में तमिलनाडु (47 पदक), मणिपुर और दिल्ली (प्रत्येक में 29 पदक), और केरल (24 पदक) शामिल हैं।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक गीत किया लॉन्च, आतिफ असलम ने दी आवाज

दुबई, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आधिकारिक गीत जीतो बाजी खेल के के रिलीज़ की घोषणा की। इस गीत को प्रसिद्ध गायक आतिफ असलम ने गाया है और यह आगामी टूर्नामेंट को लेकर रोमांच को और बढ़ा देगा। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और यूएई में होगा, जिसमें कुल 15 मैच खेले जाएंगे। इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट से ठीक 12 दिन पहले इस आधिकारिक गीत को लॉन्च किया गया है, जो प्रशंसकों के उत्साह को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेगा।

पाकिस्तान की संस्कृति को दर्शाएगा गीत

इस आधिकारिक गीत को अब्दुल्ला सिद्दीकी ने निर्मित किया है, जबकि इसके बोल अदनान धूल और असफंदयार असद ने लिखे हैं। संगीत वीडियो में पाकिस्तान की गलियों, बाज़ारों और स्टेडियम की झलक देखने को मिलेगी, जो क्रिकेट के प्रति प्रेम और जोश को प्रदर्शित करता है।

आतिफ असलम ने क्रिकेट प्रेम को लेकर जताई खुशी

गीत का हिस्सा बनने पर आतिफ असलम ने कहा, मुझे क्रिकेट का बहुत शौक है और मैं हमेशा एक तेज़ गेंदबाज बनना चाहता था। खेल के प्रति मेरे जुनून और समझ के कारण, मैं प्रशंसकों के उत्साह को अच्छी तरह महसूस कर सकता हूं। खासतौर पर भारत-पाकिस्तान मुकाबलों का रोमांच हमेशा अलग होता है। इसीलिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आधिकारिक गीत का हिस्सा बनकर मैं बहुत उत्साहित हूं।

आईसीसी और पीसीबी ने जताई उम्मीदें

आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने गीत लॉन्च के मौके पर कहा, टूर्नामेंट शुरू होने में अब केवल 12 दिन बचे हैं और ऐसे में यह गीत चैंपियंस ट्रॉफी के जोश और पाकिस्तान की पहचान को बखूबी दर्शाएगा। हम प्रशंसकों से आग्रह करते हैं कि वे अभी टिकट खरीद लें ।

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के शानदार रंगारंग प्रस्तुति के साथ आगाज हुआ लीजेंड 90 क्रिकेट लीग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर के परसदा स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार की देर रात को लेजेंड 90 क्रिकेट लीग का आगाज हो चुका है। मैच से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने डांस व म्यूजिकल ग्रुप के साथ शानदार रंगारंग प्रस्तुति दी। स्टेडियम को दूधिया रोशनी से जगमगाते देख दर्शक काफी उत्साहित दिखे। उद्घाटन मैच में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स टीम ने दिल्ली रॉयल्स टीम को 5 विकेट से हराया। उद्घाटन मैच में सिने तारिका उर्वशी रौतेला शामिल हुई और शानदार परफॉर्मेंस दी जिसे देख दर्शक काफी उत्साहित दिखे । स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने अभिनेत्री के जलवा देखकर खुशी और आनंद से भरपूर दिखाई पड़े। वहीं स्टेडियम में सुरक्षा के काफी उम्दा इंतजाम किए गए थे। टूर्नामेंट की शुरुआत में उद्घाटन मैच दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला गया, 15 ओवर के मैच में छत्तीसगढ़ ने 5 विकेट से जीत हासिल की। इस मैच में पवन नेगी और गुरुकिरत सिंग मान ने अर्द्धशतकीय पारी खेली। शिखर धवन की कप्तानी में दिल्ली रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 7 विकेट पर 172 रन बनाए। इसमें दनिस्का गुणाथिलिका ने 33 गेंद में सर्वाधिक 73 रन और रोस टेलर ने नाबाद 39 रनों की पारी खेली। छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की ओर से कलीम खान ने 3 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट और सिद्धार्थ कौल ने 4 ओवर में 40 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

पाकिस्तान, न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला से पहले लाहौर पहुंची दक्षिण अफ्रीकी टीम

लाहौर, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ आगामी एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए शुक्रवार को लाहौर पहुंची।

पाकिस्तान क्रिकेट ने एक्स पर प्रोटियाज के आगमन का एक वीडियो साझा किया और लिखा, तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए लाहौर पहुंची।

बुधवार को, दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर ने श्रृंखला के पहले मैच के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें गेराल्ड कोएट्ज़ी भी शामिल हैं, जो चोट से उबर चुके हैं। कोएट्ज़ी ने 27 नवंबर, 2024 को दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका के खिलाफ चोट से पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना आखिरी मैच खेला था।

वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के शुरुआती मैच के लिए, दक्षिण अफ्रीका के पास देखने के लिए कई नए विकल्प हैं, जिसमें बावुमा की अगुवाई वाली टीम में छह अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। मीका-ईल प्रिंस, गिदोन पीटर्स, ईथन बॉश और मिहाली मपोंगवाना सभी ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई मैच नहीं खेला है, जबकि मैथ्यू ब्रीट्ज़के पहले ही टेस्ट और टी20आई में शामिल हो चुके हैं और सेनुरन मुथुसामी ने प्रोटियाज के लिए चार टेस्ट खेले हैं।

दक्षिण अफ्रीका में चल रही एसए20 लीग के समापन के बाद श्रृंखला के शेष भाग के लिए टीम को अपडेट किया जाएगा, जिसमें केशव महाराज और हेनरिक क्लासेन जैसे खिलाड़ी श्रृंखला के दूसरे गेम से उपलब्ध होंगे।

त्रिकोणीय श्रृंखला की शुरुआत 8 फरवरी को गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच से होगी। इसके बाद कीवी टीम 10 फरवरी को एक दिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। पहले दो मैचों के समापन के बाद, वनडे मैच रावलपिंडी से कराची में खेले जाएंगे, जहां मेन इन ग्रीन 12 फरवरी को एक दिन/रात के मैच में प्रोटियाज से भिड़ेगी।

एफआईएस अल्पाइन विश्व स्की चैंपियनशिप

ऑस्ट्रिया में एफआईएस अल्पाइन विश्व स्की चैंपियनशिप में महिलाओं के सुपर जी वर्ग में स्टीफेनी वेनियर ने स्वर्ण जीता।

अबू धाबी टी10 लीग का सातवां संस्करण 18 नवंबर से

अबू धाबी, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

अबू धाबी टी10 लीग के सातवें संस्करण का आयोजन 18 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक अबू धाबी के प्रतिष्ठित शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। अबू धाबी क्रिकेट एंड स्पोर्ट्स हब के सीईओ मैट बाउचर ने टूर्नामेंट की तारीखों की पुष्टि करते हुए कहा, हम अबू धाबी टी10 के 2025 संस्करण की घोषणा करके उत्साहित हैं। अबू धाबी स्पोर्ट्स काउंसिल और संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी के तहत, हमने 2019 में इस टूर्नामेंट को विकसित करने और अबू धाबी को वैश्विक खेल मानचित्र पर और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

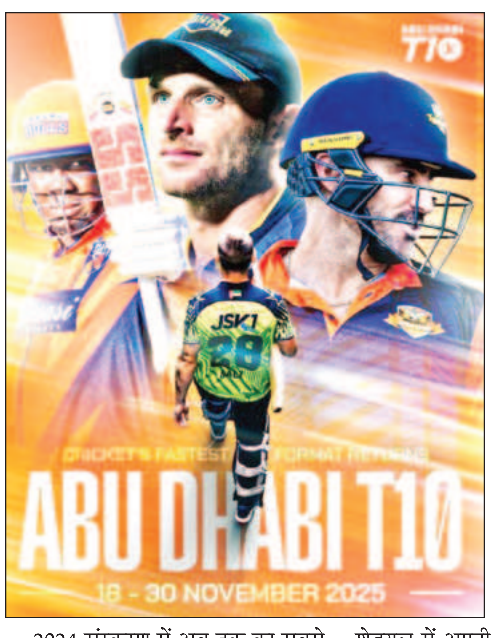

2024 संस्करण में अब तक का सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी समूह और दर्शकों की शानदार भागीदारी देखने को मिली। उन्होंने आगे कहा कि टूर्नामेंट में लगातार नवाचार लाने और अबू धाबी को एक विश्व स्तरीय खेल गंतव्य के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया जाएगा। टी10 ग्लोबल के चेयरमैन शाजी उल मुल्क ने भी 2025 संस्करण को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, अबू धाबी टी10 क्रिकेट और मनोरंजन का अनूठा मिश्रण है। यह टूर्नामेंट 10 टीमों तक विस्तारित हो चुका है और अबू धाबी में अपनी शुरुआत के बाद से यूएई क्रिकेट कैलेंडर की एक महत्वपूर्ण स्थिरता बन गया है। यह स्थानीय खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है।

टी10 लीग ने पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक क्रिकेट शेड्यूल में अपनी अलग पहचान बनाई है और 2025 का संस्करण फिर से इस तेज़तर्रार प्रारूप की रोमांचक प्रकृति को प्रदर्शित करेगा। टूर्नामेंट न केवल प्रशंसकों के लिए मनोरंजक रहेगा, बल्कि यूएई के क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी देगा।

भारतीय एथलीटों ने मोटापे के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी की मुहिम को दिया समर्थन

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय एथलीट और फिटनेस इन्फ्लुएंसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटापे के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम का समर्थन करने के लिए आगे आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यह आह्वान देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों 2025 के उद्घाटन समारोह में किया था, जिसमें उन्होंने फिटनेस और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की बात कही थी।

हॉकी स्टार पीआर श्रीजेश ने दिया आहार जागरूकता पर जोर

भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अच्छा खाना स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर पहला कदम है। आइए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर फिट फूड इंडिया को अपनी जीवनशैली बनाएं।

मनिका बत्रा ने फिट फूड इंडिया को अपनाने की अपील की

टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने भी संतुलित आहार के महत्व को रेखांकित करते हुए लिखा, हम जो खाना खाते हैं, वह हमारे स्वास्थ्य को आकार देता है। आइए, पौष्टिक विकल्पों के लिए प्रतिबद्ध हों और फिट फूड इंडिया को अपनी जीवनशैली में शामिल करें, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के फिटर इंडिया मिशन में योगदान दिया जा सके।

एमएमए चैंपियन संग्राम सिंह ने फिटनेस अपनाने की कही बात

फिट इंडिया आइकन और एमएमए चैंपियन संग्राम सिंह ने भी इस अभियान का समर्थन करते हुए एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, मानव शरीर के लिए सबसे जरूरी चीज है अच्छा खाना और फिट रहना। हमारे प्रधानमंत्री ने सभी से यही आग्रह किया है और हमें मोटापे से लड़ना चाहिए। जीवन के अंत में, धन और विलासिता मायने नहीं रखते - केवल हमारा शरीर ही हमें आगे ले जाएगा। आइए, हम खुद को स्वस्थ बनाएं और देश को आगे ले जाएं।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल को मिला समर्थन

प्रधानमंत्री मोदी के इस आह्वान को समर्थन देते हुए पिछले रविवार को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल आयोजित की गई। इस अभियान में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने 250 से अधिक डॉक्टरों और पोषण विशेषज्ञों के एक समूह का नेतृत्व किया, जिन्होंने भारत में मोटापे के खिलाफ इस लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान मोटापे के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त की और लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। उनके इस संदेश के बाद फिटनेस जगत के दिग्गजों का समर्थन मिलने से यह अभियान और अधिक प्रभावी होता जा रहा है।

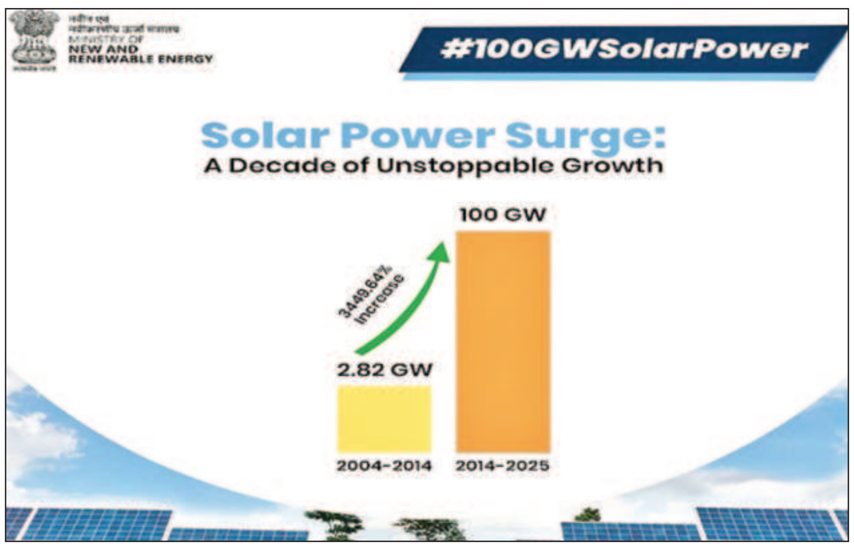

भारत ने हासिल की 100 गीगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता हासिल किया है, जो एक मील का पत्थर है। जोश ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के देश के लक्ष्य को भी रेखांकित किया।

जोशी ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने 100 गीगावाट सौर क्षमता हासिल किया है। ये उपलब्धि स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता से प्रेरित है। इससे अक्षय ऊर्जा में वैश्विक नेता के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय उपलब्धि स्वच्छ, हरित भविष्य के लिए देश की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में भारत की ऊर्जा यात्रा ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही है। इससे पहले भारत ने 2022 तक 100 गीगावाट सौर ऊर्जा सहित 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की योजना बनाई थी। हालांकि, कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन लगने की वजह से इसे हासिल नहीं किया जा सका।

उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के शासन के दौरान 2004-14 के दौरान 2.82 गीगावाट सौर क्षमता जोड़ी थी, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 2014 से 2025 के कार्यकाल में 100 गीगावाट सौर क्षमता जोड़ी गई है। सौर पैनल, सौर पार्क और रूफटॉप सौर परियोजनाओं जैसी पहलों ने क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत न केवल आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि दुनिया को नई राह भी दिखा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सोने की कीमत में तेजी जारी, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने की कीमत मे तेजी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी की कीमत में मामूली गिरावट नजर आ रही है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये से लेकर 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,310 रुपये से लेकर 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में 200 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नए आयकर विधेयक को मिल सकती है कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। देश में आयकर से जुड़े नियमों में करीब छह दशक के बाद बदलाव होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बहु प्रतीक्षित नए आयकर विधेयक 2025 को मंजूरी दी जा सकती है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे सोमवार को संसद में पेश किया जा सकता है। विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हो सकते हैं, जो आयकर में किसी तरह की राहत के लिए बजट का इंतजार करने या आयकर अधिनियम में संशोधन करने की जरूरत को खत्म कर सकते हैं।

रतन टाटा की वसीयत में शामिल है मोहिनी मोहन दत्ता

नई दिल्ली। टाटा समूह के दिग्गज दिवंगत रतन टाटा की वसीयत एक बार फिर सुर्खियों में है। टाटा की वसीयत में एक नाम ने सभी को चौंका दिया है। इस नाम के पीछे है एक महान कहानी, जिसे जानकर सभी हैरान हो रहे हैं। मोहिनी मोहन दत्ता जो कि जमशेदपुर के एक करोबारी हैं, रतन टाटा की वसीयत में शामिल हैं। इनकी उम्र अब 80 साल से अधिक हो गई है, लेकिन इनका नाम एक अहम भूमिका निभा चुका है रतन टाटा की जिंदगी में। दत्ता की पहली मुलाकात रतन टाटा से 1960 के दशक में हुई थी, जब वे केवल 24 साल के थे। उनका संबंध पहले टाटा स्टील में काम करने से शुरू हुआ था। दत्ता ने अपना करियर ताज ग्रुप के साथ शुरू किया और फिर अपनी खुद की उद्यमिता से स्टैलियन ट्रैवल एजेंसी खोली। जब ताज ग्रुप ऑफ होटल्स के साथ इसका विलय हुआ, तो उनके पास व्यवसाय में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी थी।

रेपो रेट में कटौती के बाद लाला निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 198 अंक टूटा

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बावजूद शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। यह शेयर बाजार में लगातार तीसरा दिन गिरावट रहा। इस तरह कारोबारी सप्ताह का समापन नकारात्मक दायरे में हुआ। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 197.97 अंक यानी 0.25 फीसदी टूटकर 77,860.19 पर बंद हुआ है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 43.40 अंक यानी 0.18 फीसदी फिसलकर 23,559.95 पर बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 13 शेयर में तेजी दिखी, जबकि 17 शेयरों में गिरावट रही है। वहीं, निफ्टी के 28 शेयरों में तेजी और 23 शेयरों में गिरावट रही।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईटीसी के शेयर में दो फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावरग्रिड के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, टाटा स्टील के शेयर में चार फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई। भारती एयरटेल का शेयर भी 4 फीसदी की उछाल दर्ज करने में सफल रहा। इसके अलावा जोमैटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और टेक महिंद्रा के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। उल्लेखनीय है कि बीएसई का सेंसेक्स एक दिन पहले गुरुवार को 213.12 अंक टूटकर 78,058.16 अंक पर बंद हुआ था, जबकि एनएसई का निफ्टी भी 92.95 अंक फिसलकर 23,603.35 अंक पर बंद हुआ था।

रेपो रेट में कटौती से ईएमआई होगी सस्ती, मध्यम वर्ग को एक और राहत

मुंबई/नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती किए जाने का मध्यम वर्ग को लाभ मिलेगा। इससे मासिक किस्तों (ईएमआई) पर पड़ेगा। रेपो रेट में कटौती की घोषणा के बाद आम आदमी को होम लोन, वाहन लोन, पसर्नल लोन की ईएमआई में राहत मिल सकती है। रेपो रेट में यह कटौती पांच साल के अंतराल के बाद की गई है। पिछली कटौती मई, 2020 में हुई थी। आर्थिक क्षेत्र के अनुसार आयकर की सीमा 12 लाख रुपए तक करने के बाद इससे मध्यम वर्ग को और लाभ मिलेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को रेपो रेट में कटौती के फैसले का ऐलान किया।

मौद्रिक नीति की घोषणा की जिसकी मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:-

- -रेपो रेट (अल्पकालिक उधार दर) 0.25 फीसदी घटाकर 6.50 से 6.25 फीसदी की गई।
- -'तटस्थ' मौद्रिक नीति रुख जारी रहेगा।
- -अगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है।
- -वित्त वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति (महंगाई दर) घटकर 4.2 फीसदी पर आने का अनुमान जताया गया है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी 4.8 फीसदी रहने की संभावना है।
- -खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।
- -मुख्य मुद्रास्फीति में वृद्धि की उम्मीद, लेकिन यह मध्यम रहेगी।

मध्य प्रदेश के प्रियॉरिटी सेक्टर में 3.13 लाख करोड़ की ऋण की उम्मीद : नाबार्ड

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)
NATIONAL BANK FOR AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT
NABARD

नई दिल्ली, 07 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश में प्राथमिक सेक्टर में 3.13 लाख करोड़ रुपये की ऋण क्षमता का आकलन प्रस्तुत किया है। यह राशि पिछले वर्ष की 2.85 लाख करोड़ रुपये से लगभग 10 फीसदी अधिक है। नाबार्ड द्वारा राजधानी भोपाल में आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार में प्रस्तुत किए गए स्टेट फोकस पेपर के अनुसार 3.13 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित ऋण क्षमता में सबसे अधिक 1.79 लाख करोड़ रुपये का ऋण कृषि क्षेत्र को, 1.15 लाख करोड़ रुपये का ऋण पेश किया गया है।

सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रम (एमएसएमई) तथा 0.18 लाख करोड़ रुपये का ऋण अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को देने का अनुमान पेश किया गया है। सेमिनार को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण विकास कार्यों में नाबार्ड के योगदान की सराहना करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हर प्रदेश को अपना योगदान देना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य मध्य प्रदेश इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहा है और इसमें नाबार्ड जैसी संस्थाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों का आह्वान करते हुए आग्रह किया कि उन्हें अपनी ऋण नीतियों को ऋण प्राथमिकताओं के साथ सुसंगत बनाना चाहिए ताकि किसानों, उद्यमियों और ग्रामीण उपक्रमों को अबाध ऋण मिल सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश में...

इस बीच मोहम्मद यूनुस की पुलिस और बांग्लादेशी सेना मूकदर्शक बनी खड़ी रही। उसने इन आताताइयों को रोकने की एक भी कोशिश नहीं की।

इस घर के अलावा शेख हसीना के खुद के घर 'सुधा सदन' को भी जमींदोज कर दिया गया। बांग्लादेश में आवामी लीग के कई कार्यालय भी जला और तोड़ दिए गए गए। इस पूरे काम में पुलिस चुप रही। यहाँ तक कि शेख हसीना के रिश्तेदारों तक के घरों को भी नहीं छोड़ा गया।मोहम्मद यूनुस ने भी इस ऐतिहासिक इमारत को ढहाने जाने की आल- ोचना की लेकिन इस कृत्य का जिम्मेदार शेख हसीना को ही ठहरा दिया। यूनुस सरकार ने बांग्लादेश में हो रही हिंसा की आलोचना करने वाली अभिनेत्री मेहर अफरोज को भी गिरफ्तार कर लिया। उन पर देशद्रोह का आर- ोप लगाया गया।अफरोज की माँ दो बार शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से सांसद रही है जबक उनके पिता भी एक बार चुनाव लड़ चुके हैं। उनके घर को भी सिलहट में 'धानमंडी 32' की तरह ही जला और तोड़ दिया गया। उनको अभी जेल में रखा गया है।

आरबीआई ने ...

रेपो दर करीब दो साल से 6.50 प्रतिशत पर स्थिर थी।पूर्व गवर्नर शक्तिकान्त दास का स्थान लेने वाले मल्होत्रा ने अगले वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है जबकि मुद्रास्फीति 4.2 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी है।आरबीआई ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए सरकार के 6.4 प्रतिशत के अनुमान को बरकरार रखा है। यह चार साल का निचला स्तर है। वहीं मुद्रास्फीति 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा गया है।

मल्होत्रा ने नीतिगत दर में कटौती का कारण बताते हुए कहा, महंगाई में गिरावट आई है। खाद्य पदार्थों को लेकर अनुकूल स्थिति और पिछली मौद्रिक नीति समीक्षाओं में में उठाये गये कदमों का असर जारी है। इससे 2025-26 में इसके और नरम होने की उम्मीद है तथा धीरे-धीरे यह चार प्रतिशत के लक्ष्य के आसपास आएगी।

एमपीसी ने कहा, हालांकि, वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर में निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गयी जो पिछले दो साल की तुलना में सबसे कम वृद्धि है। इसके बावजूद मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप लाने के साथ वृद्धि-मुद्रास्फीति की स्थिति ने मौद्रिक नीति समिति के लिए वृद्धि को बढ़ावा देने को लेकर नीतिगत दर में कमी की गुंजाइश बनाई है।खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी थी लेकिन दिसंबर में यह घटकर 5.22 प्रतिशत पर रही। नवंबर में यह 5.48 प्रतिशत पर रही थी।मल्होत्रा ने कहा, मौजूदा वृद्धि-मुद्रास्फीति की स्थिति को ध्यान में रखते हुए एमपीसी ने तटस्थ रुख बनाये रखने का निर्णय किया। समिति का मानना है कि मौजूदा समय में कम प्रतिबंध वाली मौद्रिक नीति अधिक उपयुक्त है। एमपीसी अगली बैठकों में वृहद आर्थिक दृष्टिकोण के आकलन के आधार पर निर्णय लेगी।''उन्होंने कहा कि आरबीआई अनुकूल वृहद आर्थिक स्थिति को लेकर सूझबूझ के साथ मौद्रिक नीति को लेकर प्रतिबद्ध है, ताकि मूल्य स्थिरता, निरंतर आर्थिक वृद्धि और वित्तीय स्थिरता को मजबूत किया जा सके।आरबीआई के निर्णय पर डीबीएस बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री राधिका राव ने कहा कि मुद्रास्फीति लक्ष्य को लेकर लचीलेपन पर जोर देने से पता चलता है कि एमपीसी समय-समय पर मामूली आपूर्ति आधारित अस्थिरता के प्रति थोड़ी नरम हो सकती है।उन्होंने कहा, इसके साथ आरबीआई उन देशों के केंद्रीय बैंकों में शामिल हो गया है, जिन्होंने वैश्विक कारकों के कारण अपनी मुद्रा और बॉन्ड बाजारों में अस्थिरता को देखते हुए घरेलू प्राथमिकताओं को अधिक महत्व दिया है। साथ ही एमपीसी ने तटस्थ रुख बनाए रखते हुए एक स्पष्ट नरम संकेत से परहेज किया है।उन्होंने कहा, हम अप्रैल में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की और कटौती के अपने अनुमान पर कायम हैं।

मौद्रिक नीति समिति की अगली द्विमासिक बैठक सात से नौ अप्रैल को होगी।

दिल्ली से लेकर ...

बॉम्ब स्काड, फायर ब्रिगेड, डॉग स्काड, बीडीडीएस टीम तत्काल एक्टिव होकर जाँच में जुट गई। जिसके बाद जांच में कुछ नहीं मिला और ई-मेल का फर्जी होना पाया गया है। हालांकि साइबर टीम द्वारा ई-मेल के संबंध में जांच जारी है।बता दें कि यह पहला मामला नहीं है जब स्कूलों और कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई हो।इससे पहले भी पिछले साल अप्रैल माह में राजधानी के कई प्रतिष्ठित स्कूलों को इसी तरह की धमकी भरे ई-मेल मिले थे। उस समय भी पुलिस और बम निरोधक दस्ता अलर्ट हो गया था और सभी स्कूलों की सघन तलाशी ली गई थी अंततः ये धमकियां फर्जी निकलीं।इसी तरह 2023 में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), साउथ दिल्ली के कई स्कूलों, और इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल को भी ई-मेल के जरिए बम धमकी दी गई थी। इन मामलों में जांच के दौरान यह सामने आया था कि कुछ शरारती तत्वों ने दहशत फैलाने के लिए ऐसा किया था।पुलिस ने अभिभावकों और आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि हर संभावित खतरे को गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि जांच पूरी होने तक सुरक्षा मापदंडों का पूरी तरह पालन किया जाएगा और यदि यह किसी की शरारत निकली, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।बता दें कि इस तरह की घटनाओं से न केवल शिक्षण कार्य बाधित होता है, बल्कि सुरक्षा को लेकर भी अनावश्यक तनाव बढ़ता है। इस तरह की धमकियों से ना केवल छात्र और अभिभावक परेशान होते हैं बल्कि और स्कूल प्रशासन भी चिंता में पड़ जाता है, और इसी वजह से शिक्षा भी प्रभावित होती है।

पीएम मोदी की...

विदेश सचिव मिस्री ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध काफी मजबूत हुए हैं। यह यात्रा भारत-अमेरिका साझेदारी को और आगे बढ़ाने का एक प्रयास है। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2017 और 2019 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका का दौरा किया था और ट्रंप के दोबारा चुने जाने के बाद उन्हें सबसे पहले बधाई देने वाले नेत- ाओं में शामिल थे। प्रधानमंत्री ने ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद उन्हें फोन कर जल्द मुलाकात की इच्छा जताई थी, जो अब पूरी हो रही है।विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पिछले महीने वाशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था और वहां नए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की थी। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका के नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज से भी मुलाकात की, जो पहले अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य रह चुके हैं।गुरुवार शाम को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के नए रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के बीच भी पहली फोन वार्ता हुई। इस बातचीत में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति बनाए रखने पर चर्चा की।अमेरिकी रक्षा विभाग ने इस वार्ता को लेकर एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि दोनों देशों ने रक्षा तकनीक और औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है।इसके अलावा, अमेरिका और भारत इस साल होने वाले 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद की तैयारियों और अगले 10 वर्षों के लिए रक्षा सहयोग के नए ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए काम करेंगे।

अमेरिका से और...

और इन व्यक्तियों से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ काम कर रही है।अमेरिका से अवैध भारतीय अप्रवासियों के निर्वासन पर मिस्री ने कहा कि ईएएम द्वारा प्रतिबंधों के उपयोग से संबंधित मानक संचालन प्रक्रिया का विवरण, जो आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन सहित अमेरिकी अधिकारियों द्वारा हमें सूचित किया गया है। विदेश मंत्री ने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि ये लंबे समय से चलन में हैं। निर्वासित लोगों के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों के बारे में मिस्री ने इसे वैध चिंता बताते हुए कहा कि भारत सरकार अमेरिकी अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को उठाएगी। हम अपने ध्यान में आने वाले दुर्व्यवहार के किसी भी मामले को उठाना जारी रखेंगे। अवैध आप्रवासन को बढ़ावा देने वाले अंतर्निहित पारिस्थितिकी तंत्र के खिलाफ पूरे सिस्टम में कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

दिल्ली चुनाव...

अगर बीजेपी को 55 से ज्यादा सीटें मिल रही हैं, तो फिर हमारे उम्मीदवारों को फोन करने की क्या जरूरत है?आपा संयोजक ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने फर्जी सर्वे करवाकर माहौल बनाने की साजिश रची है, ताकि आपा के उम्मीदवारों को तोड़ा जा सके। उन्होंने कहा- हमारा एक भी उम्मीदवार बीजेपी में नहीं जाएगा।वहीं भाजपा इस पूरे मामले को लेकर आक्रमक नजर आई, बीजेपी ने इस मामले को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखा और केजरीवाल व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की मांग की। बीजेपी का आरोप है कि केजरीवाल झूठी और भ्रामक जानकारी फैला रहे हैं, जिससे दिल्ली में अराजकता और अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसके अलावा बीजेपी ने इस पूरे मामले की जाँच आपा से कराने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।वहीं मामला संज्ञान में आने के बाद से ही उपराज्यपाल ने इस मामले में जांच के निर्देश दे दिए हैं।

क्या होगी आगे की कार्रवाई..?

बता दें अब इस पूरे मामले की जांच एंटी करप्शन ब्यूरो यानि आपा करेगी और यह पता लगाया जायेगा कि क्या वाकई आपा विधायकों को बीजेपी की ओर से पार्टी बदलने के लिए पैसों का ऑफर दिया गया था, या यह केवल एक राजनीतिक स्टंट या कहें बयानबाजी है।

हिन्दू घटा ...

प्रांत को भी नशे से मुक्त बनाने के लिए वह बजरंग दल दुर्गा वाहिनी व अन्य संगठनों का सहयोग करें। साथ ही विहिप ने विभिन्न सरकारों से भी मांग की कि वे नशे के व्यापार में लिप्त माफियाओं और आतंकियों के गठजोड़ पर अंकुश लगे व कठोर कानून बनाकर इस पर पूर्ण रोक लगाने का प्रयास करें। विहिप ने संकल्प लिया है कि वह अपनी लाखों इकाइयों, सत्संग व संस्कार शालाओं और सत्संग केंद्रों के माध्यम से इन सब विषयों पर जन जागरण करेगी और युवा शक्ति को इन प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाने का आह्वान करेगी।

पालतू पशुओं को पालने से आती हैं सुख-समृद्धि
बड़े-से-बड़ा संकट हो जाता हैं दूर

कई लोग अपने घर में पालतू पशु पालने के शौकीन होते हैं, तो कई लोग अपना अकेलापन दूर करने के लिए भी पशु पालते हैं। पेट्स को घर के एक सदस्य की तरह ही प्यार और देखभाल भी मिलती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि वास्तु के अनुसार कौन-से जानवर पालना आपके घर में सुख-समृद्धि लेकर आता है।

खुलते हैं धन आगमन के रास्ते

वास्तु के अनुसार, बिल्ली पालना शुभ होता है। वास्तु मान्यताओं के मुताबिक बिल्ली आपके लिए सौभाग्य लेकर आती है। गोल्डन रंग की बिल्ली पालना अधिक शुभ माना गया है। यह आपके लिए धन आगमन के मार्ग खोलती है।

साथ ही यह भी कहा जाता है कि बिल्ली व्यक्ति को काले जादू के प्रभाव से बचाती है। इसी के साथ घर में काला कुत्ता पालना भी शुभ माना गया है, क्योंकि इससे घर के कई संकट दूर हो जाते हैं।

जरूर रखें इस बात का ख्याल

वास्तु अनुसार के अनुसार, घर में तोता पालना भी काफी शुभ माना जाता है। इसका घर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जिससे घर-परिवार में खुशहाली आती है। तोते को हमेशा घर की उत्तर या फिर पूर्व दिशा में रखना चाहिए।

इससे आपको काफी लाभ देखने को मिल सकता है। इसी के साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि सुख-समृद्धि तभी आती है, जब आपका तोता खुश रहे। मान्यताओं के अनुसार, जिस घर में तोता खुश नहीं रहता, वहां नकारात्मक प्रभाव बढ़ने लगता है।

शुभ हैं ये जानवर

आपने कई लोगों को मछली पालते हुए भी देखा होगा। यह देखने में जितनी सुंदर लगती हैं, वास्तु में इन्हें उतना ही शुभ भी माना गया है। घर में मछली पालने से व्यक्ति कि सौभाग्य और समृद्धि दोनों में ही वृद्धि के योग बनने लगते हैं। इसी के साथ वास्तु शास्त्र में घर में कछुआ पालना भी काफी शुभ माना गया है। इससे साधक के रुके हुए काम जल्द पूरे होने लगते हैं।

घर आएगी सुख-समृद्धि

वास्तु के अनुसार भी घर में गाय पालने से देवी-देवताओं की कृपा आपके ऊपर सदैव बनी रहती है। अगर आपके लिए घर में गाय पालना संभव नहीं है, तो इसकी जगह आप गाय की सेवा में भी अपना योगदान दे सकते हैं। सुख-समृद्धि के लिए रोजाना गाय को रोटी या हरा चारा जरूर खिलाएं।

शनिवार को करें इन मंत्रों का जाप
शनिदोष का प्रभाव होगा कम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शनि देव न्याय के देवता कहलाते हैं। साथ ही वह कर्मफल दाता भी हैं, क्योंकि शनि देव लोगों को उनके कर्मों के लिए फल प्रदान करते हैं। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि शनि देव की दया दृष्टि आपके ऊपर बनी रहे, तो इसके लिए आप शनिवार के दिन शनिदेव के मंत्रों का जप कर सकते हैं।

जरूर करें ये काम

शनिवार के दिन सुबह उठकर स्नान आदि करने के बाद काले रंग के वस्त्र धारण करें। इसके बाद किसी शनि मंदिर में जाकर तिल या सरसों के तेल का दान करें। शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा के दौरान उनके मंत्रों का जप भी जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।

इसी के साथ अधिक लाभ पाने के लिए शनि चालीसा का पाठ भी एक बेहतर विकल्प है। इसी के साथ पीपल के पेड़ पर शनिवार की शाम को सरसों के तेल का दीपक भी जरूर जलाएं। ऐसा करने से शनिदशा का प्रभाव कम हो सकता है।

शनि देव के मंत्र

1. ऊँ शं शनैश्चाराय नमः।
2. ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः।
3. ॐ नीलाजंन समाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छाया मार्तण्ड सम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
4. ऊँ शन्नो देवीरभिष्टडआपो भवन्तुपीतये।
5. ऊँ भगभवाय विद्महैं मृत्युरुपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोद्यात्।
6. ऊँ श्रां श्रीं श्रूं शनैश्चाराय नमः।
ऊँ हलृशं शनिदेवाय नमः।
ऊँ एं हलृ श्रीं शनैश्चाराय नमः।
7. अपराधसहस्त्राणि क्रियन्तेहर्निशं मया।
दासोयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वर।।
गतं पापं गतं दु: खं गतं दारिद्रय मेव च।
आगता: सुख-संपत्ति पुण्योहं तव दर्शनात्।।

इन चीजों पर कभी न करें घमंड, वरना रुक जाएगी आपकी तरक्की

भगवत गीता में युद्ध भूमि में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए ज्ञान का वर्णन मिलता है। यह ज्ञान उस समय अर्जुन के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ था और आज के समय में व्यक्ति मात्र के लिए प्रेरणा का काम कर रहा है। गीता के अनुसार, व्यक्ति को अपनी किन चीजों पर घमंड नहीं करना चाहिए, वरना वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ सकता।

कभी नहीं होती उन्नति

कई लोग अपने ज्ञान पर घमंड कर बैठते हैं। गीता में श्री कृष्ण कहते हैं कि ज्ञान हमेशा विनम्रता के साथ आता है। ऐसे में व्यक्ति को कभी भी अपने ज्ञान पर घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने पर ज्ञान ज्यादा दिनों तक नहीं टिकता। ज्ञान पर घमंड करने वाला व्यक्ति कभी अपने क्षेत्र में उन्नति नहीं कर सकता।

घमंड बन सकता है मुसीबत

कुछ लोगों को अपने धन पर भी घमंड होता है और इसके जरिए वह दूसरे लोगों को नीचा दिखाने की कोशिश भी करते हैं। लेकिन इस विषय में गीता में कहा गया है कि ऐसा करने वाला व्यक्ति कभी सुखी नहीं रहता। क्योंकि धन हमेशा किसी के पास नहीं रुकता। आज अगर आपके पास ज्यादा धन है, तो कल किसी और के पास होगा। इसलिए इस बात का खासतौर से ध्यान रखें।

जीवन भर नहीं रहता ये गुण

सुंदरता जीवन भर आपका साथ नहीं देती, इसलिए इसपर घमंड करना बेकार है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण कहते हैं कि व्यक्ति को कभी अपनी सुंदरता पर घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि बाहरी सुंदरता किसी को भी केवल कुछ समय के लिए ही प्रभावित कर सकती है। वहीं अगर आपका मन सुंदर है, तो इसका प्रभाव दूसरों पर जीवनभर के लिए पड़ता है।

प्रदोष व्रत पर इन चीजों से करें शिव जी का अभिषेक, खुल जाएगी बंद किस्मत

प्रदोष व्रत का हिंदुओं के बीच बहुत ज्यादा मान्यता है। यह दिन पूरी तरह से भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा के लिए समर्पित है। इस पवित्र दिन पर भक्त व्रत रखते हैं और पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन का उपवास रखने से सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। साथ ही जन्मों जन्म के पापों का नाश होता है। वहीं, इस दिन भगवान शिव के अभिषेक का भी बहुत ज्यादा महत्व है, तो राशि अनुसार किन चीजों से भोलेनाथ का अभिषेक करना है उसके बारे में जानते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार यह व्रत 9 फरवरी को रखा जाएगा।

इन खास चीजों से करें शिव जी का अभिषेक

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को प्रदोष व्रत पर भगवान शिव का गुड़ मिश्रित जल से अभिषेक करना चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस पावन तिथि पर शिव जी का पंचामृत से अभिषेक करना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस तिथि पर भोलेनाथ का गंगाजल से अभिषेक करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को इस शुभ मौके पर शिव जी का दही से अभिषेक करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस तिथि पर भगवान शंकर का गन्ने के रस से अभिषेक करना चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस दिन देवों के देव महादेव का गाय के दूध से अभिषेक करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को भगवान शंकर का शहद से अभिषेक करना चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस अवसर पर महादेव का शुद्ध जल से अभिषेक करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस दिन शिव जी का कच्चे दूध से अभिषेक करना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को इस तिथि पर भगवान शिव का तिल के तेल से अभिषेक करना चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस दिन शिव जी का जल में काले तिल मिलाकर अभिषेक करना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस दिन भगवान शिव का दही से अभिषेक करना चाहिए।

आज जया एकादशी

जया एकादशी - शनिवार, 8 फरवरी 2025
पारण का समय - 07:09 से 09:24, 9 फरवरी 2025
पारण के दिन द्वादशी समाप्त होने का समय - 19:25
एकादशी तिथि प्रारम्भ - 7 फरवरी 2025 को 21:26 बजे
एकादशी तिथि समाप्त - 8 फरवरी 2025 को 20:15 बजे

तिथि को लेकर अक्सर लोग परेशान हो जाते हैं क्योंकि एक तो तिथि शुरू होने और समाप्त होने का कोई निश्चित समय नहीं होता है, तो दूसरा तिथियों में कमी-बढ़ोतरी होती रहती हैं। कौन सी तिथि मानी जाए, खासकर व्रत-त्योहार को लेकर, इस पर मतैक्य नहीं रहता है।

देश में कम-से-कम दो अलग तरह के पंचांग प्रचलन में हैं जिनमें महीने के सापेक्ष एक पक्ष तो कॉमन रहता है लेकिन दूसरे पक्ष का महीना अलग-अलग रहता है। एक पंचांग का महीना अमावस समाप्त होने के बाद शुरू होता है तो दूसरे पंचांग का वही महीना पूर्णिमा समाप्त होने के बाद शुरू होता है।

तिथियों में, कोई सूर्योदय के समय जो तिथि प्रभावी हो उसे मानता है तो कोई दिनभर में जो तिथि प्रभावी हो उसे मानता है। कौन सी तिथि पर व्रत पूजा की जाए? इसे लेकर विवेक से कार्य करना बेहतर है। प्रदोष जैसे व्रत में, जहां रात्रि के समय का महत्व है, के लिए प्रदोष काल की प्रभावी तिथि को महत्व दिया जाना चाहिए तो दिन में की जाने वाली पूजा के लिए दिन में प्रभावी तिथि को महत्व देना चाहिए।

तिथियों की समय की गणित के चलते कई बार एकादशी व्रत दो दिन तक चलता है। तिथि का मूल उद्देश्य उस व्रत-पूजा काल की गणना के सापेक्ष कार्य करना है, इसलिए तिथि को लेकर ज्यादा भ्रम नहीं पालें, सच्चे मन से किए गए व्रत-पूजन में तिथि-अंश भी मिल जाए तो व्रत-पूजा सार्थक है। वैसे तिथि निर्धारण में स्थानीय धर्मगुरु और कुल परंपराओं के अनुरूप निर्णय लेना उत्तम रहता है। कामयाबी के लिए नियमित रूप से विष्णुदेव की पूजा करें।

अच्युतम केशवम रामनारायणम, कृष्ण दामोदरम् वासुदेवम् हरे।
श्रीधरम् माधवम् गोपिकावल्लभम, जानकी नायकम श्रीरामचन्द्रम् भजे।।

किसी को न बताएं अपने ये सपने, वरना नहीं होगा लाभ

व्यक्ति को कई तरह के सपने आते हैं, जिनका जिक्र वह दूसरों के सामने भी कर देते हैं। लेकिन स्वप्न शास्त्र में कुछ सपनों के बारे में यह कहा गया है कि इनके बारे में किसी को नहीं बताना चाहिए, वरना इससे आपकी उन्नति में बाधा उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में इन सपनों को गुप्त रखने में ही भलाई है।

भूलकर भी न करें जिक्र

स्वप्न शास्त्र में यह माना गया है कि अगर किसी प्रकार का धन लाभ, कीमती आभूषण या आर्थिक समृद्धि से जुड़ा सपना देखते हैं, तो इसे किसी को भी नहीं बताना चाहिए। वहीं अगर आप सपने में चांदी से भरा कलश देखते हैं, तो यह बहुत शुभ माना जाता है। इस सपने को किसी को बताने से इसका लाभ कम हो सकता है।

ना बताएं ये सपने

अगर आप सपने में किसी दुर्घटना, बीमारी या कोई अन्य घटना देखते हैं, तो इसका जिक्र भी किसी से नहीं करना चाहिए। वहीं अगर आप सपने में किसी करीबी की मृत्यु देखते हैं, तो यह सपना उस व्यक्ति की उम्र में वृद्धि की और इशारा करता है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि इस सपने के बारे में भी किसी को नहीं बताना चाहिए।

हो सकता है नुकसान

अगर आप सपने में फूलों का बगीचा या कोई हरी-भरी और खूबसूरत जगह देखते हैं, तो यह काफी शुभ सपना जाता है। यह सपना आपको किसी बड़ी खुशखबरी के मिलने की ओर संकेत करता है। ऐसे में अगर आप इस सपने के बारे में किसी को बताते हैं, तो इस सपने से मिलने वाला लाभ कम हो सकता है। इसी के साथ सपने में भगवान के दर्शन होना भी एक शुभ सपना है, जिसके बारे में किसी को नहीं बताना चाहिए।

माघ पूर्णिमा पर करें तुलसी चालीसा का पाठ
हमेशा पैसों से भरी रहेगी तिजोरी

पंचांग के अनुसार, माघ माह में पूर्णिमा का त्योहार 12 फरवरी को मनाया जाएग। इस दिन महाकुंभ का अमृत स्नान भी है। धार्मिक मान्यत है कि इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने से सभी पापों से छुटकारा मिलता है। साथ ही तुलसी पूजा करने का भी विधान है। ऐसे में तुलसी चालीसा का पाठ कर मां लक्ष्मी को प्रसन्न किया जा सकता है। मान्यत है कि तुलसी चालीसा का पाठ करने से धन से तिजोरी कभी खाली नहीं होती है।

।।दोहा तुलसी चालीसा।।

''श्री तुलसी महारानी, करूं विनय सिरनाय।
जो मम हो संकट विकट, दीजै मात नशाय।।''
नमो नमो तुलसी महारानी, महिमा अमित न जाय बखानी।
दियो विष्णु तुमको सनमाना, जग में छायो सुयश महाना।।
विष्णुप्रिया जय जयतिभवानि, तिहूँ लोक की हो सुखखानी।
भगवत पूजा कर जो कोई, बिना तुम्हारे सफल न होई।।
जिन घर तव नहिं होय निवासा, उस पर करहिं विष्णु नहिं बासा।
करे सदा जो तव नित सुमिरन, तेहिके काज होय सब पूरन।।
कातिक मास महात्म तुम्हारा, ताको जानत सब संसारा।
तव पूजन जो करैं कुंवारी, पावै सुन्दर वर सुकुमारी।।
कर जो पूजन नितप्रति नारी, सुख सम्पत्ति से होय सुखारी।
वृद्धा नारी करै जो पूजन, मिले भक्ति होवै पुलकित मन।।
श्रद्धा से पूजै जो कोई, भवनिधि से तर जावै सोई।
कथा भागवत यज्ञ करावै, तुम बिन नहीं सफलता पावै।।
छायो तब प्रताप जगभारी, ध्यावत तुमहिं सकल चितधारी।
तुम्हीं मात यंत्रन तंत्रन, सकल काज सिधि होवै क्षण में।।
औषधि रूप आप हो माता, सब जग में तव यश विख्याता,
देव रिषी मुनि औ तपधारी, करत सदा तव जय जयकारी।।
वेद पुरानन तव यश गाया, महिमा अगम पार नहिं पाया।
नमो नमो जै जै सुखकारनि, नमो नमो जै दुखनिवारनि।।
नमो नमो सुखसम्पति देनी, नमो नमो अघ काटन छेनी।
नमो नमो भक्तन दुःख हरनी, नमो नमो दुष्टन मद छेनी।।
नमो नमो भव पार उतारनि, नमो नमो परलोक सुधारनि।
नमो नमो निज भक्त उबारनि, नमो नमो जनकाज संवारनि।।
नमो नमो जय कुमति नशावनि, नमो नमो सुख उपजावनि।
जयति जयति जय तुलसीमाई, ध्याऊँ तुमको शीश नवाई।।
निजजन जानि मोहि अपनाओ, बिगड़े कारज आप बनाओ।
करूँ विनय मैं मात तुम्हारी, पूरण आशा करहु हमारी।।

शरण चरण कर जोरि मनाऊं, निशदिन तेरे ही गुण गाऊं।
क्रहु मात यह अब मोपर दाया, निर्मल होय सकल ममकाया।।
मंगू मात यह बर दीजै, सकल मनोरथ पूर्ण कीजै।
जनूं नहिं कुछ नेम अचारा, छमहु मात अपराध हमारा।।
बरह मास करै जो पूजा, ता सम जग में और न दूजा।
प्रथमहि गंगाजल मंगवावे, फिर सुन्दर स्नान करावे।।
चन्दन अक्षत पुष्प् चढ़ावे, धूप दीप नैवेद्य लगावे।
करे आचमन गंगा जल से, ध्यान करे हृदय निर्मल से।।
पाठ करे फिर चालीसा की, अस्तुति करे मात तुलसा की।
यह विधि पूजा करे हमेशा, ताके तन नहिं रहै क्लेशा।।

अगर आप वैवाहिक जीवन खुशहाल चाहते हैं, तो माघ पूर्णिमा के दिन सुहागिन महिलाओं को श्रृंगार का सामान दान करें। माना जाता है कि श्रृंगार का दान करने से वैवाहिक जीवन हमेशा खुशियों से भरा रहता है।

करै मास कार्तिक का साधन, सोवे नित पवित्र सिध हुई जाहीं।
है यह कथा महा सुखदाई, पढ़े सुने सो भव तर जाई।।
तुलसी मैया तुम कल्याणी, तुम्हरी महिमा सब जग जानी।
भाव ना तुझे माँ नित नित ध्यावे, गा गाकर मां तुझे रिझावे।।
यह श्रीतुलसी चालीसा पाठ करे जो कोय।
गोविन्द सो फल पावही जो मन इच्छा होय।।

नम्रता शिरोडकर ने सलमान खान की फिल्म से किया था डेब्यू

कुछ ही फिल्मों के बाद छोड़ा बॉलीवुड, 3 साल छोटे सुपरस्टार से रचाई शादी

बॉलीवुड में ऐसे कई स्टार हैं जो अपने भाई और बहनों के साथ एक्टिंग की दुनिया में आए और साथ साथ इस बॉलीवुड पर राज भी किया। इस फोटो में अपनी मां के साथ मुस्कुराती ये दोनों बहनें भी एक समय बॉलीवुड और टॉलीवुड में बेहद सक्रिय थीं। एक बहन ने एक्टिंग छोड़ने के बाद टॉलीवुड के सुपरस्टार संग शादी कर ली। दूसरी बहन हाल ही में बिग बॉस के घर में आई थी। अगर आप इस फोटो में इन दोनों बच्चियों को नहीं पहचान पा रहे हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। इस बहनों में से एक बहन मिस इंडिया का खिताब भी जीत चुकी है।

तीन साल छोटे महेश बाबू से की शादी

जी हां फोटो में नजर आ रहीं ये क्यूट सी बहनें शिल्पा शिरोडकर और नम्रता शिरोडकर हैं। नम्रता शिरोडकर नब्बे के दशक की मशहूर एक्ट्रेस हैं। नम्रता ने सलमान खान के साथ जब प्यार किसी से होता है के जरिए डेब्यू किया था। इसमें वो सेकेंड लीड रोल में थी।

नम्रता ने हेरा फेरी, कच्चे धागे, तेरा मेरा साथ रहे, अस्तित्व और वास्तव जैसी सुपरहिट फिल्मों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हालांकि बॉलीवुड में नम्रता शिरोडकर जैसी सक्सेस चाहती थी, उनको वैसी सक्सेस मिल नहीं पाई। इसके बाद नम्रता ने टॉलीवुड की ओर रुख किया। यहां तेलुगु फिल्म वामसी के दौरान वो महेश बाबू से मिली और कुछ ही समय में दोनों में प्यार हो गया। महेश बाबू नम्रता से 3 साल छोटे थे और 5 साल की डेटिंग के बाद 2005 में दोनों ने शादी कर ली।

2022 में फिल्म प्रोड्यूस की

शादी के बाद नम्रता ने फिल्मों से नाता तोड़ और फैमिली में बिजी हो गईं। नम्रता ने एक्टिंग भले ही छोड़ी हो लेकिन वो फिल्म प्रोडक्शन में बिजी रहती हैं। 2022 में उन्होंने एक फिल्म मेजर को प्रोड्यूस किया था। नम्रता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। शादी के बाद उनके दो बच्चे हुए बेटी सितारा और गौतम कृष्णा। हालांकि नम्रता फिल्मों से दूर हैं लेकिन वो अपनी फैमिली लाइफ की झलक सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में उनकी बहन शिल्पा शिरोडकर जब बिग बॉस 18 में गई तो उन्होंने अपनी बहन के सपोर्ट में पोस्ट भी किया था।

जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ का खौफनाक ट्रेलर रिलीज

2 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, फ्रेंचाइजी की सातवीं फिल्म जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इस फ्रेंचाइजी की यह फिल्म 3 साल के लंबे इंतजार बाद आ रही है। ट्रेलर एक्शन से भरपूर और धमाकेदार है जिसे देखने के बाद फिल्म के लिए और भी ज्यादा एक्साइटमेंट बढ़ जाती है। ट्रेलर के साथ ही फिल्म के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का एलान भी कर दिया है।जुरासिक वर्ल्ड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि जंगल में हर तरफ खतरा मंडरा रहा है वहीं डायनासोर का धरती से अंत होने वाला है।

लोगों के पास यह आखिरी मौका है जिसमें वे डायनासोर का डीएनए ले सकते हैं। ट्रेलर की शुरुआत में स्कारलेट जोहानसन को मिशन सौंपा जाता है जिसमें उन्हें जिंदा डायनासोर के डीएनए लेने का काम दिया जाता है। उनके इस मिशन में डॉ। हेनरी लूमिस, डंकन किनकैड भी साथ देते हैं। ये एक ऐसा मिशन होगा जिसमें इस पाए गए डीएनए से इंसानी जीवन को बचाया जा सकता है। इसी बीच फिल्म में डायनासोर और इंसानों के बीच जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा और डायनासोर की दहाड़ सुनने को मिलेगी। बता दें फिल्म 2 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।दिलचस्प बात ये है कि जुरासिक वर्ल्ड फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 31 साल पहले रिलीज हुई थी। जुरासिक पार्क साल 1993 में रिलीज हुई थी और दुनियाभर के दर्शकों ने इसे खूब पसंद किया था। जिसके बाद द लास्ट वर्ल्ड: जुरासिक पार्क (1997), जुरासिक पार्क 3 (2001), जुरासिक वर्ल्ड (2015), जुरासिक वर्ल्ड: फॉलन किंगडम (2018), जुरासिक वर्ल्ड डोमिनियन (2022) में रिलीज हुई थी। अब इसका 7वां पार्ट जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ 2025 में रिलीज होने वाली है।फिल्म में मोसासौर, वेलोसिरैप्टर, स्पेनोसॉरस जैसी डायनासोर की प्रजातियां देखने को मिलेंगी। फिल्म उस वक्त पर बेस्ड होगी जब धरती का वातावरण डायनासोर के लिए अनसूटेबल हो गया था। तब सिर्फ कुछ ही इलाकों में डायनासोर पाए जाते थे। इस फिल्म को गैरेथ एडवर्ड्स ने किया है और फिल्म में स्कारलेट जोहानसन, जोनाथन बेली, रूपर्ट फ्रेंड, महेरशला अली, मैनुअल गार्सिया-रुल्फो, लूना ब्लाइस, एड स्क्रेन, डेविड इआकोनों जैसे कलाकार नजर आएंगे।

साक्षी मलिक खूबसूरत साड़ी पहन नजर आई

बॉलीवुड एक्ट्रेस साक्षी मलिक आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और किलर अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। भले ही एक्ट्रेस इन दिनों किसी भी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन वो आए दिन अपने लुक्स से फैंस को अपना दीवाना बनाती रहती हैं।एक्ट्रेस साक्षी मलिक सोशल मीडिया सेंसेशन हैं और वो आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अपनी हॉटनेस से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर स अपने होश खो बैठे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने बेहद खूबसूरत साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।खुले बाल, लाइट मेकअप और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही छा गया है।साक्षी मलिक की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक कई यूजर्स ने लाइक्स और कॉमेंट्स कर दिए हैं। एक यूजर ने लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- ग्लैमरस।बता दें कि साक्षी मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 7 70 लाख से भी ज्यादा यूजर्स फॉलो करते हैं।

विश्वक सेन और आकांक्षा शर्मा की फिल्म लैला का ट्रेलर रिलीज

विश्वक सेन की आने वाली फिल्म लैला फिल्म प्रेमियों के बीच जबरदस्त दिलचस्पी पैदा कर रही है। निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में विश्वक सेन को सोनू मॉडल की भूमिका में दिखाया गया है और वह मुसीबत में पड़ जाता है क्योंकि उसकी हरकतें एक विधायक की जान को खतरे में डाल देती हैं। पुलिस और विधायक के गुर्गे उसे पकडऩे की कोशिश करते हैं और इस प्रक्रिया में वह महिला लैला बनने और खुद को छिपाने का कठोर निर्णय लेता है। इससे दिलचस्प और ट्विस्ट और टर्न सामने आते हैं और मस्ती और एक्शन तत्व सभी को उत्साहित करते हैं। विश्वक सेन और आकांक्षा शर्मा के बीच रोमांटिक तत्व विशेष आकर्षण बन जाते हैं।फिल्म में मुख्य भूमिका में आकांक्षा शर्मा हैं और इसका निर्देशन राम नारायण ने किया है। शाइन स्क्रीन्स के बैनर तले साहू गरपति ने इस प्रोजेक्ट को वित्तपोषित किया है। लैला ने अपने टीजर और सुपरहिट गानों से पहले ही लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। रिचर्ड प्रसाद ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है जबकि लियोन जेम्स ने संगीत दिया है। यह फिल्म 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे स्पेशल के तौर पर रिलीज होने वाली है।

अक्षय कुमार की स्काई फोर्स का बॉक्स ऑफिस पर कब्जा

स्काई फोर्स जनवरी में रिलीज होने वाली एक और फिल्म है जिसे दर्शकों ने देखा और पसंद किया. यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरती दिख रही है. 160 करोड़ के बजट में बनकर तैयार हुई स्काई फोर्स ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है और अब 200 करोड़ के क्लब में शामिल होने के लिए आगे बढ़ रही हैं.सच्ची कहानी पर आधारित यह युद्ध ड्रामा वीर पहाडिय़ा की डेब्यू फिल्म है जिसमें उन्होंने अक्षय कुमार और सारा अली खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया है. यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ विदेशी बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है. फिल्म ने 10 दिनों में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की वर्ल्डवाइड कलेक्शन की है.मेकर्स ने स्काई फोर्स के 10 दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन शेयर किया है. फिल्म ने 10 दिनों में दुनियाभर में 153 करोड़ रुपये की कमाई की है. वहीं भारत में इसने 119.5 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार की वॉर एक्शन थ्रिलर ने एक सप्ताह में 99.7 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था.8वें दिन 4.6 करोड़ रुपये का बिजनेस करने के बाद फिल्म 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सफल हो गई. 8 दिनों में स्काई फोर्स ने 104.3 करोड़ रुपये कमाए. दूसरे शनिवार और रविवार को इसने क्रमश: 7.4 करोड़ रुपये और 7.8 करोड़ का बिजनेस किया. इस तरह 10 दिनों में स्काई फोर्स का भारत में कुल कलेक्शन119.5 करोड़ रुपये रहा.दूसरे मंडे टेस्ट में अक्षय कुमार की फिल्म में लगभग 70.91 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई. फिल्म ने 11वें दिन 1.6 करोड़ कमाए. यह सिलसिला रिलीज के 12वें दिन भी देखने को मिला है. 12वें दिन संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर की निर्देशित फिल्म ने लगभग 1.35 करोड़ रुपये कमाए है. इन 12 दिनों के बाद भारत में स्काई फोर्स का कुल कलेक्शन 122.45 करोड़ रुपये हो गए हैं.अक्षय कुमार की वॉर एक्शन थ्रिलर स्काई फोर्स 100 करोड़ रुपये कमाने वाली 2025 की पहली फिल्म है. फिल्म का निर्देशन संदीप केवलानी और अभिषेक अनिल कपूर ने किया है. यह खिलाड़ी कुमार की कोविड'9 महामारी के बाद सूर्यवंशी और ओएमजी 2 के बाद तीसरी 100 करोड़ नेट ग्रॉसर है.

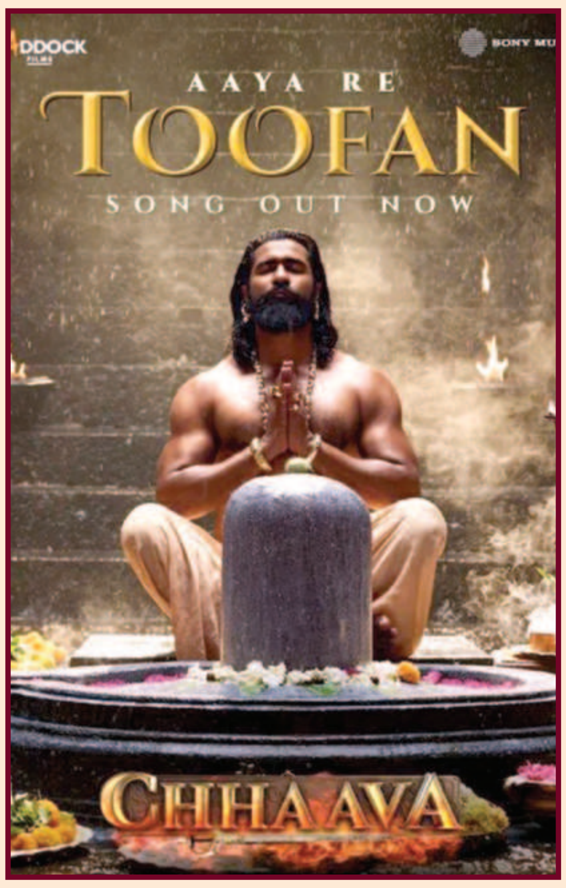

विक्की कौशल की छावा का नया गीत आया रे तूफान जारी

एआर रहमान ने लगाए सुर

काफी समय से दर्शक विक्की कौशल की फिल्म छावा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज को अब सिर्फ चंद दिन बाकी हैं।यह इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है।

छावा को 14 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।अब इससे पहले निर्माताओं ने फिल्म का दूसरा गाना आया रे तूफान जारी कर दिया है, जिसे एआर रहमान ने वैशाली सामंत के साथ गाया है। इरशाद कामिल ने इसके बोल लिखे हैं।यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा है, जिसमें छत्रपति संभाजी महाराज की पौराणिक कहानी को दर्शाया गया है, जिसका किरदार विक्की कौशल ने निभाया है। यह साहसी मराठा शासक के शानदार शासनकाल को दर्शाने के लिए तैयार है, जिसकी शुरुआत 1681 में उनके राज्याभिषेक से होती है। जयपुर में फिल्म के प्रचार के दौरान, विक्की ने मीडिया से बात की कि उन्होंने इस भूमिका के लिए कैसे तैयारी की।छावा के निर्देशन की कमान लक्ष्मण उतेकर ने संभाली है।

दिनेश विजान फिल्म के निर्माता हैं।इस फिल्म में विक्की महान मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं, वहीं रश्मिका मंदाना फिल्म में छत्रपती संभाजी महाराज की पत्नी महारानी येशूबाई की भूमिका में नजर आएंगी।बता दें कि अभिनेता अक्षय खन्ना भी फिल्म छावा का अहम हिस्सा हैं। वह फिल्म में मुगल शहंशाह औरंगजेब का किरदार निभाएंगे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप ख़ुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभा–वना है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। अपने वरिष्ठों को नज़रअंदाज़ न करें। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। बच्चे आप–को अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। महिला सहकर्मी बहुत मददगार रहेंगी और अटके कामों को भली–भांति पूरा करने में सहयोग देंगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। छोटे भाई–बहन आपसे राय मांग सकते हैं अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपके जीवनसाथी के लबों की मुस्कान पल भर में आपका सारा दर्द ग़ायब करने की क़ाबिलियत रखती हे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शरीर के किसी अंगे में दर्द होने की संभावना है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर–उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन इस दौरान आप शराब का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं तो समय की बर्बादी हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्त और रिश्तेदार साथ में ज़्यादा वक़्त बिताने की मांग करेंगे लेकिन यह सभी दरवाज़े बन्द करके राजसी आनन्द लेने का समय है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। अगर आप सही लोगों को अपनी क्षमताएँ और प्रतिभा दिखाएंगे, तो जल्दी ही लोगों की निगाहों में आपकी नयी और बेहतर छवि होगी। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ थकान दूर करेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आप–को भी बुरा लगेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड के साथ अभद्र व्यवहार न करें। नयी योजनाओं को शुरू करने के लिए बढ़िया दिन है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 08 फरवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ, शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 08:18 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 06:08 तक
योग : वैधृति दोपहर 02:04 तक
करण : वणिज प्रातः 08:51 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:14 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 06:15 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:07 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30 दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : जया एकादशी व्रत , भद्रा प्रातः 08:49 से रात्रि 08:16 तक

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य : भजनलाल शर्मा

जयपुर,07 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुए कहा कि हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाते हुए प्रदेश को खुशहाल व विकसित बनाने का है। राज्य सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता, महिला के साथ–साथ समस्त वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा विकसित भारत 2047 हेतु दिये गये विजन के आधार पर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय जल जीवन मिशन में प्रदेश सम्पूर्ण देश में अंतिम पायदान पर खड़ा था। कार्य की गति धीमी थी, इस कारण मार्च 2025 में जेजेएम समाप्ति पर लाखों घर इस योजना का लाभ लेने से वंचित रह जाते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने केन्द्रीय बजट में जेजेएम की अवधि बढ़ाकर मार्च 2028 तक कर दी है। यह हमारी डबल इंजन की सरकार की शक्ति से संभव हुआ है।

शर्मा ने कहा कि गत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार और घोटाले किए गए थे। हमारी सरकार इनकी जांच करवा रही है। गत सरकार के समय योजना के तहत टेंडर्स में अत्यधिक प्रीमियम आ रहा था, उस पर भी अब नियंत्रण हो गया है। इसी तरह गत सरकार के समय सहकारिता विभाग द्वारा दुर्घटना एवं जीवन बीमा के लिए प्रीमियम राशि 450 करोड़ रूपये से अधिक हो गई थी, जबकि अब वह 269 करोड़ रूपये ही है।

शर्मा ने कहा कि राज्यों को पूंजीगत निवेश के लिए उपलब्ध कराई जा रही सहायता तथा ऊर्जा क्षेत्र में सुधार के लिए दिये गये अतिरिक्त ऋण का महत्व है। पन्द्रहवें वित्त आयोग के तहत केन्द्र सरकार द्वारा आगामी वर्ष भी इन प्रा–वधानों को सहमति प्रदान की गई है। इन प्रावधानों के तहत राज्य को 18 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि प्राप्त होगी। केन्द्रीय करों में राज्य की हिस्सा राशि को भी 75 हजार 156 करोड़ रूपये में 14 प्रतिशत से अधिक वृद्धि करते हुए वर्ष 2025–26 के लिए 85 हजार 716 करोड़ रूपये कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने आम बजट वर्ष 2025–26 में ऐतिहासिक घोषणाएं कर आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ा दिया है। अब वह दिन दूर नहीं, जब हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी। उन्होंने कहा कि इस बजट की वजह से राजस्थान में भी 12 लाख वार्षिक आय वाले मध्यम वर्ग व नौकरी पेशा लोगों को अब किसी प्रकार का आयकर नहीं देना होगा। इससे आमजन की जेब में जब ज्यादा पैसा आयेगा और वह निश्चित तौर पर ज्यादा खर्च करेगा। उन्होंने कहा कि 77 लाख से अधिक अन्नदाताओं, किसानों के लिए केसीसी की सीमा को 3 लाख से बढाकर 5 लाख किया गया है। साथ ही, प्रदेश में 6 लाख गिग वर्कर्स को पंजीकृत कर पीएम जन आरोग्य योजना से जोड़ने का फैसला आम बजट में लिया गया है। उन्होंने कहा कि आमजन, कृषकों, निवेशकों एवं उद्यमियों को राहत देने की श्रृंखला में आर.बी.आई. द्वारा भी 0.25 प्रतिशत रेपो रेट में कमी की गई है।

शर्मा ने कहा कि गत सरकार द्वारा अतार्किक रूप से थोथी घोषणाएं की गई। किसानों से 10 दिन में संपूर्ण कर्जमाफी का वादा कर वादाखिलाफी की गई। हमारी सरकार ने प्रथम वर्ष में ही प्रदेश के विकास का एक्शन प्लान घोषित किया है। उन्होंने कहा कि वह किसान परिवार से आते है, इसलिए किसानों की जरूरतों को समझते है। आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र के तहत किसान सम्मान निधि की राशि को दोगुना करने का वादा किया था। प्रथम फेज में इसे 6 हजार रूपये से बढाकर 8 हजार रूपये किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के कार्यकाल में कुल 4148 घोषणाओं में से लगभग आधी 1921 घोषणाएं अपूर्ण रही हैं। उनके कार्यकाल में 50 हजार करोड़ रूपये से भी अधिक की अनेकों घोषणाओं पर काम ही प्रारम्भ नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि जनहित का ध्यान रखते हुए हमने पहले बजट में 5 वर्षों की कार्ययोजना निर्धारित कर 1 हजार से अधिक घोषणाएं की हैं। हमारी सरकार ने लेखानुदान और परिवर्तित बजट में कुल 1272 बजट घोषणाएं की हैं जिसमें से 297 पूर्ण हो चुकी हैं। 488 बजट घोषणाओं के संबंध में प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृतियां जारी की गई है और काम भी प्रगतिरत है।

शर्मा ने कहा कि गत सरकार के अंतिम वर्ष में 4232 स्कूटी वितरण हुई, जबकि हमारी सरकार के प्रथम वर्ष में ही 24 हजार 517 स्कूटियों का वितरण किया गया। हमने 88 हजार 800 टेबलेट का वितरण किया, जबकि गत सरकार के अंतिम वर्ष में यह संख्या शून्य रही। इसी प्रकार प्रथम वर्ष में 28 हजार 884 सोलर पम्प की स्थापना की गई जबकि गत सरकार के कार्यकाल में यह संख्या 1200 रही। हमारी सरकार ने एक वर्ष में नहरी तंत्र के माध्यम से 22 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई। गत सरकार के अंतिम वर्ष में यह आंकड़ा 12 हजार 492 रहा। हमने एक वर्ष में गौशालाओं को 1148 करोड़ रूपये की सहायता दी, जबकि गत सरकार ने अंतिम वर्ष में गौशालाओं को 733 करोड़ रूपये की ही सहायता दी।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बीमा योजना का दायरा बढ़ाते हुए कैंसर जैसी गम्भीर बीमारियों एवं शिशुओं के पैकेज आदि को सम्मिलित कर मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (माँ योजना) लागू की गई। इसी प्रकार पशुधन बीमा में छोटे पशु भी शामिल करते हुए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना लागू की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय ईआरसीपी को लटकाया, अटकाया और भटकाया गया। हमारी सरकार ने इस परियोजना का दायरा बढ़ाते हुए 'रामजल सेतु लिंक परियोजना' के रूप में धरातल पर क्रियान्वित करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि नवनेरा बैराज के अधूरे काम को पूरा कर माननीय प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से लोकार्पण करवाया गया। प्रधानमंत्री की मौजूदगी में ही जयपुर में आयोजित रामसेतु जल संकल्प कलश कार्यक्रम में एमओए एक्सचेंज किया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रस्तावित 3510 एमसीएम को बढ़ाकर 4102 एमसीएम जल प्राप्त करने का समझौता किया है। यह परियोजना भारत सरकार की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना का हिस्सा है। इस परियाजना के क्रियान्वयन हेतु 9 हजार 416 करोड़ रूपये के कार्यादेश जारी कर काम प्रारंभ कर दिया है। साथ ही, योजना को और आगे बढ़ाते हुए 12 हजार 64 करोड़ रूपये के 5 अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की निविदाएं जारी कर दी गई हैं।

शर्मा ने कहा कि चूरू, सीकर, झुंझुनूं के प्यासे कंठों को पीने का पानी व 1 लाख 5 हजार हेक्टेयर प्यासी धरती की प्यास बुझाने का महत्ती कार्य किया जाएगा। शेखावाटी की जमीन पर यमुना का सरप्लस 1917 क्यूसेक पानी आएगा। उन्होंने कहा कि हम 19 हजार 136 करोड़ रूपये खर्च कर शेखावाटी के आम आदमी के सपने को साकार करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के कुप्रबंधन के कारण सितम्बर 2023 से कोयले की सप्लाई बन्द हो गई थी। हमने इस समस्या का समाधान करते हुए जनवरी 2024 से 40 हजार मेट्रिक टन कोयला प्रतिदिन प्राप्त करना प्रारंभ कर दिया है। उन्होंने कहा कि गत सरकार के गलत निर्णयों के कारण पारसा कोल ब्लॉक से भी कोयला उपलब्ध नहीं हो पाया। हमारी सरकार के प्रयासों से 8 हजार मेट्रिक टन कोयला उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि गत सरकार ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में मात्र 543 मेगावाट विद्युत उत्पादन की वृद्धि की, जबकि हमारी सरकार द्वारा एक साल के कार्यकाल में ही 2100 मेगावाट से अधिक विद्युत उत्पादन की वृद्धि की है।

कबूतरबाज एजेंटों के खिलाफ पुलिस ने चलाया अभियान

करनाल में तीन के खिलाफ मामला दर्ज

चंडीगढ़,07 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से भारतीयों के डिपोर्ट होने के बाद पुलिस प्रशासन ने कबूतर बाजी करने वाले एजेंटों के खिलाफ अभियान चलाया है. आज इस कड़ी में करनाल पुलिस ने चार एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. अमेरिका से तीन के डिपोर्ट के बाद शिकायत दी थी. पुलिस ने इमीग्रेशन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया।

निर्वासन का सामना करने वाले व्यक्तियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। हालांकि शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखी गई है, लेकिन पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच कर रही है। बताया जाता है कि ये लोग बेहतर जीवन की तलाश में एजेंटों के माध्यम से अवैध रूप से अमेरिका में प्रवास करना चाहते थे, लेकिन अंततः वहां की सरकार ने उन्हें निर्वासित कर दिया। मामले का खुलासा होने के बाद तीन अलग–अलग पुलिस स्टेशनों: मधुबन, राम नगर और असंध में एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस इसमें शामिल संदिग्धों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

इससे पहले भी हरियाणा में कबूतर–तस्करी के अन्य मामले सामने आ चुके हैं। पिछले मामलों में कई एजेंटों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और कई एफआईआर दर्ज की गई हैं।

पुलिस ऐसी गतिविधियों में संलिप्त एजेंटों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही है, ताकि ऐसे गिरोहों को खत्म किया जा सके जो अवैध विदेशी प्रवास का वादा करके लोगों को धोखा देते हैं। पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि अगर कोई व्यक्ति किसी को विदेश भेजने के लिए बड़ी रकम मांगता है या संदिग्ध गतिविधियों में शामिल दिखता है, तो कृपया तुरंत उन्हें सूचित करें।

हरियाणा में जल्द हो सकती है शिक्षक पात्रता परीक्षा, शिक्षा विभाग ने तैयारी की पूरी

चंडीगढ़,07 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में शिक्षक बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा जल्द ही आयोजित की जा सकती है। अनुमान है कि परीक्षा फरवरी के अंतिम सप्ताह या मार्च के शुरुआती सप्ताह में हो सकती है। परीक्षा हर साल इसी अवधि में होती है।हरियाणा सरकार और शिक्षा विभाग हर साल फरवरी के अंतिम सप्ताह या मार्च के शुरुआती सप्ताह में हो सकती है। परीक्षा हर साल इसी अवधि में होती है।हरियाणा सरकार और शिक्षा विभाग हर साल फरवरी या मार्च में शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करता है।

पिछले वर्षों के रिकॉर्ड को देखें तो परीक्षा इसी समय आयोजित होती रही है। ऐसे में उम्मीद है कि शिक्षा विभाग इस बार भी परीक्षा तिथियों की घोषणा समय रहते कर देगा।हरियाणा शिक्षा विभाग जल्द ही परीक्षा तिथियों और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विवरण प्रदान कर सकता है शिक्षक बनने का सपना देख रहे युवाओं की उम्मीदें बढ़ गई हैं।इस परीक्षा के जरिए हरियाणा सरकार प्राइमरी, ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर और पोस्ट ग्रेजुएट टीचर की भर्ती के लिए पात्रता प्रदान करती है। इस साल, परीक्षा की आधिकारिक घोषणा जारी होने के बाद, लाखों उम्मीदवार अपनी तैयारी शुरू कर देंगे।

रेलवे कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के संपर्क शिविर

85 कर्मचारियों से संपर्क और 30 शिकायतों समाधान

रेवाड़ी,07 फरवरी (एजेंसियां)। रेवाड़ी रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को रेलवे कर्मचारियों के लिए संपर्क शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सेवारत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याएं सुनी गईं। उत्तर पश्चिम रेलवे (छ्थठ) जयपुर मंडल की टीम ने करीब 85 कर्मचारियों से संपर्क किया और 30 शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक अमिताभ सिंह के निर्देशानुसार और मंडल रेल प्रबंधक श्री विकास पुरवार के मार्गदर्शन में इस शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री कृष्ण कुमार मीना ने बताया कि शिविर में गैंगमैन, ट्रैकमैन, प्वाइंटमैन और गेटमैन जैसे विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों से संपर्क किया गया। अधिकांश कर्मचारी संतुष्ट नजर आए और उनकी कोई विशेष शिकायत नहीं थी।

रेलवे अधिकारी डॉ. सुनीता चौधरी ने बताया कि शिविर में 30 से अधिक कर्मचारियों ने वेतन, सेवा, पास, पदोन्नति, कर्मचारी कल्याण, आवास एवं पारिवारिक समस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्र सौंपे। इन सभी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।रेलवे प्रशासन ने कर्मचारियों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए फरवरी, मार्च और अप्रैल में विशेष शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है।

भारत और अमेरिका के बीच मजबूत राजनयिक

आर्थिक संबंधों की दुहाई देने वाली केंद्र सरकार मौन क्यों? : सैलजा

चंडीगढ़,07 फरवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत राजनयिक और आर्थिक संबंधों की दुहाई देने वाली केंद्र सरकार जब हमारे ही नागरिकों का अपमान होता है, तो चुप्पी साध लेती है। भारतीयों को अमेरिका से हथकड़ी और पांव में बेड़ी पहनाकर भेज दिया गया, जो कि पूरी तरह से अमानवीय और अपमानजनक है। क्या केंद्र सरकार शेष भारतीयों को अपने हवाई जहाज भेजकर सम्मान वापस लेकर आएगी।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीय नागरिकों को अमानवीय तरीके से अमेरिका से वापस भेजने की प्रक्रिया पर सरकार को जवाब देना चाहिए। महिलाओं सहित भारतीय नागरिकों को हथकड़ी और पांव में जंजीर डालकर भारत भेजा गया जो भारत मां के सीने को छलनी करने जैसा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि डंकी रूट से भारतीय को विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सरकार को कठोर

कार्रवाई करनी चाहिए ताकि रोजगार की तलाश में विदेश जाने वाले लोगों के साथ धोखा न हो और अंत में देश को शर्मसार न होना पड़े। देश के हर शहर और कस्बों में दुकान सजाकर बैठे एजेंटों पर कार्रवाई की जाए चाहे वह कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो।कुमारी सैलजा ने कहा कि अभी तक जो खबर सामने आ रही है उसके अनुसार करीब सात लाख भारतीय डंकी रूट से गए है जिनमें हरियाणा राज्य के लोगों की संख्या सबसे अधिक बताई जा रही है। क्या केंद्र सरकार अपने हवाई जहाज भेजकर ससम्मान उन्हें भारत लेकर आएगी। कुमारी सैलजा ने कहा कि जिस प्रकार से अमेरिकी सरकार ने भारतीय को वापस भेजते समय जो व्यवहार किया है उसे लेकर अमेरिकी सरकार के समक्ष अपना विरोध व्यक्त करना चाहिए। अपने हित साधने के लिए सरकार देश का सम्मान गिरवी नहीं रख सकती।

कुमारी सैलजा ने कहा कि कोलंबिया जैसा देश जब अमेरिका को आंख दिखा सकता है तो भारत क्यों नहीं। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार लोगों को सपना दिखा रही है कि भारत विश्वगुरु बनने जा रहा है।

प्रधानमंत्री के एक भारत–श्रेष्ठ भारत के सपने को चरितार्थ कर रहा सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला : गजेन्द्र सिंह

चंडीगढ़,07 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के जिला फरीदाबाद के सूरजकुंड में आयोजित 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का आज भव्य आगाज़ हुआ। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण व अंत्योदय सेवा मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर और खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम की गरिमामयी उपस्थिति रही। सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला 7 फरवरी से 23 फरवरी तक चलेगा, जिसमें देश–विदेश के शिल्पकारों और कलाकारों की अद्भुत कला, शिल्प और प्रतिभा देखने को मिलेगी।

उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज दो बड़े ऐतिहासिक आयोजनों के माध्यम से भारत देश विश्व का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। एक ओर जहां, पिछले हजारों साल से भारत को एकता के स्वरूप सांस्कृतिक विरासत का अध्याय लिखने वाले व भारत को सामाजिक समरसता और एकता के सूत्र में बांधने वाले महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। वहीं, दूसरी ओर भारत की सांझी कलात्मक विरासत का प्रदर्शन करने वाले सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले का आज शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि सूरजकुंड का यह मेला केवल क्राफ्ट को ट्रेड करने या दिखाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह शिल्पकारों और दस्तकारों की पुरातन परंपरा को दर्शाने का महान मंच है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक भारत–श्रेष्ठ भारत का जो स्वपन हम देख रहे हैं, यह मेला उस संदेश को चरितार्थ करने का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि आज से 10–15 साल पहले भारत की पहचान पूरे विश्वभर में एक गरीब देश, पिछड़े व देश के रूप में थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 10 सालों में जो प्रगति की है, उससे एक नए सूर्य का उदय हुआ है।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में बोले हम नेता अनिल सिंह

'बिहार की जनता मोदी-नीतीश की जोड़ी से खुश'

पटना (एजेंसियां)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। यह सम्मेलन किशनगंज और अररिया जिलों में हुआ, जहां एनडीए के सभी घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सम्मेलन में कार्यकर्ताओं का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

एनडीए के नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं, बल्कि बिहार के विकास और सुशासन का चुनाव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरे जोश और ऊर्जा के साथ घर-घर जाकर जनता को एनडीए सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में 225 से अधिक सीटें जीतने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि एनडीए का लक्ष्य सिर्फ सत्ता में आना नहीं, बल्कि जनसेवा करना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और बिहार सरकार में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने सम्मेलन में कहा कि बिहार में होने वाला विधानसभा चुनाव केवल एक राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि विकास और सुशासन का संकल्प है। उन्होंने कहा कि एनडीए के कार्यकर्ता पूरी मेहनत और लगन के साथ चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। डॉ. जायसवाल ने कहा, कि "हम सबकी मेहनत से एनडीए की जीत निश्चित है। कार्यकर्ताओं को

चाहिए कि वे घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दें और जनता को मतदान के लिए प्रेरित करें।" उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर विश्वास करती है। इसी वजह से लोकसभा चुनावों और हाल के उपचुनावों में एनडीए को भारी सफलता मिली है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे विपक्ष के झूठे प्रचार का जवाब जनता के बीच जाकर दें।

डॉ. दिलीप जायसवाल ने जोश भरते हुए कहा, "हम न केवल चुनाव जीतेंगे, बल्कि बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाएंगे।" उन्होंने कहा कि यह केवल एक आमसभा नहीं, बल्कि संघर्षशील कार्यकर्ताओं का जुटान है, जो एनडीए के विचारों के साथ बूथ स्तर पर मजबूती से चुनाव लड़ते हैं।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह सम्मेलन में भारी भीड़ उमड़ी है, उससे साफ है कि बिहार की जनता ने आगामी चुनाव में एनडीए के पक्ष में फैसला कर लिया है। उन्होंने कहा कि एनडीए कार्यकर्ताओं की एकता से गठबंधन लगातार मजबूत हो रहा है, जबकि विपक्षी दलों का गठबंधन कमजोर पड़ता जा रहा है।

उन्होंने विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा, "इन दलों को बिहार के विकास की कोई चिंता नहीं है। ये केवल अपने परिवार की राजनीति कर रहे हैं।" उन्होंने महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष के कुछ नेता अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए जनता को गुमराह कर रहे हैं। लेकिन बिहार की जनता अब समझदार हो गई है और वह विकास के पक्ष में मतदान करेगी।

लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने राजद और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि "राजद के नेता झूठ, भ्रम और अफवाह फैलाने में लगे हैं, लेकिन जनता उनके झूठ को समझ चुकी है।" उन्होंने कहा कि राजद के नेता चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं, लेकिन वे खुद जानते हैं कि उनकी सरकार बनने वाली नहीं है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाएं और उन्हें विपक्ष के झूठे वादों से सावधान करें। राजू तिवारी ने कहा कि यह चुनाव बिहार के भविष्य का चुनाव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अभी से चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं और बूथ स्तर तक एनडीए की जीत सुनिश्चित करें।

हम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी से बिहार की जनता खुश है। उन्होंने कहा कि हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट में बिहार को कई बड़ी सौगातें दी गई हैं, जिससे साफ है कि एनडीए की सरकार बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग एनडीए सरकार की विकास योजनाओं का समर्थन कर रहे हैं। हाल में हुए उपचुनावों में जनता ने एनडीए को जो समर्थन दिया, वह इस बात का प्रमाण है कि बिहार की जनता एक बार फिर एनडीए सरकार चाहती है।

रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता अब राजद की सच्चाई जान चुकी है और उन्हें कभी भी दोबारा मौका नहीं देगी। उन्होंने कहा, "राजद की पहचान केवल भ्रष्टाचार और अपराध से जुड़ी रही है। जब भी राजद सरकार बनी, बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ा। लेकिन एनडीए सरकार ने बिहार को विकास की राह पर आगे बढ़ाया है।" उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनेगी।

एनडीए के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यकर्ताओं से 225 से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार हमेशा जनता की सेवा के लिए काम करती है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार में कानून व्यवस्था मजबूत की है, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे का विकास किया है और गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। जनता इन उपलब्धियों से खुश है और आगामी चुनाव में एनडीए को फिर से सत्ता में लाने का मन बना चुकी है।

सम्मेलन के अंत में एनडीए के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि हर कार्यकर्ता को अपने बूथ पर मेहनत करनी होगी, मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क करना होगा और सरकार की योजनाओं की जानकारी देनी होगी। कार्यकर्ताओं ने भी पूरे जोश के साथ संकल्प लिया कि वे आगामी चुनाव में एनडीए की जीत सुनिश्चित करेंगे। सम्मेलन में उपस्थित हजारों कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में "फिर एक बार, एनडीए सरकार" का नारा लगाया और आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत का विश्वास जताया।

आरा सांसद ने भोजपुर डीएम के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

पटना (एजेंसियां)। आरा से सांसद सुदामा प्रसाद ने भोजपुर के जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया (आईएएस) पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर डीएम पर न्यूनतम विशेषाधिकारों के उल्लंघन और सांसदों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन न करने का आरोप लगाया है।

सांसद सुदामा प्रसाद ने पत्र में लिखा है कि उन्हें 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था। लेकिन जब वह कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, तो उनके बैठने के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं थी। पूछताछ करने पर उन्हें भोजपुर पुलिस अधीक्षक (एसपी) के बगल में बैठाया गया, लेकिन जब डीएम वहां पहुंचे तो उन्हें वहां से भी हटा दिया गया। सांसद ने इसे न केवल उनका व्यक्तिगत अपमान बताया, बल्कि कहा कि यह संसद और लोकतंत्र की गरिमा का भी हनन है। उन्होंने इस घटना को सांसदों के विशेषाधिकारों का सीधा उल्लंघन करार दिया।

सांसद ने आगे आरोप लगाया कि यह कोई अकेली घटना नहीं

है। उन्होंने दावा किया कि भोजपुर डीएम पहले भी कई मौकों पर सांसदों के प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर चुके हैं। उन्होंने लिखा कि जिले में चल रही सरकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी देने में डीएम टालमटोल करते रहे हैं। वह सांसद की उपस्थिति को नजरअंदाज करने की सोची-समझी रणनीति अपनाते हैं। सांसद ने कहा कि एक निर्वाचित प्रतिनिधि के साथ ऐसा व्यवहार केवल व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि जनता का भी अपमान है।

सांसद सुदामा प्रसाद ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि भोजपुर डीएम के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने लिखा कि डीएम का यह व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और इससे सांसदों की गरिमा को ठेस पहुंची है। सांसद ने उम्मीद जताई कि लोकसभा अध्यक्ष इस मामले को गंभीरता से लेंगे और उचित हस्तक्षेप कर लोकतंत्र व निर्वाचित प्रतिनिधियों के सम्मान की रक्षा करेंगे।

निजी अस्पताल में मरीज की मौत पर परिजनों ने जमकर किया हंगामा

लापरवाही और हत्या का लगाया आरोप

पूर्णिया (एजेंसियां)। किशनगंज शहर के पश्चिम पाली स्थित निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज संतोष कुमार देव (62) की मौत के बाद हंगामा हो गया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों पर ला-परवाही और गलत इलाज का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर प्रदर्शन किया। हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

जानकारी के मुताबिक, मृतक संतोष कुमार देव किशनगंज के पुराना खगड़ा के निवासी थे। परिजनों के अनुसार, उन्हें 27 जनवरी को पेट में तकलीफ के चलते निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 31 जनवरी को डॉक्टर अरशद और एक अन्य चिकित्सक द्वारा उनका ऑपरेशन किया गया। परिजनों ने बताया कि ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति बिगड़ने लगी, और सीने में संक्रमण फैल गया। गुरुवार शाम करीब चार बजे उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया और कई तरह के टेस्ट कराए गए।

हालांकि देर रात अस्पताल प्रशासन ने परिजनों को उनकी मौत की सूचना दी, जिसके बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के खिलाफ आक्रोश जताया और लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग भी अस्पताल में रात करीब 10 बजे जमा हो गए और अस्पताल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। हंगामे के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान भी मौके पर पहुंचे और मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

मामले की सूचना मिलते ही किशनगंज थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

उन्होंने बताया कि अब तक परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है, लेकिन पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

थाना अध्यक्ष ने कहा कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने स्थिति संभाली। परिजनों से लिखित शिकायत मिलने पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने लापरवाही बरती, जिससे संतोष कुमार देव की मौत हुई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है और वे इस मामले की उचित जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अब यह देखना होगा कि अस्पताल प्रशासन इस पर क्या सफाई देता है और पुलिस की जांच किस निष्कर्ष तक पहुंचती है। मृतक के परिजन न्याय के लिए आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं।

जमुई को सीएम नीतीश ने दी बड़ी सौगात, 890 करोड़ की विकास योजनाओं का किया शिलान्यास और उद्घाटन

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपनी प्रगति यात्रा के तहत जमुई जिले का दौरा किया। जहां उन्होंने करीब 890 करोड़ रुपये की लागत से 16 महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास और 58 परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन योजनाओं में बुनियादी ढांचे के विकास, जल जीवन हरियाली अभियान, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और खेल सुविधाओं से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 11 बजे गढ़ी थाना क्षेत्र के धावाटांड़ मैदान में हेलीकॉप्टर से पहुंचे। वहां से उन्होंने गढ़ी डैम के पास विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें सड़क निर्माण, सिंचाई सुविधाओं, जल संरक्षण और ग्रामीण विकास की कई योजनाएं शामिल थीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में विकास कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा, ताकि आम जनता को अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

इसके बाद मुख्यमंत्री सुबह 11:30 बजे सोनपे मैदान पहुंचे, जहां पुलिस जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके उपरांत उन्होंने राजकीय महिला डिग्री कॉलेज, महिला थाना, संयुक्त श्रम भवन, खेल मैदान, मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र और जल

जीवन हरियाली अभियान के तहत निर्मित तालाब समेत कई जनहितकारी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजकीय महिला डिग्री कॉलेज और महिला थाना के उद्घाटन को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और सुरक्षा के बेहतर संसाधन उपलब्ध कराकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। इन स्टॉलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास, मनरेगा और उद्यान विभाग से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचे।

निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से सरकारी अतिथि गृह पहुंचे, जहां उन्होंने अल्प विश्राम किया। इसके बाद वह जमुई समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और जिले में चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति पर विस्तृत चर्चा करेंगे और आवश्यक निर्देश देंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दौरे के दौरान कहा कि बिहार सरकार जनता के हित में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विकास योजनाओं को समय पर पूरा किया जाए और जनता को उनके लाभ से वंचित न किया जाए।

जमुई जिले में लोगों की मांगों को लेकर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आप जानते हैं कि हम लोगों ने जमुई जिले में विकास का काफी काम कराया है, फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गई है उसे पूरा किया जाएगा।

अपर किऊल जलाशय योजना का विस्तारीकरण और इससे निकलने वाली नहरों का पक्कीकरण किया जाएगा। इससे स्थानीय किसानों को सिंचाई में सुविधा होगी। (जल संसाधन विभाग)

गरही डैम का एले-डेंऑक्षी के दृष्टिकोण से विकास किया जाएगा। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग)

गरही से लछुआर जाने वाली सड़क पर किऊल नदी पर पुल का निर्माण किया जाएगा। इससे लछुआर जाने वाले पर्यटकों को काफी सुविधा होगी। (ग्रामीण कार्य विभाग)

गिद्धौर स्टेडियम का पुनर्निर्माण किया जाएगा। गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय में पूर्व से निर्मित स्टेडियम काफी पुराना और सुविधाविहीन है, जिसके पुनर्निर्माण से युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा। (खेल विभाग)

जमुई प्रखंड मुख्यालय से सटे पतनेश्वर धाम को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इससे पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। (पर्यटन विभाग)

हरनारायणपुर चौरा पथ से सिकेरिया गांव तक सड़क और पुल बनाया जाएगा। इससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। (ग्रामीण कार्य विभाग)

बरहट प्रखंड के डाढ़ा पंचायत में नकटी नदी पर दुर्गा मंदिर से पमैया तक पुल का निर्माण किया जाएगा। इससे लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। (ग्रामीण कार्य विभाग)

बरनार जलाशय योजना की पुनः समीक्षा कर नए सिरे योजना के क्रियान्वयन की कार्रवाई की जाएगी। यह योजना लगभग 50 साल से लंबित है। इससे स्थानीय किसानों को सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी। (जल संसाधन विभाग)

जमुई जिले के चकाई में महाविद्यालय (डिग्री कॉलेज) की स्थापना की जाएगी। इससे छात्र/छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। (शिक्षा विभाग)

जमुई जिले में चकाई, जमुई सदर और सोनो कुल तीन प्रखंडों में नए प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवन तथा इस्लामनगर अलीगंज, बरहट और गिद्धौर कुल तीन प्रखंडों में प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय-सह-आवासीय परिसर का निर्माण कराया जाएगा। (भवन निर्माण विभाग)

जमुई शहर के पास एक स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें शूटिंग रेंज भी शामिल होगी। इससे खेलों को बढ़ावा मिलेगा। (खेल विभाग)

जब तक वादी को न्याय नहीं, जिलाधिकारी का वेतन रुका रहेगा

35 साल से भटकते शख्स के पक्ष में कोर्ट

मुंगेर (एजेंसियां)। बेगूसराय में न्याय की लड़ाई लड़ रहे एक व्यक्ति को 35 वर्षों से इंसाफ नहीं मिला, इसी इंतजार में उनकी पत्नी का भी निधन हो गया। प्रशासन की ला-परवाही के चलते जब पीड़ित पक्ष को बार-बार न्याय नहीं मिला, तो उसने पुनः अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब इस मामले में तेघड़ा मुंसिफ कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए बेगूसराय के डीएम का वेतन रोकने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने जिला कोषागार अधिकारी को निर्देश दिया है कि जब तक पीड़ित को न्याय नहीं मिलता, तब तक डीएम का वेतन न रिलीज किया जाए। साथ ही आदेश मिलने के सात दिनों के भीतर शपथ पत्र दाखिल करने को कहा गया है। अदालत ने साफ किया कि अगर इस आदेश का अनुपालन नहीं हुआ, तो अवमानना और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा बेगूसराय के एसपी को भी निर्देश दिया गया है कि अगली सुनवाई तक कोर्ट के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें। यह फैसला प्रो. श्यामदेव पंडित सिंह एवं अन्य बनाम दुलारू सिंह एवं अन्य के केस में आया है। इसमें कोर्ट ने पहले ही जिला प्रशासन को जमीन का कब्जा दिलाने का आदेश दिया था।

जानकारी के मुताबिक, मामला 35 साल पुराना है। जब बेगूसराय के श्यामदेव प्रसाद सिंह ने अपनी जमीन

पर अवैध कब्जे को हटाने के लिए कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। केस नंबर 06/1999 के तहत कोर्ट ने फैसला उनके पक्ष में सुनाया था और प्रशासन को उनकी जमीन खाली कराने का आदेश दिया था। इसके लिए कोर्ट ने प्रशासन से 49,015 रुपये बतौर खर्च जमा करवाने को कहा था, जिसे वादी (श्यामदेव प्रसाद सिंह) ने जमा भी कर दिया। लेकिन कोर्ट के आदेश के बावजूद, जिला प्रशासन ने 10 वर्षों तक जमीन खाली नहीं कराई। 2014 में पटना हाईकोर्ट ने भी पीड़ित के पक्ष में फैसला दिया, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन कार्रवाई करने में विफल रहा।

27 सितंबर 2024 को तेघड़ा मुंसिफ कोर्ट ने जिला प्रशासन और पुलिस से रिपोर्ट मांगी थी कि अब तक आदेश का पालन क्यों नहीं किया गया। लेकिन प्रशासन ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके बाद 25 जनवरी 2025 को बेगूसराय के एसपी भी सुनवाई में नहीं बता सके कि कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं हुआ।

अब इस मामले में तेघड़ा मुंसिफ कोर्ट ने एसपी को भी सख्त आदेश दिया है कि अगली सुनवाई तक वे आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें और इसकी रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करें। साथ ही इस आदेश की प्रति प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बेगूसराय के माध्यम से रजिस्ट्रार जनरल पटना हाईकोर्ट को भेजने का भी निर्देश दिया गया है।तेघड़ा मुंसिफ कोर्ट के इस सख्त फैसले के बाद अधिवक्ताओं और न्याय की उम्मीद लगाए बैठे लोगों में खुशी देखी जा रही है। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह फैसला न्यायपालिका में जनता के विश्वास को और मजबूत करेगा। वर्षों से न्याय की आस में भटकते पीड़ितों के लिए यह आदेश एक मिसाल बनेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com